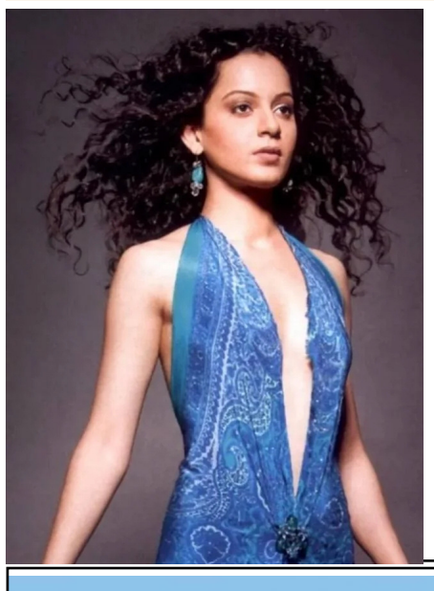
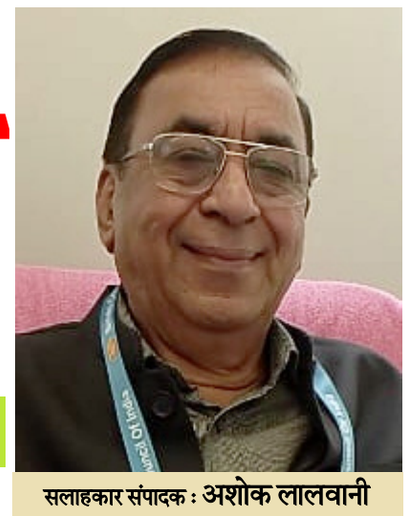
www.shabdawanisamachar.page

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

RNI NO. DELHI/2003/09049



दैनिक शब्दवाणी समाचार



सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 306 नई दिल्ली, सोमवार, 31 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रूपये

Dedicated to Sindhi Council of India

► हाइड्रोपावर सुरंगों में 898 लोग फंसे, अब तक 804 शव मिले

चमत्कार: नेपाल त्रासदी के तीन दिन बाद मलबे से जिंदा निकली 6 साल की मासूम

सुरंग में फंसे लोगों तक 6 इंच के पाइप के जरिए पहुंचाई जा रही है ऑक्सीजन बचाव दल सुरंग तक पहुंचने के लिए मलबा हटाने में जुटे, भारतीय दल भी पहुंचे

● काठमांडू / (एजेंसी)

नेपाल के रसुवा जिले में आई विनाशकारी बाढ़ के तीन दिन बाद एक छह साल की बच्ची को कीचड़ और मलबे के नीचे से जिंदा बाहर निकाला गया। यह घटना तिमुरे गांव में हुई, जहां सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। बचे हुए लोगों की तलाश के दौरान, आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) के अधिकारियों को मिट्टी के नीचे से हल्की-हल्की रोने की आवाज सुनाई दी।

उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए खुदाई शुरू की और बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला। शुरुआत में उसका इलाज तिमुरे में एपीएफ बॉर्डर आउटपोस्ट पर किया गया, लेकिन उसकी हालत बिगड़ने लगी और उसे बेहतर मेडिकल सुविधा में तुरंत इलाज की जरूरत पड़ी। अधिकारियों ने शुक्रवार शाम को उसे एयरलिफ्ट करके काठमांडू भेजने का इंतजाम किया, हालांकि खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण उड़ान में देरी हुई। बचाव कर्मियों ने शनिवार दोपहर तक उसकी हालत स्थिर बनाए रखी, जब मौसम इतना साफ हो गया कि उसे हेलिकॉप्टर से काठमांडू के अस्पताल ले जाया जा सके। अब बच्ची का इलाज स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की देखरेख में हो रहा है और वह कड़ी मेडिकल निगरानी में है।





एक युवती ने 17 परिजनों को खोया

नेपाल के रसुवा जिले की 20 वर्षीय कोपिला तामांग ने बाढ़ में अपने परिवार के 17 सदस्यों को खो दिया। 2015 के भूकंप में उनका घर तबाह हुआ था, लेकिन इस बार बाढ़ उनके नए घर के साथ मां, बहन, दादी और एक महीने के भतीजे समेत कई परिजनों को भी बहा ले गई। कोपिला ने कहा, मैं खुद को बिल्कुल अकेला और खोया हुआ महसूस करती हूं। उनका 7 साल का भाई अब भी मानता है कि उनकी मां वापस आएंगी।

टी ब्रेक ने बचाई 5 दोस्तों की जान

नेपाल त्रासदी के बीच छत्तीसगढ़ के रायपुर से घूमने गए पांच दोस्तों के लिए एक कप चाय जिंदगी की सबसे बड़ी सौगात साबित हुई। रायपुर के माना कैंप इलाके के रहने वाले नारायण सेन, दिनेश ओझा, प्रेम सिंह जगत, यतींद्र प्रकाश और दिनेश सिंह ठाकुर 21 अगस्त को नेपाल की यात्रा पर निकले थे। 26 अगस्त की सुबह करीब 9:30 से 10:00 बजे के बीच का है। ये सभी दोस्त नेपाल के धाडिंग जिले के मलेखु कस्बे में पहुंचे थे और पशुपतिनाथ मंदिर जाने के रास्ते में थे। तभी उन्होंने एक होटल पर चाय पीने के लिए रुकने का फैसला किया। नारायण बताते हैं कि होटल पर रुकने के बाद ही उन्हें पता चला कि आगे का एक पुल बाढ़ में पूरी तरह बह चुका है। नारायण बताते हैं कि चाय की दुकान पर रुकने के बाद इन दोस्तों ने वह खौफनाक मंजर देखा जिसे वे जिंदगीभर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने अपनी आंखों से देखा कि कैसे उफनती त्रिशूली नदी में गाड़ियां, शव और घरेलू सामान पानी के तेज बहाव में बहते जा रहे थे। इस भयावह दृश्य को देखकर वे बुरी तरह डर गए थे।

चित्रकूट में ही रुकें सभी अधिकारी प्रभावितों को पहुंचाएं राहत सामग्री

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण कर नुकसान का मुआयना किया

कहा– संकट की घड़ी में सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ, सभी प्रभावितों के नुकसान की भरपाई होगी

● भोपाल / (एजेंसी)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को रीवा से सीधे चित्रकूट पहुंचे। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ की आपदा से उत्पन्न परिस्थितियों का मुआयना किया। मुख्यमंत्री ने राहत शिविर पहुंचकर सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनके कुशल-क्षेम की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री का वितरण किया और कहा कि संकट की इस घड़ी में हमारी पूरी सरकार आप लोगों के साथ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदाकिनी नदी की बाढ़ से नदी का पानी घरों में घुसने से काफी नुकसान हुआ है। इसके अलावा चित्रकूट की अधोसंरचनाओं को भी क्षति पहुंची है। उन्होंने सभी प्रभावितों से कहा कि सरकार और प्रशासन आपदा की घड़ी में पीड़ितों के साथ है। सभी प्रभावितों को उनके नुकसान की भरपाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि चित्रकूट में जन जीवन सामान्य होने तक सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यहीं रुककर प्रभावितों को राहत पहुंचाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने आश्रय स्थल पर बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न आदि राहत सहायता सामग्री भी वितरित की। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट नगर के रामधाम मोहल्ले में जलभराव (बाढ़) से प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया।



बाणसागर के छह गेट खोले गए, 24 गांवों में हाई अलर्ट

सीधी। लगातार हो रही बारिश और बाणसागर बांध के कैचमेंट क्षेत्र में बढ़ती जल आवक को देखते हुए सोन नदी में जल प्रवाह बढ़ाया जाएगा। मुख्य अभियंता, गंगा कछार जल संसाधन विभाग, रीवा द्वारा जारी सूचना के अनुसार बाणसागर बांध का जल स्तर बढ़कर 341.58 मीटर पहुंच गया है। निर्धारित जल स्तर बनाए रखने के लिए दोपहर 12 बजे बांध के 6 रेडियल गेट 2-2 मीटर तक खोल दिए गए। इससे करीब 2454 क्यूमेक्स पानी सोन नदी में छोड़ा जा रहा है। जल संसाधन विभाग के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर स्पिल ओवर के माध्यम से इससे अधिक पानी भी सोन नदी में छोड़ा जा सकता है। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद सोन नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सीधी जिले के 24 गांवों के लिए विशेष अलर्ट जारी किया है। इनमें घुघटा, खैरी सहित सोन नदी के तटीय क्षेत्र में बसे कई गांव शामिल हैं।



ताशकंद, आरएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राजधानी ताशकंद में उज्बेकिस्तान योग महासंघ की ओर से आयोजित योग सत्र में पहुंचे। यहां उन्होंने योग कर रहे लोगों के साथ समय बिताया और खुद भी कई आसन किए। पीएम मोदी ने खुद इस सत्र का एक छोटा वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि उज्बेकिस्तान योग को प्यार करता है। योग भारत और उज्बेकिस्तान के लोगों के बीच आपसी संबंध मजबूत कर रहा है। पीएम मोदी ने ताशकंद में योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों से बातचीत की और तस्वीरें भी खिंचाई।

GRMC में पहली बार हुआ किडनी ट्रांसप्लांट

पति को पत्नी ने दी अपनी एक किडनी

● ग्वालियर / (एजेंसी)

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में रविवार को पहली बार किडनी ट्रांसप्लांट हुआ। यह पहला मौका है कि जब ग्वालियर-चंबल संभाग के किसी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट की सफल प्रक्रिया पूरी हुई है। इससे अंचल के सरकारी क्षेत्र में अंग प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू हो गई है। पति को पत्नी ने अपनी एक किडनी दी है। ट्रांसप्लांट के बाद मरीज और उनकी पत्नी दोनों की हालत पूरी तरह स्थिर है। छतरपुर निवासी 60 वर्षीय कृष्णकांत गुप्ता की दोनों किडनियां खराब हो चुकी थीं। इस गंभीर स्थिति में परिवार की सहमति से उनकी 55 वर्षीय पत्नी मीना गुप्ता ने पति को एक किडनी दान करने का फैसला लिया।

101 करोड़ की 12 विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास व भूमि पूजन



लखनऊ, 30 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम इस वर्ष के अंत तक गोमती नदी को स्वच्छ बनाने में सफल होंगे। सेना की मध्य कमान ने गोमती नदी की अविरलता व स्वच्छता के लिए प्रदेश सरकार को पूरा सहयोग दिया है, जिससे यह कार्यक्रम युद्ध स्तर पर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने 9 वर्ष में सुरक्षा, सुशासन की नई यात्रा तय की है। 20 वर्ष पहले राजधानी में रेलवे स्टेशन पर एक बोर्ड लिखा होता था कि ह्यमुस्कुराइए, आप लखनऊ में हैं, लेकिन ट्रैफिक जाम, संकरी गलियों व गंदगी को देखकर मुस्कुराने के बजाय लोग रोने को मजबूर होते थे। किंतु अब लखनऊ ने पुरानी विरासत के साथ आधुनिक स्मार्ट सिटी के रूप में नई पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ 101 करोड़ की 12 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य लखनऊ छावनी को मॉडल छावनी के रूप में विकसित करना है। एआई बेस्ड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अलावा यहां स्कूल में अभ्युदय कोचिंग की व्यवस्था भी प्रारंभ होने जा रही है। सीएम ने विश्वास जताया कि लखनऊ की छावनी परिषद आदर्श बनकर विकास व जन-सुविधाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। ईज ऑफ लिविंग के लक्ष्य को प्राप्त करने में अग्रसर होगी। सीएम ने कहा कि यह छावनी परिषद अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगी, जिससे सैन्यकर्मियों, पूर्व सैन्यकर्मियों व सिविलियन को यहां हर महत्वपूर्ण सेवा मिलेगी। बदलते हुए परिवेश में लखनऊ में इन सुविधाओं की आवश्यकता थी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी व रक्षा मंत्रालय की तरफ से ये प्राप्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह जी के नेतृत्व में अटल जी के सपनों को साकार किया गया है। लखनऊ में संकरी गलियां हैं तो सीएम ग्रिड की स्मार्ट रोड भी है। किसान पथ जैसा आउटर रिंग रोड भी है। यहां ऊदा देवी पासी व महाराजा बिजली पासी के स्मारकों की धरोहर है तो दूसरी ओर लखनऊ भारत की रक्षा आवश्यकता व आत्मनिर्भरता की दृष्टि से ब्रह्मोस जैसी आधुनिक मिसाइलों का केंद्र भी बना है। यहां हस्तशिल्पियों की चिकनकारी की अद्भुत कला है तो यूनेस्को ने क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में मान्यता देकर लखनऊ को नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले जिस प्रदेश के सामने पहचान का संकट, अभाव, अराजकता, अव्यवस्था, उपद्रव था, आज वह प्रदेश इन सबसे उबर चुका है। हमने 9 वर्ष में उत्तर प्रदेश को नई दिशा देने का प्रयास किया है। अब यूपी भारत की अर्थव्यवस्था का ब्रेकथ्रू बनकर ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। भारत की आत्मनिर्भरता के लिए यूपी में छह डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर भी स्थापित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए भी जाना जा रहा है। देश में जितने भी एक्सप्रेसवे हैं, इनमें 60 फीसदी यूपी के पास हैं। यहां रेलवे का सबसे बड़ा नेटवर्क, सर्वाधिक मेट्रो भी हैं। सीएम ने भारत सरकार से मेट्रो के द्वितीय चरण की स्वीकृति दिलाने के लिए रक्षा मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह कार्य भी बहुत जल्द आगे बढ़ने जा रहा है। देश की पहली रैपिड रेल, पहला वाटर-वे और सबसे बड़ा एयरकनेक्टिविटी नेटवर्क यूपी के पास है। यहां 17 घरेलू व 5 अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। यूपी से देश-दुनिया के सभी क्षेत्रों में एयर कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध है।

सीएम ने कहा कि सैन्य बलों की सेवाओं में यूपी हमेशा लीडिंग पोजिशन में रहा है। देश में सैनिक स्कूलों की परंपरा की शुरूआत डॉ. संपूर्णानंद ने यूपी से की थी। यूपी में बने कई सैनिक स्कूल युवाओं को तैयार कर रहे हैं, जो वर्तमान के साथ ही भविष्य के भारत की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति में योगदान देंगे।

स्वास्थ्य केंद्र में महिला स्वास्थ्यकर्मी से दुष्कर्म

● इंदौर / (एजेंसी)

हेल्थ ऑफिसर ने की चाकू की नोंक पर वारदात

खुडैल के आरोग्यम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ महिला स्वास्थ्यकर्मी ने स्वास्थ्य अधिकारी सोहेल पर चाकू की नोंक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है।

पीड़िता की शिकायत पर खुडैल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त की सुबह आरोपी ने पीड़िता को ऊपर की मंजिल पर विजिट के बहाने बुलाया। वहां कमरे का दरवाजा बंद कर उसने चाकू की नोंक पर वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद किसी को बताने पर पीड़िता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण पीड़िता ने पहले किसी को जानकारी नहीं दी। बाद में परिजनों को घटना बताई, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

मेसी इवेंट का पैसा दर्शकों को लौटेगा

कोलकाता, आरएनएन। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने लियोनेल मेसी के कोलकाता इवेंट में पहुंचे करीब 33 हजार दर्शकों को टिकट का पैसा लौटाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि रिफंड की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भुगतान राज्य के स्पोर्ट्स बजट से किया जाएगा। मेसी का यह इवेंट पिछले साल दिसंबर में कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुआ था। यहां भारी भीड़ और अव्यवस्था के कारण दर्शकों को परेशानी हुई थी। टिकट की कीमत 4 से 8 हजार रुपए के बीच थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई आम लोगों ने टिकट खरीदने के लिए अपनी बचत तक खर्च कर दी थी।

असहमति पर छात्रों को सजा देना असंवैधानिक

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा है कि केवल इसलिए छात्रों को धमकाया या उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकती, कि उन्होंने पद पर बैठे अधिकारियों या अथॉरिटी के लोगों से अलग विचार व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने का अधिकार लोकतांत्रिक नागरिकता का मूल तत्व है। दिल्ली नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार अवज्ञा का कृत्य नहीं है।

जस्टिस उज्ज्वल ने कहा, सवाल पूछना लोकतांत्रिक नागरिकता का मूल तत्व

बदलाव मार्च 2027 से सभी संस्थाओं को आईएसटी का पालन करना जरूरी, उल्लंघन पर लगेगा जुर्माना

भारत में अब एक देश एक समय होगा अनिवार्य

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

अगले साल मार्च से, भारत में सभी संस्थाओं को कानूनी, कमर्शियल, डिजिटल और प्रशासनिक कामों के लिए इंडियन स्टैंडर्ड टाइम (आईएसटी) का इस्तेमाल करना होगा। सरकार ने इस संबंध में लीगल मेट्रोलॉजी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) रूल्स, 2026 की ऐलान किया।

लीगल मेट्रोलॉजी एक्ट के तहत घोषित ये नियम गजट में पब्लिश होने के 180 दिन बाद लागू होंगे, जिससे मार्च 2027 के आसपास से आईएसटी अनिवार्य हो जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने पर एक्ट के तहत जुर्माना लगाया जाएगा।



सरकार की ओर से जारी इस नोटिफिकेशन के तहत, जब तक खास तौर पर छूट न दी गई हो, सभी कानूनी, प्रशासनिक और आधिकारिक डॉक्यूमेंट्स के लिए आईएसटी अनिवार्य टाइम रेफरेंस होगा। यह कमर्शियल गतिविधियों, ट्रांसपोर्ट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, कानूनी कॉन्ट्रैक्ट्स और फाइनेंशियल ऑपरेशन्स में भी टाइम रेफरेंस बनाता है। आधिकारिक कामों के लिए आईएसटी के अलावा किसी अन्य टाइम रेफरेंस का इस्तेमाल, डिस्प्ले या रिकॉर्ड करने की इजाजत नहीं होगी, सिवाय उन मामलों के जहां विदेशी टाइम जोन बताए गए हों।

क्या बदल जाएगा

पेमेंट सिस्टम, स्टॉक एक्सचेंज, टेलीकॉम नेटवर्क, 5जी सर्विस, डिजिटल नेविगेशन, पावर ग्रिड और डेटा सेंटर को ट्रांजैक्शन प्रमाणित करने में अहम रोल। ऐसे ऑपरेशन्स में तालमेल बिठाने और नेटवर्क की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सिंक्रोनाइज्ड घड़ियों की जरूरत होती है। यह नोटिफिकेशन टाइम सिंक्रोनाइजेशन, ट्रेसेबिलिटी और साइबर सिक्योरिटी के लिए एक देशव्यापी सिस्टम बनाता है और सटीक समय को महत्वपूर्ण डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मानता है। नियमों के तहत, सीएसआईआर-नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी (एनपीएल) भारत के प्राइमरी टाइम स्केल, यूटीसी(एनपीएलआई) को बनाए रखना जारी रखेगी। इससे आईएसटी लिया जाता है, जबकि रीजनल रेफरेंस स्टैंडर्ड्स लेबोरेटरीज, इसरो का NavIC और अन्य अधिकृत टाइमिंग सोर्स आधिकारिक समय का प्रसार करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

हिमांशु भाऊ गैंग के चार गुर्गे कोटा से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने हिमांशु भाऊ सिंडिकेट से जुड़े चार आरोपितों को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया है। इनमें रमन (19) उर्फ फौजी और करण (22) शामिल हैं। दोनों पर दिल्ली-हरियाणा समेत कई राज्यों में हत्या, हत्या के प्रयास और फायरिंग के गंभीर मामले दर्ज हैं। दोनों लंबे समय से फरार चल रहे थे और अलग-अलग आपराधिक वारदातों में वांछित थे। दोनों पर हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में इनाम भी घोषित है। पुलिस के मुताबिक, रमन और करण दिसंबर 2025 में दिल्ली के आया नगर में डेयरी कारोबारी रतन की हत्या में वांछित थे। इस वारदात में बदमाशों ने 70 से अधिक गोलियां चलाई थीं। इसके अलावा अगस्त 2025 में द्वारका मोड़ पर मोहम्मद डागर की हत्या के मामले में भी दोनों की तलाश थी। इस घटना में 20 से अधिक राउंड फायरिंग हुई थी। दिसंबर 2025 में रोहतक के रिटोली गांव में हिमांशु भाऊ के प्रतिद्वंद्वी सनी रिटोली पर हुए हमले में भी दोनों की भूमिका सामने आई थी। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य घायल हुए थे। मई 2026 में उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर स्थित ककोड़ में गैंगस्टर नीरज फरीदपुरिया के प्रतिद्वंद्वी जितेंद्र उर्फ जीतू पर की गई अंधाधुंध फायरिंग के मामले में भी दोनों वांछित थे। दिल्ली स्पेशल सेल में दर्ज दो अलग-अलग मामलों में भी दोनों की तलाश थी। पुलिस के मुताबिक, करण के खिलाफ हरियाणा के रेवाड़ी और पलवल में भी फायरिंग के मामले दर्ज हैं। मई 2024 में उसने रेवाड़ी के मोहल्ला कुतुबपुर में शेखर राव के घर पर कथित तौर पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। दिसंबर 2024 में पलवल के महेशपुर गांव के सरपंच पर ऑटोमैटिक कार्बाइन से फायरिंग करने का भी आरोप है। वहीं, रमन दिल्ली क्राइम ब्रांच में दर्ज आर्म्स एक्ट के एक मामले में वांछित था। दोनों को पनाह देने और उनके लिए पैसों का लेन-देन करने के आरोप में पुलिस ने दो सगे भाइयों शेखर तिवारी (23) और विनोद तिवारी (30) को भी गिरफ्तार किया है। दोनों मथुरा के गोवर्धन थाना क्षेत्र के जिखन गांव के रहने वाले हैं। चारों आरोपितों को अदालत में पेश किया गया, जहां से पुलिस को पूछताछ के लिए उनकी कस्टडी रिमांड मिल गई है। स्पेशल सेल अब आरोपितों से पूछताछ कर गैंग के अन्य सदस्यों, हथियारों और आपराधिक नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

कांग्रेस नेता अलका लांबा के पिता के घर लाखों की चोरी

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)। पश्चिमी दिल्ली के टैगोर गार्डन एक्सटेंशन इलाके में कांग्रेस नेता अलका लांबा के पिता के घर रविवार तड़के हुई लाखों की चोरी हुई। अज्ञात बदमाशों ने धावा बोला और वे यहां से नकदी समेत लाखों रुपये मूल्य के सोने और हीरे के गहने लेकर फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, कांग्रेस नेता अलका लांबा के पिता अमरनाथ लांबा राजधानी स्थिति टैगोर गार्डन एक्सटेंशन इलाके में रहते हैं। आज तड़के लगभग 6:00 से 6:30 बजे के बीच कुछ अज्ञात बदमाश उनके घर में घुसे और यहां से कीमती सामान चुराकर फरार हो गए। इस घटना के बाद अमरनाथ लांबा की पुत्री कंचन छाबड़ा ने नजदीकी राजौरी गार्डन थाना में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने शिकायत में बताया कि बदमाश उनके घर से 1.75 लाख रुपये नकद, एक सोने की बाली, एक हीरे की बाली और एक सोने की चेन लेकर गए हैं। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल, पुलिस घटनास्थल और आसपास की गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के जरिए यह पता लगाया जा रहा है कि बदमाश किस रास्ते से घर के अंदर घुसे, वारदात में कितने लोग शामिल थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए गए हैं और संदिग्धों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने के लिए टीम गठित कर दी गई है।

युवा पीढ़ी अपनी कहानी अपने कैमरे से दुनिया तक पहुंचा रही है : सिरसा

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा रविवार को भारत मंडपम प्रगति मैदान में आयोजित दो दिवसीय ह्याफोटो वीडियो एशिया 2026 प्रदर्शनी में सम्मिलित हुए। उन्होंन कहा कि युवा पीढ़ी आज अपनी कहानी अपने कैमरे से दुनिया तक पहुंचा रही है। सिरसा ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी आज



सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि युवाओं की क्रिएटिव पैशन और करियर ऑपर्च्युनिटी का बड़ा माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया से लेकर सिनेमा, डिजिटल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन तक, आज की युवा पीढ़ी अपनी कहानी अपने कैमरे से दुनिया तक पहुंचा रही है। इस प्रदर्शनी में शामिल हुए सभी को शुभकामनाएं दी। सिरसा ने कहा कि ऐसे आयोजन नई तकनीक से परिचित कराने के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को सीखने, प्रयोग करने और अपनी पहचान बनाने का मंच देते हैं। उल्लेखनीय है कि यह भारत के फोटोग्राफर्स, वीडियोग्राफर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और डिजिटल इमेजिंग प्रोफेशनल्स के लिए एक प्रमुख बिजनेस-टू-बिजनेस प्लेटफॉर्म है। इस प्रदर्शनी में 250 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए हैं, जहां आधुनिक कैमरे, लेंस, ड्रोन, लाइटिंग, स्टूडियो उपकरण, एआई टूल्स और एडिटिंग सॉफ्टवेयर जैसी लेटेस्ट तकनीकों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष चरती लाल गोयल की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष चरती लाल गोयल की जयंती 1 सितंबर को चरती लाल गोयल हेरिटेज पार्क में कार्यक्रम आयोजित किय जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक वीडियो साझा करके यह जानकारी दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष एवं मेरे पिता चरती लाल गोयल एक कर्मठ, ईमानदार और बेदाग जननेता थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन जनसेवा और सिद्धांतों के लिए समर्पित किया। उन्होंने बताया कि आपातकाल के दौरान उनके पिताजी ने 19 महीने अंबाला जेल में रहकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्हीं से प्रेरणा लेकर उन्होंने भी भूमिगत आंदोलन में भाग लिया और सत्याग्रह कर दिल्ली की जेल में गए। गोयल ने बताया कि उनके पिताजी जहां भी रहे, चाहे विधानसभा, नगर निगम के उपमहापौर या बिजली विभाग के चेयरमैन के रूप में सदैव जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। आज उनके विचारों और संस्कारों पर चलते हुए मैं जो कुछ भी हूं, उसमें उनका सबसे बड़ा योगदान है।

संस्कृत के जयघोष से गूंजा दिल्ली विश्वविद्यालय, 10 करोड़ जन तक पहुंचने का लिया संकल्प, संस्कृत महोत्सव-2026 का भव्य समापन

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय स्थित वन्दे मातरम् सभागार में रविवार को देववाणी संस्कृत का जयघोष गूंज उठा। दिल्ली संस्कृत अकादमी, कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग (दिल्ली सरकार) तथा संस्कृत भारती (देहली प्रान्त) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ह्यसंस्कृत महोत्सव-2026 के साथ संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

महोत्सव में संस्कृत भाषा, भारतीय ज्ञान परंपरा, युवा शक्ति और सांस्कृतिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री जयप्रकाश गौतम मुख्य वक्ता रहे। समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने की। संस्कृत भारती के उत्तर क्षेत्रीय मंत्री कौशल किशोर तिवारी तथा कमला नगर जनपद अध्यक्ष धीरज कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता जयप्रकाश गौतम ने संस्कृत को भारत की जीवंत ज्ञान परंपरा बताते हुए कहा कि इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि देश-विदेश में आयोजित संस्कृत सप्ताह की गतिविधियों की तर्ज पर प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार संस्कृत सेवा के लिए समयदान करना चाहिए, तभी संगठन की शक्ति से संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।



अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि संस्कृत भारती युवाओं की ऊर्जा और कार्यशक्ति को संगठित करने वाला संगठन है। उन्होंने बाली द्वीप का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां आज भी ॐ स्वस्ति अस्तु जैसे संस्कृतनिष्ठ अभिवादन प्रचलित हैं और दीपांतर गुरुकुल में संस्कृत संभाषण की परंपरा जीवंत है। उन्होंने आगामी जनगणना में मम भाषा संस्कृतम के संकल्प के साथ भारतीय भाषाओं के प्रति जनजागरण का आह्वान करते हुए 10 करोड़ नागरिकों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा तथा संस्कृत के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान व तकनीक से जोड़ने की आवश्यकता जताई।

उत्तर क्षेत्रीय मंत्री कौशल किशोर ने संस्कृत सप्ताह के विविध आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को भाषा, संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं।

सप्ताहभर चला संस्कृतमय जनजागरण अभियान

संस्कृत भारती, देहली प्रान्त के प्रान्त संगठन मंत्री लविश कुमार ने संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस दौरान संस्कृत शोभायात्रा, गृह-गृह सम्पर्क अभियान, ह्यश्लोक सुनाओ, पुरस्कार पाओ, संस्कृत सेल्फी पॉइंट, लघु चलचित्र एवं शॉर्ट फिल्म स्पर्धा, विद्वत सम्मेलन तथा प्रश्न मंच प्रतियोगिता सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं। वहीं प्रान्त मंत्री प्रो. रणजीत बेहेरा ने संस्कृत सप्ताह का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

महोत्सव में संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति की विविध छटाओं से सजी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं परंपरा की समृद्ध झलक प्रस्तुत की गई।

मंच संचालन संस्कृत सप्ताह महोत्सव के संयोजक दिव्यरंजन ने किया। इस अवसर पर डॉ. देवकीनंदन, दिल्ली संस्कृत अकादमी के उप सचिव सौरभ कुमार मिश्र, डॉ. दिनेश यादव, अमित मिश्रा सहित अनेक विद्वान, संस्कृत प्रेमी, विद्यार्थी एवं संस्कृत अनुरागी उपस्थित रहे।

कमरे में फंदे से लटका मिला महिला का शव

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के वेलकम इलाके में करीब चार दिनों तक महिला का शव संदिग्ध हालत में उसके कमरे में ही फंदे से लटके रहा। घर से दुर्गंध जब पड़ोसियों और मकान मालिक तक पहुंची तो इसका पता चला। मकान मालकीन व पड़ोसियों ने महिला के कमरे का दरवाजा तोड़ा तो उनके होश उड़ गए। फंदे पर महक (26) का शव बुरी तरह सड़ी-गली हालत में लटका था। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। महिला का पति पिछले दो माह से गायब है। महिला के परिवार का भी कुछ पता नहीं चल पा रहा है। पुलिस को मृतका के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। उसके आधार पर पुलिस महिला के



परिजनों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। क्राइम टीम के अलावा फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। शुरूआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि महक के पति ने दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। आशंका व्यक्त की जा रही है कि इसी वजह से महक ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक महक अपने पति के साथ पिछले दो सालों से वेलकम स्थित कबीर नगर गली नंबर-6 में रहती थी। इसके पति सनीफ प्राइवेट नौकरी करता है। 15 अगस्त 2024 को सनीफ अपनी पत्नी महक के साथ गली नंबर-6 के मकान में किराए पर रहने आया था। मकान मालकिन को उसने अपना बुलंदशहर का आधार कार्ड दिया। बाद में उसने महक को अपनी पत्नी बताया। दोनों ठीक-ठीक रह रहे थे। सनीफ ने पत्नी को कुछ ऑटो दिलवाए हुए थे। महक इनका किराया वसूलती थी। ऑटो चालक उसे घर पर ही किराया दे जाते थे। मकान मालकिन की बेटी ने 23 अगस्त को उसे आखिरी बार देखा।

कूड़े के पहाड़ों से मुक्ति की ओर दिल्ली, 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण पूरा

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने ओखला, भलस्वा और गाजीपुर के कूड़े के पहाड़ों को हटाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इन तीनों लैंडफिल साइट्स पर अब तक करीब 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस किया जा चुका है और कुल 100 एकड़ भूमि को रिक्लेम किया गया है। इससे इन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों को बेहतर और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि दिल्ली में वर्षों से लोगों के सामने कूड़े के पहाड़ एक बड़ी समस्या बने हुए थे। उनकी सरकार ने इन्हें हटाने का वादा किया था और इस वादे को पूरा करने के लिए सरकार ने एक वैज्ञानिक रोडमैप, समर्पण और टाइम-बाउंड कार्यप्रणाली के साथ काम किया। सरकार ने केवल मौजूदा कूड़े के पहाड़ों को हटाने पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा पैदा न हो, इसके लिए भी पहले से तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ओखला में करीब 70 लाख मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस कर 35 एकड़ भूमि रिक्लेम की गई है। वहीं भलस्वा में करीब 102 लाख मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस कर 45 एकड़ भूमि रिक्लेम की गई है। इसी तरह गाजीपुर में करीब 44 लाख मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण किया गया और 20 एकड़ भूमि रिक्लेम की गई है। इस प्रकार तीनों साइट्स पर मिलाकर करीब 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण और 100 एकड़ भूमि का पुनरुद्धार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कचरे के पहाड़ों को हटाने का काम केवल कचरा हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे उन इलाकों में रहने वाले लोगों के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जो लोग इन क्षेत्रों से रोजाना गुजरते हैं, उन्हें अब बेहतर वातावरण दिखाई दे रहा है और आसपास रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है। स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली जैसे देश की राजधानी में इतने बड़े पैमाने पर भूमि को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त कर दोबारा उपयोग योग्य बनाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सरकार का उद्देश्य इन क्षेत्रों को अधिक स्वच्छ और रहने योग्य बनाना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गाजीपुर में कचरे के प्रसंस्करण के बाद निकलने वाले इनर्ट मटेरियल का भी उपयोग किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल लो-लाइन एरिया को भरने और सड़कों के नीचे बेस तैयार करने में किया गया है। इससे कचरे के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के साथ-साथ प्रसंस्करण से प्राप्त सामग्री का उपयोग भी सुनिश्चित हुआ है।

अधिवक्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को मंत्री कपिल मिश्रा ने सुना

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने रविवार को सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन (रॉउस एवेन्यू कोर्ट) द्वारा ह्यलॉयर्स फॉर डेमोक्रेसी के सहयोग से डिस्कशन ऑन द रोल ऑफ एडवोकेट्स इन बिल्डिंग अ स्ट्रॉन्ग भारत परिचर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम का आयोजन रॉउस एवेन्यू कोर्ट कॉम्प्लेक्स के यूटिलिटी ब्लॉक स्थित डॉ. अंबेडकर मल्टीपर्पज हॉल में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लिया और मजबूत भारत के निर्माण में अधिवक्ताओं की भूमिका पर विचार-विमर्श किया। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि 2047 के विकसित भारत के निर्माण में वकीलों और कानूनविदों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के साथ अधिवक्ताओं को राष्ट्र निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि देश में सकारात्मक बदलाव और विकास की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। ऐसे में कानून के क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्होंने कानून एवं न्याय से जुड़े विषयों पर निरंतर संवाद और चर्चा की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री कपिल मिश्रा ने रॉउस एवेन्यू कोर्ट में बार की टीम के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हेड ऑफ द स्टेट के रूप में 25 वर्ष पूरे करने जा



रहे हैं, जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर सभी लोगों में उत्साह है और आने वाले समय में सेवा और संकल्प के कार्य पूरे देश में सभी के द्वारा किए जाएंगे।

मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने नशा मुक्त युवा अभियान का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पूरे देश में यह अभियान चलाया जा रहा है।

मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में पीएम सेवानिधि योजना का जिक्र किया। इस योजना से लगभग 35 लाख बहनों ने अपने छोटे-से रोजगार को बड़ा रूप देने में सफलता पाई है। बेटियों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ऐसी कई योजनाएं शुरू की हैं, जो आज नारी शक्ति को नई उड़ान दे रही हैं।

जाफराबाद के स्कूल में बच्चे से दरिंदगी, मामला दर्ज

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के जाफराबाद स्थित एक निजी स्कूल में मासूम के साथ दरिंदगी मामला सामने आया है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर स्कूल की निदेशिका, प्रधानाचार्या, शिक्षिका और आया के खिलाफ जाफराबाद थाने में पॉक्सो एक्ट, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा 28 अगस्त को दर्ज किया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर मामले की विस्तृत जांच कर रही है। जानकारियों के मुताबिक, जाफराबाद के जिस स्कूल में मासूम के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है, वहां स्कूल प्रशासन खुद ही परिवार को सीसीटीवी कैमरों का एक्सेस देकर फंस गया। वारदात के बाद पीड़ित बच्चे के परिजन स्कूल पहुंचे और महिला निदेशिका, प्रधानाचार्या से पिछले कुछ दिनों की सीसीटीवी फुटेज मांगने लगे। स्कूल प्रशासन ने फुटेज देने से साफ मना कर दिया। हालांकि 25 अगस्त को स्कूल प्रशासन ने 1500 रुपये लेकर उनको सीसीटीवी कैमरों की ऑनलाइन एक्सेस दे दिया। स्कूल प्रशासन को लगा कि परिजन शायद अपने बेटे की ऑनलाइन लाइव फुटेज ही देखेंगे। लेकिन मासूम की मां ने ऑनलाइन एक्सेस से 16, 17 और 18 अगस्त की पुरानी फुटेज निकाल ली। इसमें मासूम के साथ दरिंदगी होते दिख रही है। परिवार का आरोप है कि इससे पहले की फुटेज को डिलीट कर दिया गया है। बस इसी गलती से स्कूल प्रशासन की पोल खुल गई। मामले में उत्तर-पूर्वी जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। फुटेज को भी कब्जे में लिया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्कूल की डीवीआर भी कब्जे में ले लिया है। वहीं मासूम की मानसिक हालत ठीक नहीं है। परिजनों के मुताबिक उनके बेटे में स्कूल, बॉथरूम, कुर्सी का डर बैठ गया है। घर में कुर्सी दिखते ही वह उसे लात मारने लगता है। इसके अलावा उसे बाथरूम भी जबरन ही ले जाना पड़ता है। रात को सोते-सोते वह चिल्लाकर उठ जाता है। पिता ने बताया कि 18 अगस्त से बेटे का लगातार इलाज जारी है।

भविष्यफल



मेष- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6



वृष- अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6



मिथुन- रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक ड्बुषचताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6



कर्क - उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7



सिंह - सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7



कन्या - घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8



तुला - वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7



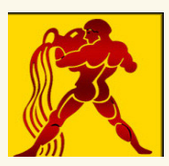
वृश्चिक- अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9



धनु - बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7



मकर - आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9



कुम्भ - बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9



मीन- जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

पीएम मोदी के दौरे के दूसरे दिन हुए 11 ऐतिहासिक समझौते

भारतीय यूपीआई अब उज्बेकिस्तान में भी चलेगा, रणनीतिक साझेदारी पर सहमति

● ताशकंद (एजेंसी)

पीएम नरेंद्र मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा के दौरान भारत और उज्बेकिस्तान के संबंधों को नई ऊंचाई देते हुए दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदलने का फैसला किया है। इस दौरान संस्कृति, आयुर्वेद, खनिज संसाधन, पर्यटन, शिक्षा, पर्यावरण, वित्त और वैज्ञानिक शोध समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 11 करार और अन्य पहलों की घोषणा की गई। दोनों देशों ने 2026-30 के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर डील हुई है। इसके तहत दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संपर्क और आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा।

भारत उज्बेकिस्तान के प्राचीन बौद्ध स्थलों फयाज टीपा और करा टीपा के संरक्षण और पुनरुद्धार में भी सहयोग करेगा। इसके लिए भारत के विदेश मंत्रालय और उज्बेकिस्तान की सांस्कृतिक विरासत एजेंसी के बीच लेटर ऑफ इंटेंट हुआ है। दोनों देशों के राष्ट्रीय अभिलेखागार के बीच भी सहयोग का समझौता हुआ है। वहीं, आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए भी एमओयू किया गया। ,मोदी उज्बेकिस्तान की सफल यात्रा के बाद बिश्केक पहुंचे, एससीओ शिखर समिट में हिस्सा लेंगे।



पीएम मोदी उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित

उज्बेकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को देश के सर्वोच्च सम्मान ''ओलिय दाराजाली दोस्तलिक'' से सम्मानित किया। उज्बेकिस्तान की दो दिन की यात्रा पर गए मोदी को राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद सम्मानित किया। यह सम्मान भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और मित्रता को गहरा करने में उनके योगदान को मान्यता के रूप में दिया गया है। मोदी ने इस सम्मान को दोनों देशों के बीच स्थायी संबंधों को समर्पित किया और इसे दोनों देशों के लोगों के बीच साझा गहरी जड़ें रखने वाली मित्रता का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने सम्मान लेने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि ओलिय दाराजाली दोस्तलिक'' सम्मान प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच स्थायी बंधन को समर्पित करता हूं।

2030 तक 5 बिलियन डॉलर ट्रेड का टारगेट तय

पीएम मोदी ने बताया कि इस वर्ष हमारी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के 15 साल हो रहे हैं। इस विशेष अवसर पर हमने संबंधों को कॉम्प्रहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा देने का निर्णय लिया है। आज हमने हमारी साझेदारी के इस नए स्वरूप में तेज गति और ठोस परिणामों के साथ आगे बढ़ने का एंबिशियस एजेंडा तैयार किया है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार एक बिलियन डॉलर पार कर चुका है। अब हमने कुराश और कबड्डी जैसे ट्रेडिशनल गेम्स की रखा है।

प्रमुख समझौते

- भारत-उज्बेकिस्तान संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदले।
- अराल सागर क्षेत्र में वनीकरण के लिए भारत देगा 10 लाख डॉलर।
- हिंदी भाषा के लिए 100 लाल बहादुर शास्त्री छात्रवृत्तियां।
- ताशकंद में संस्कृत चेयर स्थापित होगी।
- उज्बेकिस्तान में यूपीआई ऐप से यूजेक्यूआर स्कैन कर भुगतान की सुविधा।
- बौद्ध स्थलों फयाज टीपा और करा टीपा के संरक्षण में भारत सहयोग करेगा।
- भूविज्ञान, खनिज, आयुर्वेद, पर्यटन, पर्यावरण, उच्च शिक्षा और वैज्ञानिक शोध में सहयोग बढ़ेगा।

यूपीआई को उज्बेकिस्तान में मिलने जा रहा विस्तार

भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र यूपीआई को भी उज्बेकिस्तान में विस्तार मिलने जा रहा है। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लि. और उज्बेकिस्तान के नेशनल इंटरबैंक प्रोसेसिंग सेंटर (एनआईपी) के बीच वाणिज्यिक करार हुआ है। इसके तहत भारत के यूपीआई एप से उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय क्यूआर कोड यूजेडक्यूआर को स्कैन कर व्यापारिक भुगतान किया जा सकेगा। गुजरात और उज्बेकिस्तान के समरकंद क्षेत्र के बीच साझेदारी संबंध स्थापित करने के लिए भी सहयोग करार हुआ है।

देश में ही बनेंगे 2 मिसाइल डिफेंस सिस्टम

अब एस-400 की टेक्नॉलाजी भारत को ट्रांसफर करेगा रूस

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय वायुसेना के लिए एस-400 सुदर्शन लॉन्ग-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम के 5 और स्क्वाड्रन खरीदने के टेंडर पर रूस ने रक्षा मंत्रालय को अपना विस्तृत प्रपोजल सौंप दिया है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, रूस का जवाब मिल चुका है और इस पर प्रक्रिया जारी है।

यह प्रोजेक्ट 50,000 करोड़ से ज्यादा का रहने का अनुमान है। दो स्क्वाड्रन भारत में ही तैयार किए जाएंगे। दरअसल, नए कॉन्ट्रैक्ट के तहत स्क्वाड्रन की डिलीवरी कॉन्ट्रैक्ट साइन होने के लगभग तीन साल बाद शुरू होने की उम्मीद है। वार्ता में भारत में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहॉल) सुविधा बनाना और ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी के तहत प्राइवेट सेक्टर द्वारा भारत में 2 यूनिट का जॉइंट प्रोडक्शन करना भी शामिल है, जबकि 3 यूनिट सीधे खरीदी जाएंगी। यह कदम मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान S-400 के गेम-चेंजर साबित होने के बाद उठाया गया है। इस सिस्टम ने बड़ी संख्या में पाक सर्विलांस और फाइटर एयरक्राफ्ट को मार गिराया था।



50,000 करोड़ रुपए का रहेगा यह प्रोजेक्ट

नॉर्थ साइप्रस के पास पलटी नाव, 7 की मौत, 237 को बचाया, 24 लापता

● निकोसिया / (हि.स.)

नॉर्थ साइप्रस के पास 260 से ज्यादा लोगों को ले जा रही एक नाव के पलट जाने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। सीएनएन टक के मुताबिक, प्रधानमंत्री उनाल उस्टेल ने कहा कि नाव पलटने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने यह भी बताया कि 237 और लोगों को बचा लिया गया है और 24 लोग अभी भी लापता हैं। उस्टेल ने कहा कि कटमरैन स्टाइल का यह जहाज काइरेनिया पोर्ट से रवाना हुआ था और किनारे से कुछ किलोमीटर दूर डूबने लगा। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य तेज कर दिया गया है।



आतंकी अश्लील एप्स इस्तेमाल कर रहे, सोशल मीडिया एप से दूरी बनाई

● जम्मू-कश्मीर / (हि.स.)

रक्षा एजेंसियों ने आतंकी समूहों द्वारा ऑनलाइन गेमिंग मंचों के दुरुपयोग का खुलासा करने के बाद आतंकियों और उनके आकाओं की एक नयी चाल का पता लगाया है। आतंकी अब गुप्त रूप से संवाद करने के लिए अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट और विशेष एन्क्रिप्टेड एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार इन गुप्त माध्यमों का इस्तेमाल आतंकी संगठन और पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई जम्मू-कश्मीर में अपने भर्ती किए गए लोगों तक निर्देश पहुंचाने के लिए कर रहे हैं। इनका उद्देश्य पारंपरिक सोशल मीडिया मंचों पर सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचना है। इन अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट पर वास्तविक समय में संवाद की सुविधा होती है। ये मंच उपयोगकर्ताओं को आसपास के लोगों से संपर्क या मुलाकात कराने के नाम पर संचालित होते हैं।



बनाता है गोपनीय कनेक्शन

इस एप के कई संस्करण ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल अकेले रहने वाले आसपास के लोगों से संपर्क करने के लिए किया जाता है। इनमें से कई अश्लील एप भारत में बैन हैं, लेकिन उन्हें वीपीएन का इस्तेमाल कर अवैध तरीके से डाउनलोड किया जा रहा है। वीपीएन आईपी पते को छिपाकर और ऑनलाइन गतिविधियों को एन्क्रिप्ट कर इंटरनेट पर एक सुरक्षित और गोपनीय कनेक्शन बनाता है। इससे ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखना और डेटा तक पहुंच बनाना अधिक मुश्किल हो जाता है।

मेघालय में मुठभेड़ में चार हथियारबंद लोगों की मौत

शिलॉन्ग, (आरएनएन)। मेघालय के ईस्ट गारो हिल्स जिले में रविवार तड़के मेघालय पुलिस और एटीएस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में चार हथियारबंद लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। ईस्ट गारो हिल्स के एसपी पवार एस. वसंतराव ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने सोंगसाक से कागल की ओर जाने वाली सड़क पर नाका लगाया था। यह मुठभेड़ सुबह करीब चार बजे हुई। जांच के दौरान टीम ने एक संदिग्ध वाहन को रुकने का इशारा किया। आरोप है कि वाहन में सवार लोगों ने पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी गोलीबारी की।

अच्छे रिश्ते भारत पर अहसान नहीं

शेख हसीना की बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को खरी-खरी, बोलीं- ढाका को है दिल्ली की जरूरत

● ढाका / (हि.स.)।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का मानना है कि भारत से अच्छे संबंध ढाका के अपने हित में हैं। उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है, जब तारिक रहमान के भारत आने पर संशय बना हुआ है और दोनों देशों के रिश्ते में खटास देखी गई है। बांग्लादेश सरकार ने शेख हसीना के भारत में होने को ढाका-दिल्ली के रिश्ते में ''बड़ी अड़चन'' कहा है।

इस सबके बीच अवामी लीग नेता शेख हसीना ने द संडे गार्डियन के साथ चर्चा में कई सवालों के जवाब दिए हैं। बांग्लादेश में तारिक रहमान और मो.यूनुस के शासन के सवाल पर शेख हसीना ने कहा कि सत्ता के सिर्फ चेहरे बदले हैं, दिशा नहीं बदली है। मो. यूनुस ने बदले की भावना, लोगों को बाहर रखने और संस्थाओं को खत्म करने की राजनीति शुरू की थी। तारिक रहमान ने इसे जारी रखा है। यूनुस ने अवामी लीग को कमजोर करने पर काम किया। फिलहाल भी यही हो रहा है।

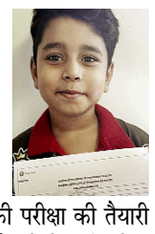


उम्मीद ना छोड़ें लोग: हसीना

हसीना ने कहा कि बांग्लादेश के लोगों के लिए उनका संदेश सीधा है कि उम्मीद ना छोड़ें। बांग्लादेश का जन्म बलिदान, साहस, धर्मनिरपेक्ष आदर्शों और न्याय के सपने से हुआ। आज वह सपना खतरे में है। राजनीतिक पहचान को अपराध बनाते हुए अवामी लीग पर बैन है। मुक्ति संग्राम के समर्थक नागरिकों को परेशान किया जा रहा है। अल्पसंख्यक असुरक्षित हैं। चरमपंथी ताकतें आज हावी हैं। हसीना ने कहा कि इतिहास मेरे कार्यकाल का मूल्यांकन तथ्यों के आधार पर करेगा।

सात साल की उम्र में गणित में किया गजब का प्रदर्शन

लंदन, (हि.स.)। भारतीय मूल के सात साल के एक लड़के ने ब्रिटेन में ज़्यादातर स्कूली बच्चों की तुलना में लगभग दस साल पहले ही गणित की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है और अगले स्तर की परीक्षा की तैयारी कर रहा है। जिव्यान रेड्डी ध्रुव ने जीसीएसई परीक्षा के तीन प्रश्नपत्रों में 240 में से 196 अंक हासिल किए और उच्च स्तर की ग्रेड 8 (जो ए श्रेणी के बराबर है) प्राप्त की। यह परीक्षा आम तौर पर 16 साल के छात्र देते हैं। उसने मई में पियर्सन एडएक्सल जीसीएसई हायर मैथमेटिक्स परीक्षा दी थी और पिछले हफ्ते इसका परिणाम आया। जिव्यान ने बताया, कि अपना परिणाम देखकर मैं बहुत उत्साहित था। मेरे माता-पिता बहुत खुश थे और उन्होंने मुझे गले लगाया। उसने कहा कि मैं ग्रेड 9 चाहता था, इसलिए शुरू में थोड़ा निराश हुआ, लेकिन फिर ग्रेड 8 मिलने पर बहुत खुश हुआ। मुझे गणित पसंद है क्योंकि मुझे मुश्किल सवाल हल करना और जवाब पाने के अलग-अलग तरीके खोजना अच्छा लगता है।



ब्रीफ न्यूज

पूर्व सीएम स्टालिन की सुरक्षा जेड-प्लस से घटाकर जेड कैटेगरी की

चेन्नई, आरएनएन। तमिलनाडु सरकार द्वारा पूर्व सीएम एमके स्टालिन की सुरक्षा को जेड-प्लस से घटाकर जेड कैटेगरी करने के फैसले पर वीसीके और भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उनकी जेड-प्लस सुरक्षा को बहाल करने की मांग की। पहले की जेड-प्लस सुरक्षा के तहत उनकी सुरक्षा कमांडो समेत 58 पुलिसकर्मी चौबीसों घंटे तैनात रहते थे। सुरक्षा की नियमित समीक्षा के बाद इसे घटाकर जेड कैटेगरी किया गया है, जिसके तहत 33 सुरक्षाकर्मी चौबीसों घंटे उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे।

ट्रेन पर पत्थरबाजी करने वालों पर एक्शन, 6 नाबालिग किए गिरफ्तार

वाराणसी, आरएनएन। वाराणसी में ट्रेन पर पथराव के मामले में जीआरपी ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पत्थरबाजी करने वाले चार बालिग और दो नाबालिग युवकों को गिरफ्तार किया है। 28 अगस्त को वाराणसी-प्रयागराज मेमो ट्रेन पर पथराव की घटना हुई थी। यात्रियों से विवाद के बाद युवकों ने ट्रेन पर पत्थर बरसाए थे। मामले की जांच के बाद जीआरपी ने आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस अब घटना के पीछे की पूरी वजह और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

नौसेना आज डाइविंग सपोर्ट वेसल निपुण का करेगी जलावतरण

नई दिल्ली, आरएनएन। भारतीय नौसेना सोमवार को मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में निस्तार-क्लास के दूसरे डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) निपुण का जलावतरण करने जा रही है। इससे गहरे समुद्र में डाइविंग, पानी के नीचे ऑपरेशन और पनडुब्बी बचाव की उसकी क्षमताओं में एक खास प्लेटफॉर्म जुड़ जाएगा। निपुण, रक्षा क्षेत्र में जहाज निर्माण के मामले में आत्मनिर्भर बनने की नौसेना की कोशिशों में एक और अहम उपलब्धि है।

हिमांशु भाऊ गिरोह के चार गुर्ग कोटा से किए गए गिरफ्तार

दिल्ली, आरएनएन। दिल्ली पुलिस ने हिमांशु भाऊ गिरोह के चार गुर्गों को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया। दो अपराधियों जींद निवासी रमन उर्फ फौजी (19) और चरखी दादरी निवासी करण (22) है। वहीं शेखर तिवारी (23) और विनोद तिवारी (30) को इन दोनों को कथित तौर पर पनाह देने पैसों का लेन-देन करने के आरोप में पकड़ा गया है।

यूरोप की राजकुमारी से निकाह करने जा रहे पीपीपी नेता बिलावल, सोशल मीडिया पर चर्चा

● इस्लामाबाद / (हि.स.)।

पाक में सोशल मीडिया पर एक बात की चर्चा इन दिनों ज़ोरों पर है कि क्या बिलावल भुट्टो ज़रदारी यूरोप के किसी शाही परिवार में शादी करने की तैयारी कर रहे हैं। वायरल पोस्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) प्रमुख, ऑस्ट्रिया के आखिरी सम्राट चार्ल्स प्रथम की परपोती ग्लोरिया वॉन हैब्सबर्ग से शादी कर सकते हैं। यह अटकलें तब और तेज़ हो गईं जब





बिलावल (38) के पिता और पाक राष्ट्रपति आसिफ़ अली ज़रदारी सात दिन की निजी यात्रा पर ऑस्ट्रिया पहुंचे। सोशल मीडिया यूज़र्स ने इस यात्रा को कथित शादी से जोड़ने में देर नहीं की, हालांकि, पीपीपी ने शादी की इन चर्चाओं पर पानी फेर दिया है और बिलावल की सगाई और शादी की खबरों को गलत और बेबुनियाद बताया है।

सोशल मीडिया पोस्ट ने इन अटकलों को और हवा दी जिसमें ग्लोरिया वॉन हैब्सबर्ग का नाम बिलावल की होने वाली दुल्हन के तौर पर लिया गया। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्हें ऑस्ट्रिया की पूर्व आर्चडचेस और चार्ल्स प्रथम की परपोती बताया गया।

आइसलैंड ईयू में शामिल नहीं होगा

रेक्याविक, (आरएनएन)। आइसलैंड के वोटरों ने ईयू में शामिल होने की वार्ता दोबारा शुरू करने के सरकार के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। शुरुआती नतीजों के मुताबिक, 52.5 फीसदी वोटरों ने प्रस्ताव के खिलाफ, जबकि 47.5 फीसदी ने इसके पक्ष में वोटिंग की। आरयूवी के मुताबिक, देश के छह वोटिंग जिलों में से एक में कुछ मतों की गिनती अभी बाकी थी, लेकिन शुरुआती रुझान में प्रस्ताव को खारिज करने वाला पक्ष स्पष्ट बढ़त बनाए हुए था।

लुधियाना में आईएसआई के बड़े मॉड्यूल का पर्दाफाश

लुधियाना, (हि.स.)। पंजाब के लुधियाना में 22 साल के दुकानदार को पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बाजार में जूतों की दुकान चलाता था।

पाक भेज रहा था लाइव फीड

वह दुकान की आड़ में छिपकर शहर की सारी गतिविधियों की जानकारी पाकिस्तान भेजता था। दुकान के बाहर लगाए मेड इन चाइना सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड पाक एजेंसियों को पहुंचाई जा रही थी। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के बाद उसे जाल बिछाकर पकड़ा गया।

जांच में यह भी सामने आया कि वह अलग-अलग मोबाइल नंबरों से धमकियां देता था। पुलिस को आशंका है कि इस जासूसी के पीछे पाक एजेंसियों की लुधियाना में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश थी।

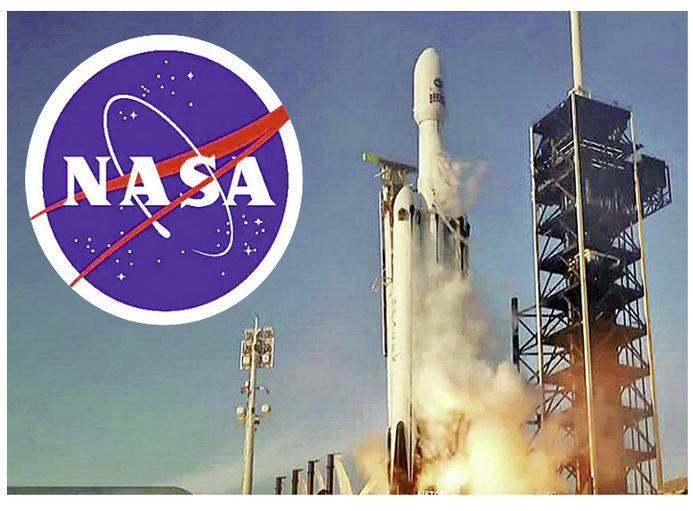
अभियान यह मिशन अंतरिक्ष को समझने के वैज्ञानिकों के तरीके को बदल सकता है

ब्रह्मांड के रहस्य खंगालेगा नासा का नया टेलीस्कोप

● वाशिंगटन / (हि.स.)।

अंतरिक्ष की दुनिया में नासा एक बड़ी शुरुआत करने जा रहा है। नासा का नया नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप रविवार को स्पेसएक्स के फॉल्कन हेवी रॉकेट से अंतरिक्ष में भेजा गया। इसे अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समयानुसार शाम 4:56 बजे लॉन्च किया गया। इस टेलीस्कोप का काम सिर्फ दूर की आकाशगंगाओं को देखना नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक इसके जरिए यह समझने की कोशिश करेंगे कि ब्रह्मांड लगातार तेजी से क्यों फैल रहा है। दूसरे तारों के आसपास किस तरह के ग्रह मौजूद हैं और अंतरिक्ष में होने वाली कई दूसरी घटनाएं कैसे काम करती हैं।

यह टेलीस्कोप क्या पता लगाएगा : रोमन टेलीस्कोप का सबसे बड़ा लक्ष्य डार्क एनर्जी को समझना है। आसान भाषा में कहें तो डार्क एनर्जी एक ऐसी रहस्यमय ताकत



है, जिसे वैज्ञानिक ब्रह्मांड के तेजी से फैलने से जोड़ते हैं। इसके बारे में अभी भी कई सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। यह टेलीस्कोप एक्सोप्लैनेट की भी तलाश करेगा। एक्सोप्लैनेट ऐसे ग्रह होते हैं जो हमारे सौर मंडल के बाहर किसी दूसरे तारे के चक्कर लगाते हैं। यानी वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश करेंगे कि हमारी पृथ्वी और सौर मंडल के अलावा अंतरिक्ष में और किस तरह की दुनिया मौजूद है।

हबल से 100 गुना ज्यादा क्षेत्र को देख

रोमन टेलीस्कोप की एक खासियत यह है कि यह एक बार में आसमान के बहुत बड़े हिस्से को देख सकेगा। नासा के मुताबिक इसका देखने का क्षेत्र हबल स्पेस टेलीस्कोप से कम से कम 100 गुना बड़ा होगा। इसका मतलब है कि वैज्ञानिक कम समय में अंतरिक्ष के कहीं ज्यादा बड़े हिस्से का अध्ययन कर पाएंगे। नासा का अनुमान है कि अपने पूरे मिशन के दौरान रोमन टेलीस्कोप करीब एक अरब आकाशगंगाओं से आने वाली रोशनी को माप सकता है।

13 लाख किमी दूर होगा ठिकाना : लॉन्च के बाद रोमन को पृथ्वी से करीब 13 लाख किमी दूर एल2 नाम की जगह पर तैनात किया जाएगा। यह अंतरिक्ष में ऐसी स्थिति है, जहां टेलीस्कोप को लगातार अंतरिक्ष का अध्ययन करने में मदद मिलेगी। रोमन टेलिस्कोप किसी सामान्य सैटेलाइट की तरह पृथ्वी की परिक्रमा नहीं करेगा। इस जगह से टेलीस्कोप को अंतरिक्ष का विशाल और अपेक्षाकृत बिना रुकावट वाला नजारा मिल सकेगा।इसी क्षेत्र में जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप भी काम कर रहा है।

आज का इतिहास

- **1881** : अमेरिका में पहली बार टेनिस चैंपियनशिप खेला गया।
- **1919** : प्रसिद्ध कवयित्री, उपन्यासकार और निबंधकार अमृता प्रीतम का जन्म।
- **1920** : अमेरिकी शहर डेट्रायट में रेडियो पर पहली बार समाचार प्रसारित किया गया।
- **1940** : मराठी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार शिवाजी सावंत का जन्म।
- **1956** : भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने राज्य पुनर्गठन विधेयक को मंजूरी दी।
- **1959** : अमेरिकी बेसबॉल खिलाड़ी सैंडी कुफैक्स ने एक नेशनल लीग रिकॉर्ड बनाया।
- **1962** : कैरेबियाई देश टोबैगो एवं त्रिनिदाद ब्रिटेन से स्वतंत्र हुए।
- **1964** : कैलिफोर्निया अमेरिका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला प्रांत बना।
- **1968** : भारत ने टू-स्टेज राउंडिंग रॉकेट रोहिणी-एमएसवी 1 का सफल प्रक्षेपण किया।
- **1983** : भारत के उपग्रह इनसेट-1 बी को अमेरिका के अंतरिक्ष शटल चैलेंजर से प्रसारित किया गया।

संपादकीय

डिजिटल जाल में बचपन

भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा था कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति-नियंता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आएं। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18 अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुमार्ने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता-पिता स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, इन प्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालकी से इनफिनेट स्क्रॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइक्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार-बार ध्यान खींचें और उन्हें छोटी स्क्रीन पर वापस लाएं। दरअसल, अभिभावकों ने अमेरिकी अदालत में कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे अधिक समय तक ऑनलाइन रहते हैं, बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्म को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन किया गया है। मेटा ने कुछ सुरक्षा उपायों को लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना की सीमाएं, रात के समय की पाबंदियां तथा लगातार बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इसके बावजूद कंपनी का विज्ञापन आधारित बिजनेस मॉडल काफी हद तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बेमानी होगी। अमेरिका में अभिभावकों की जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में इस पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की भी न हो। इसके लिये जो डिजिटल नियम बनें, उनमें प्लेटफॉर्म्स को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट हो। वहीं उम्र की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके। फोन में सेप्टी सेटिंग्स हमेशा विद्यमान रहनी चाहिए, ताकि मां-बाप को माथापच्ची करके उसे ढूंढ कर चालू न करना पड़े। निस्संदेह, जिन प्लेटफॉर्म्स के पास बच्चों को लत लगाने की तकनीक है, उनके पास ही नुकसान को कम करने की तकनीक भी है। अतः जिम्मेदारी प्लेटफॉर्म की हो।

समुद्री मार्गों की शक्ति : विश्व के प्रमुख जलडमरूमध्यों पर संघर्ष और प्रतिस्पर्धा

अमरेश द्विवेदी

जलडमरूमध्य समुद्र या महासागर का वह संकीर्ण प्राकृतिक मार्ग है, जो दो बड़े जल निकायों को जोड़ता है और सामान्यतः दो भू-भागों के बीच स्थित होता है। आकार में छोटे होने के बावजूद जलडमरूमध्य का भूराजनीतिक, आर्थिक, सैन्य और सामरिक महत्व अत्यधिक होता है। विश्व के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों का एक बड़ा हिस्सा कुछ महत्वपूर्ण जलडमरूमध्यों से होकर गुजरता है। तेल, प्राकृतिक गैस, खाद्यान्न, औद्योगिक कच्चा माल और निर्मित वस्तुओं के परिवहन में इनका विशेष योगदान है।

इसी कारण जलडमरूमध्य केवल भौगोलिक संरचनाएँ नहीं हैं बल्कि वे वैश्विक शक्ति-संतुलन के केंद्र भी बन गए हैं। इनके आसपास होने वाला युद्ध, राजनीतिक तनाव, समुद्री सीमा विवाद, नाकेबंदी या जहाजों पर हमले पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।

1. होर्मुज जलडमरूमध्यः ऊर्जा सुरक्षा का केंद्रहोर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और आगे अरब सागर से जोड़ता है। इसके आसपास ईरान और ओमान स्थित हैं तथा संयुक्त अरब अमीरात भी निकटवर्ती क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। होर्मुज का सबसे बड़ा महत्व वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ा है।

फारस की खाड़ी के तेल और गैस उत्पादक देशों से निकलने वाले बड़े पैमाने के ऊर्जा निर्यात के लिए यह प्रमुख समुद्री मार्ग है। ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव, ईरान के परमाणु कार्यक्रम तथा क्षेत्रीय संघर्षों के कारण होर्मुज बार-बार अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बना है। ईरान द्वारा कभी-कभी इस मार्ग को बाधित करने की चेतावनी देना भी वैश्विक तेल बाजारों में अस्थिरता पैदा करता है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य का महत्व केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं है; इसका सीधा संबंध भारत, चीन, जापान और यूरोप की ऊर्जा सुरक्षा से भी है।

2. बाब-अल-मंदेब : लाल सागर का संकटबाब-अल-मंदेब लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। इसके एक ओर यमन तथा दूसरी ओर अफ्रीका का जिबूती और इरिट्रिया क्षेत्र स्थित है। यह मार्ग यूरोप और एशिया के बीच समुद्री व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से जहाज लाल सागर और स्वेज नहर की दिशा में जाते हैं। यमन के गृहयुद्ध और हूती आंदोलन के कारण इस क्षेत्र की सुरक्षा लंबे समय से चिंता का विषय रही है। जहाजों पर हमलों और सुरक्षा जोखिमों के कारण कई वाणिज्यिक जहाजों को वैकल्पिक लंबे मार्गों का उपयोग करना पड़ा है। इसका परिणाम यह हुआ कि यूरोप-एशिया व्यापार की लागत और यात्रा समय बढ़ सकता है। इसलिए बाब-अल-मंदेब यह दिखाता है कि किसी छोटे से समुद्री चोकपॉइंट में अस्थिरता वैश्विक सप्लाई श्रृंखला को कैसे प्रभावित कर सकती है।

3. ताइवान जलडमरूमध्य : चीन और ताइवान का तनावताइवान जलडमरूमध्य चीन के मुख्य भूभाग और ताइवान के बीच स्थित है। यह वर्तमान विश्व राजनीति के सबसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में से एक है। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान अपनी अलग राजनीतिक व्यवस्था के साथ स्वयं शासित है। अमेरिका ताइवान के साथ अनौपचारिक संबंध और सुरक्षा सहयोग बनाए रखता है।

इस क्षेत्र में चीनी सैन्य अभ्यास, ताइवान की सुरक्षा और अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियाँ तनाव को बढ़ाती हैं। यदि यहां गंभीर सैन्य संघर्ष होता है, तो इसका प्रभाव केवल पूर्वी एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। ताइवान वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए ताइवान जलडमरूमध्य में संघर्ष से तकनीकी उद्योग, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

4. मलक्का जलडमरूमध्य : व्यापार और सुरक्षामलक्का जलडमरूमध्य मलय प्रायद्वीप और इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के बीच स्थित है। यह हिंद महासागर और प्रशांत क्षेत्र को जोड़ने वाले सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और अन्य पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बड़ी मात्रा में ऊर्जा और व्यापारिक वस्तुएँ इस मार्ग से होकर गुजरती हैं। मलक्का में वर्तमान में होर्मुज या बाब-अल-मंदेब जैसी प्रत्यक्ष युद्ध स्थिति नहीं है, लेकिन यहां समुद्री डकैती, आतंकवाद, दुर्घटनाएँ और संभावित सैन्य प्रतिस्पर्धा सुरक्षा संबंधी चिंताएँ पैदा करती हैं। चीन की मलक्का का धर्मसंकट की अवधारणा इसी चिंता से जुड़ी है कि संकट की स्थिति में उसकी ऊर्जा आपूर्ति इस चोकपॉइंट पर निर्भर रह सकती है। इसी कारण चीन वैकल्पिक समुद्री और स्थल मार्ग विकसित करने की कोशिश करता रहा है।

5. जिब्राल्टर जलडमरूमध्य : यूरोप और अफ्रीका के बीचजिब्राल्टर जलडमरूमध्य अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर को जोड़ता है। इसके उत्तर में स्पेन और दक्षिण में मोरक्को स्थित हैं। इसके निकट ब्रिटेन का जिब्राल्टर क्षेत्र भी स्थित है। जिब्राल्टर को लेकर ब्रिटेन और स्पेन के बीच लंबे समय से राजनीतिक विवाद रहा है। ब्रिटेन का नियंत्रण इस क्षेत्र को यूरोप की सुरक्षा और समुद्री रणनीति में महत्वपूर्ण बनाता है। यह जलडमरूमध्य यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और भूमध्यसागरीय क्षेत्र के बीच समुद्री संपर्क का महत्वपूर्ण मार्ग है। साथ ही नाटो और अन्य शक्तियों के लिए भी इसका सैन्य महत्व है।

6. बॉस्फोरस और डाडार्नेल्सः रूस-यूक्रेन संदर्भतुर्की के बॉस्फोरस और डाडार्नेल्स जलडमरूमध्य काला सागर को भूमध्य क्षेत्र से जोड़ते हैं। इनके बीच मारमारा सागर स्थित है। इन जलमार्गों का महत्व रूस, यूक्रेन, तुर्की और अन्य काला सागर देशों के लिए बहुत अधिक है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के संदर्भ में इनका रणनीतिक महत्व और बढ़ गया है।

तुर्की इन जलडमरूमध्यों पर नियंत्रण रखता है और मोंट्रो कन्वेंशन के तहत युद्धपोतों की आवाजाही के संबंध में विशेष अधिकार रखता है। इस कारण तुर्की की नीति काला सागरकी सामरिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है। इन जलडमरूमध्यों से अनाज, ऊर्जा और अन्य वस्तुओं का व्यापार भी जुड़ा है। इसलिए इनका महत्व सैन्य के साथ-साथ आर्थिक भी है।

7. केर्च जलडमरूमध्यः रूस-यूक्रेन विवादकेर्च जलडमरूमध्य, काला सागर और अजोव सागर को जोड़ता है। यह रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के संदर्भ में महत्वपूर्ण बन गया है। क्रीमिया के रूस द्वारा 2014 में अधिग्रहण के बाद इस क्षेत्र की राजनीतिक और सैन्य संवेदनशीलता बढ़ गई। रूस ने केर्च ब्रिज का निर्माण करके क्षेत्र में अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत की। इस जलडमरूमध्य पर नियंत्रण का संबंध समुद्री यातायात, सैन्य गतिविधियों और यूक्रेन के बंदरगाहों तक पहुंच से जुड़ा है। इसलिए यह क्षेत्र रूस-यूक्रेन संघर्ष में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बिंदु रहा है।

8. पाल्क जलडमरूमध्य : भारत और श्रीलंकापाल्क जलडमरूमध्य भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है। यह क्षेत्र अपेक्षाकृत उथला है और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों का क्षेत्र रहा है। यहां प्रमुख समस्या सैन्य संघर्ष के बजाय मछली पकड़ने, समुद्री सीमा और मछुआरों की गिरफ्तारी से जुड़ी है। भारतीय और श्रीलंकाई मछुआरों के बीच सीमा पार करने तथा समुद्री संसाधनों के उपयोग को लेकर समय-समय पर विवाद उत्पन्न होते हैं। भारत और श्रीलंका के लिए चुनौती यह है कि स्थानीय लोगों की आजीविका और समुद्री पर्यावरण की रक्षा करते हुए सीमा संबंधी विवादों का शांतिपूर्ण समाधान किया जाए।

9. लुजोन जलडमरूमध्य : इंडो-पैसिफिक प्रतिस्पधार्लुजोन जलडमरूमध्य ताइवान और फिलीपींस के बीच स्थित है। यह दक्षिण चीन सागर और पश्चिमी प्रशांत के बीच रणनीतिक संपर्क प्रदान करता है। चीन, ताइवान, फिलीपींस और अमेरिका की इंडो-पैसिफिकरणनीतियों के कारण यह क्षेत्र तेजी से महत्वपूर्ण हुआ है। फिलीपींस की अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी और दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती गतिविधियां इस क्षेत्र के सामरिक महत्व को बढ़ाती हैं। भविष्य में ताइवान संकट की स्थिति में लुजोन जलडमरूमध्य सैन्य आवाजाही और समुद्री रणनीति के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

10. बेरिंग जलडमरूमध्य : अमेरिका और रूस बेरिंग जलडमरूमध्य अमेरिका के अलास्का और रूस के सुदूर पूर्व के बीच स्थित है। यह प्रशांत और आर्कटिक क्षेत्रों को जोड़ता है। आर्कटिक में बर्फ पिघलने और नए समुद्री मार्गों की संभावनाओं के कारण बेरिंग जलडमरूमध्य का महत्व बढ़ रहा है। अमेरिका और रूस के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में यह क्षेत्र भविष्य में और अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है।

जलडमरूमध्यों में संघर्ष का सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ता है। यदि किसी महत्वपूर्ण संकरे मार्ग पर जहाजों की आवाजाही बाधित होती है तो जहाजों को लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ सकता है। इससे परिवहन लागत बढ़ती है। तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। बीमा लागत बढ़ सकती है। खाद्य और औद्योगिक वस्तुओं की कीमत प्रभावित हो सकती है। वैश्विक सप्लाई श्रृंखला में देरी हो सकती है। ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

भारत जैसे देशों के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था समुद्री व्यापार और ऊर्जा आयात पर काफी निर्भर है।

जलडमरूमध्य से जुड़े विवादों का समाधान केवल सैन्य शक्ति से नहीं किया जा सकता। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति, समुद्री सुरक्षा सहयोग और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसमय (यूएनसीएलओएस) समुद्री क्षेत्रों और नौवहन से जुड़े अनेक अधिकारों और दायित्वों का कानूनी ढांचा प्रदान करता है। देशों को समुद्री सीमा विवादों का समाधान बातचीत और अंतरराष्ट्रीय कानून के माध्यम से करना चाहिए। साथ ही, महत्वपूर्ण संकरे मार्ग के लिए वैकल्पिक आपूर्ति मार्ग, रणनीतिक भंडार और मजबूत समुद्री सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है।

दुनिया के जलडमरूमध्य आकार में छोटे हो सकते हैं लेकिन उनका महत्व वैश्विक स्तर पर बहुत बड़ा है। होर्मुज ऊर्जा सुरक्षा, बाब-अल-मंदेब वैश्विक व्यापार, ताइवान जलडमरूमध्य महाशक्ति प्रतिस्पर्धा, मलक्का व्यापारिक आपूर्ति, जिब्राल्टर यूरोप-अफ्रीका संपर्क और बॉस्फोरस-डाडार्नेल्स, काला सागर भू-राजनीति के महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

21वीं सदी में समुद्री शक्ति और आर्थिक शक्ति का संबंध और गहरा होता जा रहा है। इसलिए जलडमरूमध्यों पर नियंत्रण, स्वतंत्र नौवहन और समुद्री सुरक्षा आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख मुद्दे बने रहेंगे। अतः विश्व शांति और आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है कि इन रणनीतिक समुद्री मार्गों को संघर्ष के क्षेत्र के बजाय सहयोग के गलियारे के रूप में विकसित किया जाए। (लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

हिन्दुस्थान समाचार / अमरेश द्विवेदी

अमेरिका में एकबार फिर हिंदुत्व का जयघोष

डॉ. मयंक चतुवेर्दी

न्यूयॉर्क में 29 अगस्त को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का संबोधन भारतीय चिंतन की उस व्यापक दृष्टि को सामने लाता है, जिसमें विविधता के बीच मानवता की एकता को आधार माना गया है। ह्यवन वर्ल्ड, वन मैनिटी अंतरधार्मिक संवाद में भागवत ने धर्म, हिंदुत्व, सामाजिक समरसता, सेवा, राजनीति और वैश्विक शांति जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। उनके संबोधन की खास बात यह रही कि उन्होंने हिंदुत्व को किसी समुदाय के विरोध अथवा बहिष्कार के विचार से अलग करते हुए मानव गरिमा और सभी पंथों के सम्मान से जोड़ने का प्रयास किया।

विविधता में एकता का भारतीय विचार

भागवत ने कहा कि दुनिया में धर्म और संस्कृतियां अनेक हैं। उनकी पूजा पद्धतियां, मान्यताएं और कर्मकांड अलग हो सकते हैं, मगर मनुष्य की मूल पहचान एक है। उन्होंने विविधता को समाप्त करने के बजाय उसे स्वीकार करने, उसका सम्मान करने और उसकी रक्षा करने की बात कही। धर्म के बाहरी स्वरूप और उसके मूल उद्देश्य के अंतर को समझाने के लिए उन्होंने प्रकाश की ओर संकेत करती उंगली का उदाहरण दिया। उनका आशय था कि कर्मकांड व्यक्ति को दिशा देने का माध्यम हैं। यदि मनुष्य माध्यम को ही लक्ष्य मान लेता है, तो धर्म के वास्तविक उद्देश्य से दूर हो जाता है। धर्म का अंतिम उद्देश्य मनुष्य को बेहतर जीवन, उच्च चेतना और मानवीयता की ओर ले जाना है।

हिंदुत्व पर सबसे स्पष्ट संदेश

भागवत के संबोधन में हिंदुत्व को लेकर कही गई बात विशेष ध्यान आकर्षित करती है। उन्होंने 2018 में दिल्ली में मुस्लिम समाज के लोगों के साथ हुई चर्चा का उल्लेख किया। वहां उनसे पूछा गया था कि आरएसएस हिंदू संगठन है और हिंदू राष्ट्र की बात करता है, तो भारत के मुसलमानों का क्या होगा? क्या उन्हें बाहर कर दिया जाएगा? भागवत ने बताया कि उनका उत्तर था कि ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं है। यह कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है जिसे भागवत भारतीय समाज की व्यापक सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हैं। उनके अनुसार भारत की परंपरा में अलग अलग संप्रदायों के लिए स्थान रहा है और जिन्हें कहीं सुरक्षित आश्रय नहीं मिला, भारत ने उन्हें भी स्थान दिया।

मैं से हम की ओर बढ़ने का संदेश

भागवत ने सामाजिक और राजनीतिक जीवन में बढ़ते स्वार्थ को बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि जहां मैं और मेरा की भावना है, वहां समाधान नहीं है। हम और हमारा ही समाधान का रास्ता है। राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति स्वार्थ का खेल बनती जा रही है। ऐसे में परिवर्तन की शुरूआत राजनीति से पहले समाज से होनी चाहिए। लोकतंत्र में राजनीति जनमत पर निर्भर होती है। यदि समाज किसी विचार पर मजबूती से खड़ा हो जाए, तो राजनीतिक नेतृत्व भी उस जनभावना की उपेक्षा नहीं कर सकता। वस्तुतः यह विचार भागवत के संबोधन को एक राजनीतिक भाषण के बजाय सामाजिक परिवर्तन की दिशा में दिए गए आह्वान के रूप में भी स्थापित करता है। संवाद पहला कदम, सेवा दूसरा सामाजिक समरसता के लिए भागवत ने दो महत्वपूर्ण रास्ते बताए, संवाद और सेवा। उन्होंने कहा कि 2018 के बाद भारत में मुस्लिम और ईसाई समाज के साथ संवाद की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। संवाद के माध्यम से एक दूसरे को समझने और पूर्वाग्रहों को कम करने का अवसर मिलता है। इसके बाद सेवा की भूमिका आती है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति की सेवा करते समय स्वयंसेवक उसकी धार्मिक पहचान नहीं देखते। उनके अनुसार समाज के सहयोग से लगभग एक लाख तीस हजार सेवा प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। हरियाणा के दादरी में विमान दुर्घटना का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि मुस्लिम देशों के विमानों से जुड़ी उस दुर्घटना के बाद आरएसएस के स्वयंसेवक राहत और अंतिम संस्कार के कार्यों में जुटे थे। उन्होंने मृतकों की पहचान और उनके परिजनों की सहायता में भी सहयोग किया। भागवत ने इसे सेवा की उस भावना का उदाहरण बताया जिसमें सामने व्यक्ति की धार्मिक पहचान नहीं, उसकी पीड़ा और आवश्यकता होती है। रामकृष्ण परमहंस से रानाडे तक भागवत ने अपने विचारों को भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के उदाहरणों से भी जोड़ा। उन्होंने स्वामी रामकृष्ण परमहंस का उल्लेख किया, जिन्होंने विभिन्न धार्मिक मार्गों का अनुभव किया था। भागवत के अनुसार रामकृष्ण परमहंस ने अलग-अलग रास्तों के अनुभव के बाद यह विचार रखा कि सत्य तक पहुंचने के मार्ग अनेक हो सकते हैं। उन्होंने गुरुदेव श्री रानाडे का भी उल्लेख किया, जिन्होंने विभिन्न धार्मिक परंपराओं के आध्यात्मिक अनुभवों का अध्ययन किया था।

जवाबदेही के लिए अधिकार की आवश्यकता होती है, सिर्फ कैमरे की नहीं

डॉ. सत्यवान सौरभ

आजकल सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का नजरिया एक चलन बनता जा रहा है और यह अच्छा नहीं है। फोन, कैमरा और कैमरायुक्त स्मार्टफोन होते ही लगभग कोई भी सरकारी स्कूल में जाकर शिक्षकों से सवाल पूछ सकता है, कक्षाओं की तस्वीरें खींच सकता है और कुछ ही मिनटों में पूरी शिक्षा व्यवस्था के बारे में राय बना सकता है। कभी-कभी, यह इरादा नेक होता है। नागरिकों को शिक्षा की गुणवत्ता, सार्वजनिक संस्थानों के कामकाज और बच्चों के भविष्य के बारे में चिंतित होने का पूरा अधिकार है।

एक सीधा-सा सवाल अक्सर उठाया जाता है लेकिन उस पर शायद ही कभी ध्यान दिया जाता है: निरीक्षण को लेकर यह उत्साह अक्सर सरकारी स्कूलों तक ही सीमित क्यों रहता है? कितनी बार स्वघोषित निरीक्षक बड़ी मुश्किल से और घड़ी की चुभती निगाहों से देखते हुए कुलीन निजी स्कूलों में घुसते हैं और वहाँ की फीस, बुनियादी ढाँचे, प्रवेश नीतियों, शिक्षकों के कार्यभार, परिवहन या अन्य किसी भी चीज के बारे में और भी अटपटे सवालों का सामना करते हैं? लोग महंगे निजी स्कूलों के गेट पर कैमरा लेकर घुस जाते हैं और शिक्षकों से सवाल पूछने लगते हैं। जवाब स्पष्ट है। हर निजी स्कूल की अपनी विशिष्ट प्रवेश प्रक्रिया, सुरक्षा, प्रशासन और फोटोग्राफी/रिकॉर्डिंग की सीमाएँ होती हैं। बिना अनुमति किसी को भी कक्षाओं में घूमने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दूसरी ओर, सरकारी स्कूलों में अक्सर खुला और सुलभ वातावरण होता है। वे समाज के कमजोर वर्गों और निम्न आर्थिक स्तर के बच्चों का शिक्षण करते हैं। वे खुले तो हैं लेकिन नियमों से मुक्त नहीं हैं। हर पहुँच का मतलब पूर्ण अधिकार नहीं होता।

सरकारी विद्यालयों के शिक्षक सरकार, विद्यालय प्रशासन, अभिभावकों, छात्रों और कानून के प्रति उत्तरदायी होते हैं। उन्हें उचित संस्थागत माध्यमों से अपने पेशेवर कर्तव्यों के संबंध में पूछताछ का अधिकार और दायित्व दोनों है।

हालांकि, उचित निरीक्षण और अनौपचारिक निगरानी में स्पष्ट अंतर होता है। अधिकृत निरीक्षण प्रशासन के निर्धारित ढांचे के भीतर होता है। इसके लिए प्रक्रियाएं, रिकॉर्ड, जिम्मेदारियां और जवाबदेही आवश्यक हैं। किसी परिसर में मोबाइल फोन रखना और बिना अनुमति शिक्षकों की रिकॉर्डिंग करना दिखावा हो सकता है लेकिन दिखावा निरीक्षण नहीं है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि शैक्षणिक संस्थानों में पारदर्शिता और गरिमा की आवश्यकता है।

यहां एक और बड़ा सवाल उठता है- शिक्षकों की गरिमा। शिक्षक कक्षाओं में बैठे सरकारी अधिकारी नहीं होते। वे विशेषज्ञ होते हैं जो बच्चों के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऐसी प्रक्रिया होनी चाहिए जिनसे यह पता चल सके कि कोई शिक्षक अपने कर्तव्य में विफल हो रहा है, इसकी जांच की जाए और यदि शिक्षक वास्तव में विफल हो रहा है तो सुधारात्मक कार्रवाई की जाए।

हालांकि, आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना, बिना अनुमति के उनकी रिकॉर्डिंग करना या सोशल मीडिया पर चुनिंदा वीडियो पोस्ट करना यह जरूरी नहीं दर्शाता कि इससे शिक्षा का स्तर बेहतर हो रहा है। इसके विपरीत, इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यदि हर बातचीत सोशल मीडिया पर वायरल होने की संभावना बन जाए, तो शिक्षक छात्रों के साथ स्वाभाविक रूप से बातचीत करने की बजाय उनके द्वारा रिकॉर्ड किए जाने को लेकर अधिक चिंतित हो सकते हैं। कक्षा धीरे-धीरे एक प्रदर्शन स्थल में बदल सकती है और वायरल कंटेंट की होड़ में शिक्षा का उद्देश्य भुलाया जा सकता है।

इसका यह मतलब बिलकुल नहीं है कि सरकारी स्कूलों को जांच से छूट मिलनी चाहिए। बल्कि इसके विपरीत सार्वजनिक धन और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, बच्चों के भविष्य से जुड़े मामलों में, सरकारी स्कूलों को पारदर्शी और जवाबदेह होना चाहिए। इसलिए शिक्षक और प्रशासक अपने कर्तव्यों के प्रति जवाबदेह हैं। माता-पिता और नागरिक निःसंकोच अपनी चिंताओं को व्यक्त कर सकते हैं। लेकिन उचित मंच पर चिंताएं उठाना एक बात है और अनधिकृत निरीक्षण और सोशल मीडिया पर परीक्षण के माध्यम से उन्हें उठाना बिलकुल अलग बात है।

शिक्षा प्रशासन के क्षेत्र में वास्तव में रुचि रखने वालों के लिए व्यवस्था के भीतर रहकर सार्थक योगदान देने का एक वैध तरीका भी है। तो क्यों न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी या अन्य प्राधिकरण पदों के लिए आवेदन करें? कड़ी मेहनत करें, योग्यता प्राप्त करें, नियमों को जानें, जिम्मेदारी लें और सरकार द्वारा प्रदत्त अधिकार के साथ विद्यालयों में प्रवेश करें। इस स्तर पर, निरीक्षणकर्ता और शिक्षक के बीच संबंध में महत्वपूर्ण बदलाव आता है। एक अधिकृत शिक्षा अधिकारी केवल कमियों को इंगित नहीं करता। एक अधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उन कमियों के कारणों को समझे, अभिलेखों की समीक्षा करे, कार्यान्वयन का मूल्यांकन करे, शिक्षकों का मार्गदर्शन करे, व्यवस्थागत मुद्दों को उजागर करे और समाधान खोजने में सहायता करे। निरीक्षण और हस्तक्षेप में यही अंतर है।

एक समस्या को कैमरे से पलभर में पहचाना जा सकता है लेकिन एक सक्षम प्रशासक को समस्या के कारणों का पता लगाने और उसे हल करने के लिए आवश्यक संसाधनों, प्रशिक्षण, नीति या संस्थागत सहायता का पता लगाने में हफ्तों या महीनों लग सकते हैं।

अपमान शिक्षा को बेहतर बनाने का साधन नहीं हो सकता। हर शिक्षक का वीडियो वायरल करके शिक्षा को बेहतर नहीं बनाया जा सकता। सरकारी स्कूलों जैसे आसान लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करके भी शिक्षा को बेहतर नहीं बनाया जा सकता क्योंकि उनके दरवाजे खुले होते हैं। बेहतर स्कूलों के लिए हमें बेहतर सवालों की जरूरत है। किसी विशेष स्कूल में बुनियादी ढांचे की कमी का क्या कारण है? शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना क्यों करना पड़ता है? क्या शिक्षण संसाधन अच्छे हैं? क्या छात्र-शिक्षक अनुपात सही है? क्या अभिभावकों की भागीदारी पर्याप्त है? क्या सरकारी योजनाएं उन लोगों तक पहुंच रही हैं जिनके लिए वे बनाई गई हैं? क्या शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिलता है?

समस्या पर कैमरा घुमाना सबसे आसान तरीका है। समस्या का समाधान उतना ही मुश्किल होता है। इसका मतलब यह नहीं है कि नागरिकों को बोलने से रोका जाए, न ही इसका मतलब यह है कि वास्तविक भ्रष्टाचार को उजागर न किया जाए। यदि भ्रष्टाचार, दुर्व्यवहार, लापरवाही या गंभीर कदाचार व्याप्त है तो इसकी रिपोर्ट करना और उचित माध्यमों से इसकी जांच कराना आवश्यक है। पेशेवर रवैया का मतलब चुप्पी नहीं है। अब आलोचना जिम्मेदारी से होनी चाहिए और जवाबदेही भी, कानूनी जवाबदेही।

स्कूल कोई कंटेंट स्टूडियो नहीं है। कक्षा सोशल मीडिया रील्स के लिए कोई मंच नहीं है। शिक्षक ऑनलाइन किसी कहानी में किसी और की कहानी नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यूज, लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़ में शिक्षा को दरकिनार नहीं किया जाना चाहिए। बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन स्कूल का सबसे खराब वीडियो बना सकता है।

स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए कैमरे ही एकमात्र साधन नहीं हैं। स्कूलों का विकास सहयोग, जिम्मेदारी, समन्वय, संसाधनों और सुविचारित प्रशासन के फलस्वरूप होता है। इसलिए, किसी सरकारी स्कूल में स्वयं को निरीक्षक घोषित करने से पहले, आपको स्वयं से पूछना चाहिएः क्या मेरे पास यह कार्य ठीक से करने का अधिकार, समझ और जिम्मेदारी है? यदि आपको लगता है कि इसका उत्तर 'नहीं' है, तो शायद कैमरे के बजाय बातचीत के माध्यम से प्रवेश करना बेहतर होगा। सलाह देना आसान होता है लेकिन बदलाव लाना कठिन। शिक्षा का मूल्यांकन आवश्यक है लेकिन उसे संवेदनशील, पेशेवर और सम्मानजनक बनाना भी जरूरी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अपनी बुद्धि का थोड़ा तो उपयोग करो

◻ अनिकेत सिंह

सही समय पर सही निर्णय ही समझदारी की असली पहचान है।

मनुष्य और अन्य जीवों के बीच सबसे बड़ा अंतर केवल शरीर या भाषा का नहीं, बल्कि विवेक और बुद्धि का है। प्रकृति ने हर मनुष्य को सोचने, समझने, निर्णय लेने और सही-गलत में अंतर करने की क्षमता दी है। लेकिन यह क्षमता तभी सार्थक होती है, जब उसका इस्तेमाल किया जाए। अलमारी में रखी किसी मूल्यवान वस्तु की तरह बुद्धि को सुरक्षित रखने का कोई अर्थ नहीं है। बुद्धि जितनी इस्तेमाल होती है, उतनी ही निखरती है।

जीवन वास्तव में परिस्थितियों का दूसरा नाम है। हर दिन कोई न कोई फैसला हमारे सामने खड़ा होता है। कभी संबंधों को लेकर, कभी काम को लेकर, कभी परिवार को लेकर और कभी स्वयं को लेकर। ऐसे में किसी दूसरे की उंगली पकड़कर जीवन भर चलना संभव नहीं। रास्ता कोई दिखा सकता है, लेकिन कदम हमें स्वयं उठाने पड़ते हैं।

उम्र बढ़े तो समझ भी बढ़नी चाहिए-

उम्र का बढ़ना अपने आप में परिपक्वता नहीं है। बालों में सफेदी आ जाने से विवेक नहीं आता और वर्षों का गुजर जाना समझदारी की गारंटी नहीं है। उम्र का वास्तविक अर्थ तभी है, जब उसके साथ अनुभव जुड़े और अनुभव से समझ पैदा हो।

बचपन में माता-पिता हमारी उंगली पकड़कर चलाते हैं। किशोरावस्था में शिक्षक दिशा बताते हैं। युवावस्था में मित्र और सहकर्मी सलाह देते हैं। लेकिन एक समय ऐसा आता है, जब जीवन के महत्वपूर्ण फैसले हमें स्वयं लेने पड़ते हैं।

दुनिया सलाह दे सकती है, रास्ता बता सकती है, चेतावनी दे सकती है, लेकिन उस रास्ते पर चलना हमें ही होता है। इसलिए जीवन की जिम्मेदारियों के साथ निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित होनी चाहिए।

अक्सर किसी व्यक्ति के उतावले व्यवहार पर हम कह देते हैं- क्या तुम्हारी बुद्धि घास चरने गई है? यह केवल व्यंग्य नहीं है। इसके भीतर जीवन का एक गहरा सत्य छिपा है। बिना सोचे किया गया छोटा-सा निर्णय कई बार बड़ी परेशानी का कारण बन जाता है।

बुद्धि आखिर है क्या?

बुद्धि की सबसे सरल परिभाषा शायद यही है कि कब क्या करना है, इसकी समझ। किस व्यक्ति से कितना संबंध रखना है, किसके सामने अपने मन की बात खोलनी है, किस पर विश्वास करना है, किससे दूरी बनाए रखना है, समय का उपयोग किस तरह करना है और कब चुप रह जाना ही सबसे अच्छा उत्तर है, इन सबका नाम बुद्धि है। बुद्धिमान व्यक्ति केवल बहुत सारी बातें जानने वाला नहीं होता। असली बुद्धिमत्ता इस बात में है कि किस जानकारी का कब और कैसे इस्तेमाल करना है। कई बार चुप रहना बोलने से अधिक बुद्धिमानी होती है। किसी बहस को जीतने के बजाय उसे छोड़ देना अधिक समझदारी हो सकती है। हर विवाद में उतरना साहस नहीं, कई बार मूर्खता होती है। कुछ लोगों को दूसरों के मामलों में अनावश्यक दखल देने की आदत होती है। उन्हें लगता है कि हर समस्या में अपनी राय देना उनका अधिकार है। परिणाम यह होता है कि उनकी अपनी जिंदगी से अधिक दूसरों की जिंदगी उनके लिए चिंता का विषय बन जाती है। ऐसे ही एक युवक के पिता ने उसे समझाते हुए कहा था कि तुम हर किसी की खिंचाई करते रहते हो, दूसरों के मामलों में टांग अड़ाने की जरूरत ही क्या है? अपने काम से काम रखो। तुम्हारे कारण हमें सुख न मिले तो भी चलेगा, लेकिन अशांति और परेशानी मत दो। यह बात केवल उस युवक के लिए नहीं, हम सबके लिए है। जीवन की ऊर्जा सीमित है। उसे कहां खर्च करना है, यह तय करना भी बुद्धि है।

अपनी जिंदगी की कमान अपने हाथ में रखें- हम दिन भर न जाने कितने काम करते हैं। लेकिन कभी ठहरकर खुद से पूछते नहीं कि जो कर रहे हैं, वह क्यों कर रहे हैं? क्या हमारा जीवन सही दिशा में जा रहा है?

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम दूसरों के बारे में निर्णय लेने में जितनी तत्परता दिखाते हैं, उतनी अपने बारे में नहीं। यदि हम अपनी जिंदगी की कमान अपने हाथ में नहीं रखेंगे, तो धीरे-धीरे दूसरे लोग हमारे जीवन के चालक बन जाएंगे। फिर हमारी खुशी किसी दूसरे की स्वीकृति पर निर्भर होगी और हमारे फैसले किसी दूसरे की इच्छा पर। एक पत्नी हर छोटी-बड़ी बात अपने पति से पूछकर करती थी। उसे हमेशा डर लगा रहता कि कहीं कोई गलती न हो जाए। पति ने एक दिन उससे कहा कि गलती होने का डर मन से निकाल दो। गलती होगी तो उससे सीख लेना। हर कदम पर मेरी अनुमति लेकर जीना जीवन नहीं है। यह बात आज के समाज में और भी महत्वपूर्ण है। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं होती। निर्णय लेने की आत्मनिर्भरता भी उतनी ही जरूरी है। जो व्यक्ति हर निर्णय के लिए दूसरे की ओर देखता है, धीरे-धीरे उसकी अपनी निर्णय क्षमता कमजोर पड़ने लगती है।

मदद लें, मगर बैसाखी न बनाएं-

किसी का सहारा लेना गलत नहीं है। जब सारे प्रयास करने के बाद कोई रास्ता न मिले, तब मार्गदर्शन और सहायता लेना समझदारी है। लेकिन सहायता को आदत बना लेना खतरनाक है। जरूरत से ज्यादा मदद कई बार इंसान को सक्षम बनाने के बजाय अपाहिज बना देती है।

माता-पिता का प्रेम इसका सबसे सुंदर और सबसे कठिन उदाहरण है। संतान के लिए माता-पिता अपना सब कुछ न्योछावर कर देते हैं। लेकिन प्रेम का अर्थ यह नहीं कि बच्चे के जीवन का हर फैसला माता-पिता स्वयं लेने लगें। एक पिता अपनी बेटी से बेहद प्रेम करते थे। बेटी को किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े, इसलिए वह उसकी हर समस्या का समाधान स्वयं कर देते। धीरे-धीरे स्थिति यह हो गई कि बेटी अपने पिता की मदद के बिना कोई फैसला ही नहीं ले पाती थी। कॉलेज पहुंचने के बाद भी वह दूसरे विद्यार्थियों के साथ घुलमिल नहीं सकी। प्रोफेसर ने पिता को बुलाकर मनोवैज्ञानिक की सलाह लेने को कहा। मनोवैज्ञानिक ने पिता से कहा कि आपका प्रेम सच्चा है, लेकिन आपने बेटी को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर ही नहीं दिया। आपने उसके लिए फैसले किए, उसकी समस्याएं हल कीं और उसे असफल होने से बचाया। इसलिए उसमें आत्मविश्वास पैदा नहीं हो पाया। यह बात हर माता-पिता को समझनी चाहिए। बच्चे को गिरने से बचाते रहेंगे तो वह चलना कैसे सीखेगा? प्यार का सबसे सुंदर रूप वह है, जिसमें हम अपने प्रिय व्यक्ति को अपने बिना जीना सिखाते हैं।

असफलता भी एक शिक्षक है-

जीवन में ठोकरें हमेशा दुश्मन नहीं होतीं। कई बार वही ठोकरें हमारी सबसे बड़ी शिक्षक बनती हैं। जो बच्चा हर बार गिरने से पहले पकड़ लिया जाता है, वह संतुलन बनाना सीख ही नहीं पाता। इसी तरह जो व्यक्ति हर समस्या से पहले किसी दूसरे का सहारा खोजता है, उसकी निर्णय क्षमता धीरे-धीरे कुंद हो जाती है। बच्चों को असफल होने का अधिकार भी मिलना चाहिए। उन्हें अपनी गलतियां करने दें, उनसे सीखने दें। माता-पिता का काम हर गलती को रोक देना नहीं, बल्कि गलती के बाद उठ खड़े होने का साहस देना है। कहना चाहिए- तुम प्रयास करो, जरूरत पड़ी तो मैं तुम्हारे साथ हूं। यह वाक्य बच्चे को निर्भर नहीं, मजबूत बनाता है।

मुझे नहीं आता से मैं सीख लूंगा तक एक युवक अपने कार्यालय में बहुत अच्छा काम करता था। उसे सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार मिला। बॉस ने पूछा कि वह इतना अच्छा काम कैसे कर लेता है? उसने बताया कि बचपन में वह हर काम से पहले कहता था- मुझसे नहीं होगा, मुझे नहीं आता। एक दिन पिता ने नाराज होकर उससे कहा- करके तो देख। नहीं आएगा तो बाद में कहना। बिना प्रयास किए कैसे तय कर लेते हो कि तुम्हें नहीं आता?

उस दिन के बाद युवक ने अपने भीतर से मुझे नहीं आता, निकालने की कोशिश शुरू कर दी। उसने काम करना शुरू किया। गलतियां हुईं, लेकिन उन्हीं गलतियों से सीखता गया। यही जीवन का मंत्र है, अज्ञानता कोई अपराध नहीं, सीखने से इनकार करना कमजोरी है। दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जिसे सब कुछ आता हो। लेकिन सीखने की इच्छा रखने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे बहुत कुछ कर सकता है।

एम ओ सी कैंसर केयर ने नए पूसा रोड सेंटर के साथ दिल्ली में किया विस्तार

विशेषीकृत कैंसर देखभाल अब मरीजों के और करीब, दिल्ली एनसीआर में दस सेंटर्स स्थापित करने की योजना





भारत के प्रमुख विशेषीकृत ऑन्कोलॉजी नेटवर्क में से एक एम।ओ।सी कैंसर सेंटर ने पूसा रोड़, नई दिल्ली में अपने नए सेंटर के उद्घाटन के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। सेंटर का उद्घाटन मुख्यातिथि प्रो. डॉ. उन्नत पी. पंडित, कंट्रोलर जनरल ऑफ पेटेंट्स, डिजाइन्स एंड ट्रेड मार्क्स, डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड, वाणिज्य मंत्रालय की उपस्थिति में हुआ।

नया सेंटर ऑन्कोलॉजी और हेमेटोलॉजी सेवाएँ प्रदान करेगा, जिनमें कीमोथेरेपी, टागेर्टेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी और होलिस्टिक सेवाएँ शामिल हैं। यह सेवाएँ सेमी-आईसीयू-सक्षम सेटअप में उपलब्ध होंगी, जिसे इस तरह तैयार किया गया है कि मरीजों को कई प्रकार के उपचार के लिए 24 घंटे अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता न पड़े। दिल्ली के एक केंद्रीय और आसानी से जुड़े क्षेत्र में स्थित यह सेंटर एम।

ओ।सी कैंसर केयर के मूल दृष्टिकोण मरीजों के घर के करीब विशेषीकृत कैंसर देखभाल उपलब्ध कराने पर आधारित है। इसका उद्देश्य उपचार के दौरान बार-बार यात्रा से जुड़े लॉजिस्टिक, आर्थिक और भावनात्मक बोझ को कम करना है।

प्रो. डॉ. उन्नत पी पंडित ने कहा कैंसर की देखभाल केवल अस्पताल या सेंटर में दिए जाने वाले उपचार तक सीमित नहीं है। यह इस बात से भी जुड़ी है कि मरीज उस देखभाल तक कितनी आसानी से पहुँच सकते हैं और अपने पूरे उपचार के दौरान उसे कितनी निरंतरता के साथ प्राप्त कर सकते हैं। दिल्ली में हर वर्ष लगभग 30,000 नए कैंसर मामलों और करीब 15,000 कैंसर से संबंधित मौतों के साथ, तथा 2026 में नए मामलों की अनुमानित संख्या लगभग 35,000 तक पहुँचने की संभावना को देखते हुए, विशेषीकृत देखभाल की पहुँच को मजबूत करने की आवश्यकता स्पष्ट है।

कैंसर के उपचार में कई महीनों तक परामर्श, जाँच और कई उपचार सत्र शामिल हो सकते हैं, ऐसे में मरीजों के लिए उपचार की सुविधा का घर के करीब होना उनके पूरे उपचार अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। दिल्ली में कैंसर का बोझ लगातार महत्वपूर्ण बना हुआ है।

पिछले पाँच वर्षों में यह बोझ लगभग 13 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि दिल्ली पॉपुलेशन-बेस्ड कैंसरी रजिस्ट्री ने 2026 में लगभग 35,000 नए कैंसर मामलों का अनुमान लगाया था। इस क्षेत्र में जीवनकाल में कैंसर विकसित होने का जोखिम पुरुषों में लगभग छह में से एक और महिलाओं में सात में से एक अनुमानित है।

यह आँकड़े उपचार की बेहतर पहुँच के साथ-साथ रोकथाम और शुरूआती पहचान के प्रयासों को मजबूत करने की बढ़ती आवश्यकता को दर्शाते हैं।

कैंसर का यह बोझ पुरुषों और महिलाओं में अलग-अलग प्रकार के कैंसर के रूप में भी दिखाई देता है। दिल्ली में पुरुषों में फेफड़ों, ओरल कैविटी और प्रोस्टेट कैंसर मिलकर सभी कैंसर मामलों का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा हैं, जबकि महिलाओं में स्तन, सर्वाइकल और ओवेरियन कैंसर मिलकर लगभग 40 प्रतिशत कैंसर मामलों में योगदान देते हैं। वायु प्रदूषण, बदलती जीवनशैली तथा पर्यावरणीय और आहार संबंधी जोखिम जैसे कारक भी कैंसर के जोखिम को लेकर सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनते जा रहे हैं। पूसा रोड़ सेंटर, एनसीआर में एम।ओ।सी कैंसर केयर का चैथा सेंटर है और यह संगठन की दिल्ली में पाँच सेंटर स्थापित करने की व्यापक विस्तार योजना का हिस्सा है।

आगामी प्रीत विहार सेंटर से शहर में नेटवर्क की पहुँच और मजबूत होने की उम्मीद है।

भारत में 32 सेंटर्स और 62 ओंकोलॉजिस्ट्स के साथ एम।ओ।सी कैंसर केयर एक ऐसे जुड़े हुए नेटवर्क का निर्माण कर रहा है, जिसका उद्देश्य क्लिनिकल विशेषज्ञता को कम्युनिटी-बेस्ड कैंसर केयर की सुविधा के साथ जोड़ना है।

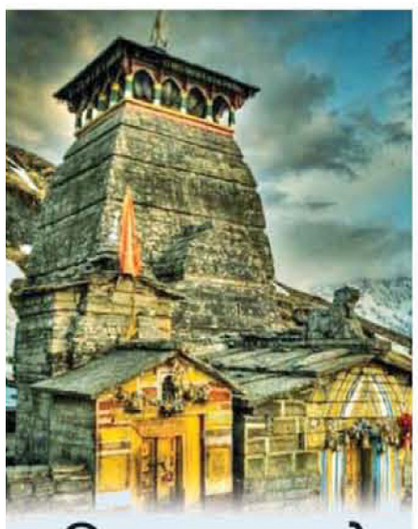
डॉ. तनवी सिंह, मेडिकल ओंकोलॉजिस्ट, एम।ओ।सी कैंसर केयर, पूसा रोड़ ने कहा कैंसर का उपचार करा रहे मरीजों के लिए उपचार का घर के करीब उपलब्ध होना एक महत्वपूर्ण अंतर पैदा कर सकता है। जब देखभाल घर के नजदीक उपलब्ध होती है, तो मरीज अपनी उपचार टीम के साथ बेहतर निरंतरता बनाए रख सकते हैं और बार-बार यात्रा के कारण होने वाली परेशानियों को कम कर सकते हैं। एम।ओ।सी में यह दृष्टिकोण ऐवीडेंस एंड बेस्ड ट्रीटमेंट, मल्टीडिसिप्लीनरी केयर और निरंतर सीखने पर हमारे फोकस से समर्थित है। यह विस्तार ऐसे समय में हुआ है जब कैंसर की रोकथाम और शुरूआती पहचान पर देशभर में अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

यूनियन हेल्थ मिनीस्ट्री द्वारा हाल ही में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और स्क्रीनिंग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिए जाने के बीच, एम।ओ।सी कैंसर केयर उपचार-केंद्रित कैंसर देखभाल से आगे बढ़कर रोकथाम, जागरूकता, स्क्रीनिंग और शुरूआती निदान पर अधिक जोर देने की दिशा में व्यापक बदलाव में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

अपने बढ़ते नेटवर्क के माध्यम से संगठन का उद्देश्य न केवल उपचार को, बल्कि शुरूआती पहचान और कैंसर की रोकथाम से जुड़े संवाद को भी समुदायों के लिए अधिक सुलभ बनाना है।

आदित्य बहादुर, चीफ ऑपरेटिंग ऑफीसर, नॉर्थ इंडिया, एम।ओ।सी कैंसर केयर ने कहा हमारे सेंटर्स ओंकोलॉजिस्ट्स के सामूहिक क्लिनिकल अनुभव को व्यापक, व्यक्तिगत और होलिस्टिक कैंसर केयर के साथ जोड़ते हैं और यह सुविधा उन समुदायों के और करीब उपलब्ध कराते हैं, जिनकी हम सेवा करते हैं। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और स्क्रीनिंग को मजबूत करने पर हालिया राष्ट्रीय फोकस के साथ, निवारक कैंसर देखभाल को केवल जागरूकता तक सीमित न रखकर जमीन पर अधिक सुलभ बनाना और भी महत्वपूर्ण हो गया है।





दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

भगवान शिव को देवों का देव महादेव भी कहा जाता है। भारत में उत्तर से दक्षिण तक शिव जी के कई मंदिर स्थित हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे ऊंचा शिव मंदिर कौन सा है? अगर नहीं तो आइए आज हम आपको इसके बारे में बताते हैं। दरअसल दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर उत्तराखंड में है, जिसे तुंगनाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है। तुंगनाथ भगवान शिव के पंच केदार में से एक है। उत्तराखंड में शिव जी के 5 प्राचीन और पवित्र मंदिर स्थित हैं, जिन्हें पंच केदार कहा जाता हैं। आइए भगवान शिव के सबसे ऊंचे मंदिर से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें जानते हैं। साथ ही जानेंगे कि इस मंदिर का महाभारत के अर्जुन से क्या संबंध है। तुंगनाथ मंदिर 3,680 मीटर यानी 12,073 फीट की ऊंचाई पर चन्द्रनाथ नाम के पर्वत पर मौजूद है। यह उत्तराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। तुंगनाथ का शाब्दिक अर्थ चोटियों के भगवान है। इस मंदिर का इतिहास महाभारत काल जितना पुराना बताया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, तुंगनाथ मंदिर की नींव महाभारत के अर्जुन द्वारा रखी गई थी।

तुंगनाथ मंदिर और महाभारत से जुड़ी पौराणिक कथा

एक प्रचलित कथा के अनुसार, तुंगनाथ मंदिर के निर्माण को लेकर मान्यता है कि हजारों साल पहले पांडव भाइयों ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए एक मंदिर की स्थापना की थी। दरअसल, महाभारत के युद्ध में पांडवों ने अपने ही भाइयों और गुरुओं का वध किया था। ऐसे में पांडवों पर अपने ही रिश्तेदारों की हत्या का पाप था, इसलिए ऋषि व्यास ने पांडवों से कहा कि वह तभी पाप मुक्त हो सकते हैं, जब भगवान शिव खुद उन्हें माफ करेंगे। इसके बाद पांडवों ने शिव जी की तलाश शुरू कर दी और वे हिमालय जा पहुंचे। बहुत परिश्रम के बाद भोलेनाथ एक भैंस के रूप में दर्शन देते हैं। हालांकि, इसके बाद भी भगवान शिव ने उन्हें टाल दिया क्योंकि पांडव दोषी थे। तब शिव जी भूमिगत हो गए और बाद में उनके शरीर यानी भैंस के पांच अंग अलग-अलग जगहों पर उठ गए। इन पांचो जगहों पर पांडवों ने शिव मंदिर बनवाएं। इन पंच केदार के प्रत्येक मंदिर को भगवान शिव के शरीर के एक अंग के साथ पहचाना जाता है। तुंगनाथ पंच केदार में से तीसरा (तृतीय केदार) है, जहां भगवान शिव के हाथ मिले थे। इसी के आधार पर मंदिर का नाम भी रखा गया। तुंग का अर्थ हाथ और नाथ भगवान के संदर्भ में कहा गया है। यह जगह बेहद ठंडी है। सर्दियों के मौसम में यह बर्फ की चादर में ढक जाती है और तापमान इतना गिर जाता है कि इस दौरान मंदिर बंद कर दिया जाता है। इस दौरान देवता की प्रतीकात्मक मूर्ति और पुजारियों को मुख्य मंदिर से 19 किलोमीटर दूर मुक्कुमठ में ले जाया जाता है। हालांकि अप्रैल से नवंबर माह के बीच मुख्य मंदिर में ही पूजा और दर्शन किए जाते हैं।



अजीबोगरीब रहस्यमयी वनस्पतियाँ, विज्ञान भी आज तक नहीं लगा पाया है पता

हमारी दुनिया बहुत ही अजीबोगरीब रहस्यों से भरी हुई है जिसमे तरह-तरह के जीव और वनस्पतियाँ मौजूद है. इनमें से कई सारे रहस्य तो ऐसे है जिसके बारे में विज्ञान भी आज तक पता नहीं लगा पाया है.

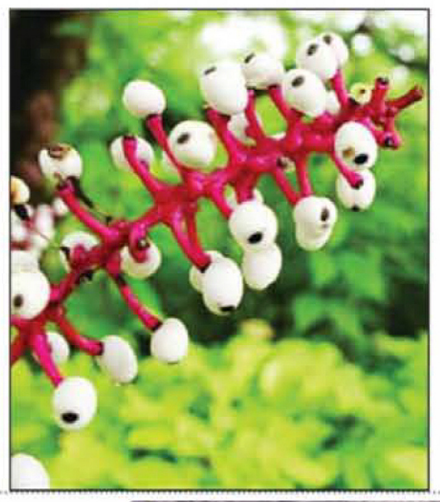
रैफ्फलेशिया



रैफ्फलेशिया फ्लावर दुनिया में मौजूद सबसे बड़े, सबसे वजनदार और सबसे बदबूदार फूलों में से एक है. यह फ्लावर आमतौर पर मलेशिया और इंडोनेशिया में पाया जाता है. इन दोनों देशों के अलावा यह फूल फिलीपींस में भी पाया जाता है. रैफ्फलेशिया पौधे के फूल दुनिया में मौजूद लगभग सभी फूलों में से बड़े होते है. यह एक परजीवी पौधा है इसमें पते और तने नहीं होती है. यह एक ऐसा पौधा है जिसका मात्र फूल ही ज़मीन के बहार दिखाई देता है बाकी का हिस्सा ज़मीन के अन्दर ही होता है. रैफ्फलेशिया पौधे के फूल का व्यास करीब 105 सेमी होता है वहीं वजन करीब 11 किलोग्राम होता है. इसके फूल पर 5 पंखडिया होती है. यह फूल खिलने के लिए 9 से 10 महीने का समय लेता है और 5 से 7 दिनों तक ही जीवित रहता है.

Dolls Eyes Plant

Dolls Eyes Plant नामक यह पौधा डॉल्स की आँखों की तरह दीखता है इसकी वजह इसका नाम Dolls Eyes Plant रखा गया है. यह पौधा अमेरिका और कनाडा में पाया जाता है. यह पौधा लगभग 3 फिट तक बढ़ता है. इसके फल बहुत ही जहरीले होते है जो हमको मौत की नींद सुला सकता है पर कई सारे पक्षी इसके फल को बिना कोई परेशानी के हजम कर सकते है.



Bleeding Tooth Fungus



यह पौधा देखने में ही बहुत ही ज्यादा घटिया और सबसे विचित्र दिखता है. इसको देखने पर एसा लगता है की किसी के दाँत पर से खून बहे रहा है इसी वजह से इसका नाम Bleeding Tooth Fungus रखा गया है. वैसे तो यह पौधा जहरीला नहीं होता है पर बहुत ही ज्यादा कडवा होता है. इसके पौधे उत्तरी अमेरिका, ईरान, दक्षिण कोरिया और यूरोप में पाए जाते है.

वीनस फ्लाईट्रैप



वीनस फ्लाईट्रैप एक शिकारी पौधा है जो अमेरिका के पूर्वीय तटों में और उत्तर दक्षिण कैरोलिन में पाया जाता है. इसके पत्ते दो भाग में बटे हुए होते है और दोनों के मध्य में एक उभार होता है. यह शिकारी पौधा देखने में तो बहुत ही खूबसूरत दीखता है पर हर किसी के लिए बुरा साबित होता है खास करके कीडेमकोडो के लिए. यदि इसके पत्ते पर कोई भी कीड़े मकोड़े बैठते है तो यह तुरंत ही इसको पकड़ लेता है और अंदर खींच लेता है इसके बाद इसकी बॉडी के सारे न्यूट्रीशनल एंजाइम यह पौधा सोख लेता है और इसके बाद फिर से खिलता है. इसी लिए तो इसको शिकारी पौधा कहते है.



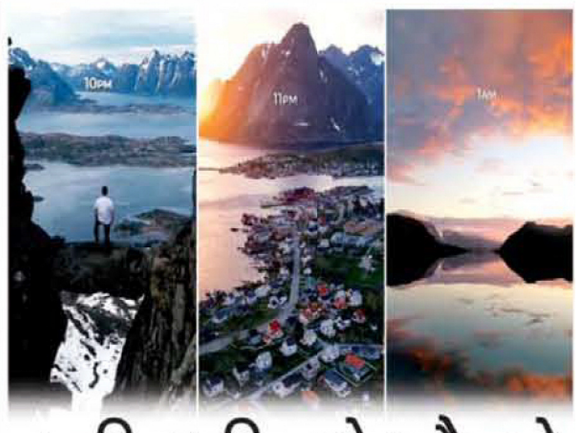
डांसिंग पौधा

आपने म्यूजिक की धुन पर इन्सानों को नाचते तो ज़रुर देखा होगा लेकिन ऐसे पौधे को नहीं देखा होगा जो गानों की धुन पर नाचता हो. जी, हाँ यह पौधा म्यूजिक की धुन सुनते ही नाचने लगता है, इसी वजह से इस पौधे को डांसिंग पौधा कहा जाता है. एवरग्रीन फारेस्ट में पाए जाने वाला यह पौधा गानों की वाइब्रेशन को फील कर सकता है जो करीब 100 मीटर तक बढ़ सकता है.

The Corpse Flower

यह फूल इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप में पाया जाता है जो 7 से 10 सालों में सिर्फ कुछ ही घंटो के लिए खिलता है. पर यह जब भी खिलता है तब इसको देखकर सारे लोग चकित हो जाते है क्योंकि यह तकरीबन 8 से 10 मीटर लम्बा और काफी सुंदर होता है. यह फूल सीधा ज़मीन के अन्दर से ही निकलता है ना इसका कोई पौधा होता है और नाही कोई पेड़ होता है. यह कोई सुगन्धित फूल नहीं है बल्कि एक बदबूदार फूल है फिर भी इसको देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते है.





जानिए दुनिया के कौन से ऐसे देश हैं जहां आधी रात में भी चमकता है सूरज

दुनिया में कुछ देश ऐसे भी देश हैं , जहां दिन के बाद रात और रात के बाद दिन का कोई क्रम नहीं चलता है। आइए, आपको बताते हैं कुछ ऐसे ही देशों के बारे में जहां कई दिनों तक सिर्फ दिन ही रहता है और रात नहीं होती है

फिनलैंड

फिनलैंड को झीलों का देश भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर कुल 1,87,888 झीलें हैं7 फिनलैंड में सूरज 23 घंटे उगता है और फ़िनलैंड की कुछ जगहें ऐसी भी हैं जहाँ पर गर्मी के दौरान 73 दिनों तक सूर्य लगातार चमकता रहता है7 हजारों झीलों और आइलैंड्स से सजा हुआ यह देश काफी सुंदर और आकर्षक है, और पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करता है।

नॉर्वे

नार्वे पहाड़ों से घिरा हुआ देश है। नार्वे को 'लैंड ऑफ द मिडनाइट सन' के नाम से पुकारा जाता है इसको इस नाम से पुकारने का कारण यह है कि यहां मई महीने के मध्य से जुलाई महीने के अंत तक यानि कि लगभग 76 दिन तक सूरज पूरी तरह से नहीं छिपता है। अर्थात रात में भी पूरी तरह से अंधेरा नहीं होता है। बल्कि काफी उजाला रहता है इसके उत्तरी हिस्सों में गर्मी के दो महीने तो सूर्य छिपता ही नहीं है केवल हल्का सा अंधेरा छा जाता है जैसे कि हमारे यहां शाम को सूर्य छिपने के समय होता है।

आइसलैंड

आइसलैंड ग्रेट ब्रिटेन के बाद यह यूरोप का सबसे बड़ा आईलैंड है।यहां आप रात के समय में भी सूरज की रोशनी का आनंद ले सकते हैं। यहां 10 मई से जुलाई के अंत तक सूरज लगातार चमकता रहता है। यहां घूमना आपके लिए काफी रोचक साबित हो सकता है। आइसलैंड में आप आधी रात को भी सूरज की रोशनी का आनंद ले सकते हैं।

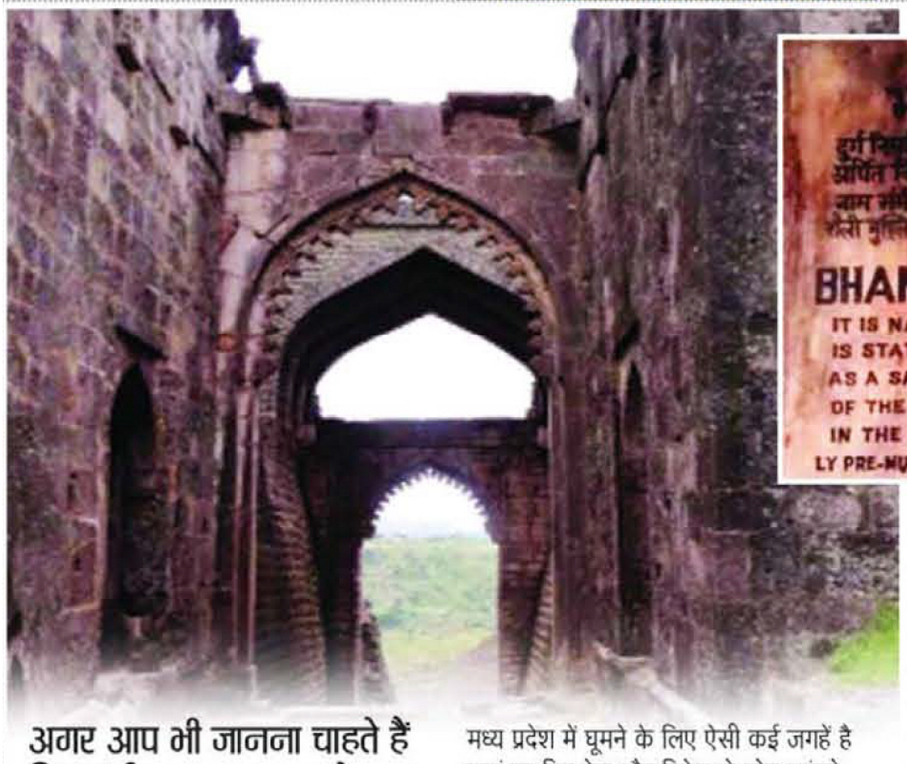
कनाडा

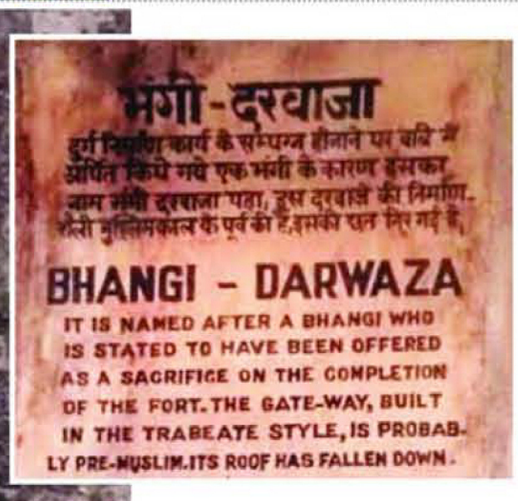
कनाडा क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है। कनाडा वर्ष के कई दिनों तक बर्फ से ढका रहता है7 यहां गर्मी के मौसम में 50-50 दिनों तक सूरज नहीं डूबता है अर्थात इन दिनों में यहां रात का अंधेरा देखने को नहीं मिलता है।

अलास्का

अलास्का अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है यहां की सूरज की रोशनी इसको भी ज्यादा खूबसूरत बना देती है। यहां मई से जुलाई के बीच में सूरज नहीं डूबता है। अलास्का अपने खूबसूरत ग्लेशियर के लिए जाना जाता है। मई से लेकर जुलाई के महीने में बर्फ चमकना यहां का मुख्य आकर्षण का केंद्र है। यहां रात के करीब 12:30 बजे सूर्यास्त होता है और 51 मिनट के बाद फिर से सूर्य उदय हो जाता है ।







क्यों इतना प्रचलित है भांगी दरवाजा, जाने इससे जुड़े कुछ मिथक और इतिहास

अगर आप भी जानना चाहते हैं कि भांगी दरवाजा इतना फेमस क्यों है तो आपको इस लेख को ज़रूर पढ़ना चाहिए।

मध्य प्रदेश में घूमने के लिए ऐसी कई जगहें है जहां हर दिन देश और विदेश से लोग पहुंचते रहते हैं। इस राज्य में ऐसे कई प्राचीन और मध्यकालीन फोर्ट, महल और स्मारक भी है जिन्हें देखने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंचते हैं। मध्य प्रदेश में मौजूद स्मारकों में भंगी दवाजा भी शामिल है जो एक नहीं बल्कि कई दिलचस्प कहानियों के लिए फेमस है। इस लेख में हम आपको भांगी दरवाजा से जुड़ी उन सभी दिलचस्प कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में शायद आप भी नहीं जानते होंगे।

किस जगह है भांगी दरवाजा

अगर आप मध्य प्रदेश घूमने के लिए गए होंगे तो फिर मांडू शहर में ज़रूर घूमने के लिए गए होंगे। अगर आप मांडू शहर घूमने के लिए नहीं गए हैं तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भांगी दरवाजा मांडू शहर में ही मौजूद है। इस शहर में ऐसे कई प्राचीन और मध्यकालीन फोर्ट, महल और स्मारक है जो किसी न किसी कारण फेमस है। मांडू में मौजूद जहाज महल, रूपमती महल, बहादुर का महल, दारा खान का मकबरा और हिंडोला महल महल के अलावा ऐसी कई जगहें हैं जो किसी न किसी वजह से सैलानियों के बीच फेमस हैं। एक अन्य तथ्य है कि यहां एक व्यक्ति ने बलिदान दिया था इसलिए दरवाजा उसके शौर्य का प्रतीक माना जाता है।

भांगी दरवाजा क्यों पड़ा इसका नाम?

इस दरवाजा का नाम भांगी क्यों पड़ा इसके पीछे एक नहीं बल्कि कई दिलचस्प कहानी है। कुछ लोगों का मानना है कि इस दरवाजे का निर्माण करते समय भांगी समाज के एक व्यक्ति की बलि चढ़ाई गई थी, इसलिए इस दरवाजे का नाम भांगी दरवाजा पड़ा। एक अन्य कहानी है कि इसके निर्माण के समय इसका नींव यानी पत्थर किसी भांगी व्यक्ति ने रखा था इसलिए इसका नाम भांगी दरवाजा पड़ा। कहा जाता है कि भांगी दरवाजा मांडू शहर के साथ-साथ मध्य प्रदेश का सबसे पुराना और सबसे बड़े दरवाजे में से एक है। इस दरवाजे का निर्माण लिंटर शैली में किया गया है। हालांकि, इस दरवाजे के कुछ हिस्से टूट चुके है।

क्या सच में डरावना दरवाजा है?

भंगी दरवाजा को लेकर कई डरावनी कहानी भी है। कई लोगों का मानना है कि रात के समय इस दरवाजे के आसपास कोई भी अकेले घूमने के लिए नहीं जाता है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि जो लोग इस दरवाजा को डरावनी जगह बताते हैं वो सिर्फ कहानी है और असल को यह दरवाजा डरावना नहीं है। कहा जाता है कि आज भी कुछ भांगी समाज के लोग इस दरवाजे के आसपास में रहते हैं।



'खतरों के खिलाड़ी 15' से जल्दी बाहर होने का दर्द अब भी दिल में है : अविका गौर



मुंबई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेत्री अविका गौर ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होतीं, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं। हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेनालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है। अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है। उन्होंने लिखा कि मैंने 'खतरों के खिलाड़ी' देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूं कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती। अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं 'खतरों के खिलाड़ी' की एक्सपर्ट बन गई हूं। लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूं। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कैल्शियम बेहद जरूरी



- रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया में भी कैल्शियम की भूमिका
- दूध से बने उत्पाद जैसे दही और पनीर कैल्शियम के अच्छे स्रोत

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है और कैल्शियम उनमें से एक बेहद जरूरी खनिज है। आमतौर पर कैल्शियम का नाम सुनते ही सबसे पहले हड्डियों और दांतों का ख्याल आता है, लेकिन इसकी भूमिका सिर्फ इतनी ही नहीं है। इसलिए रोज की डाइट में पर्याप्त कैल्शियम लेना जरूरी है।

कैल्शियम हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में मौजूद कैल्शियम का बड़ा हिस्सा हड्डियों और दांतों में संग्रहित रहता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों के सही तरीके से काम करने में मदद करता है। दिल की सामान्य धड़कन और रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया में भी कैल्शियम की भूमिका होती है। कैल्शियम की जरूरत सिर्फ बच्चों को बढ़ती हड्डियों के लिए नहीं, बल्कि हर उम्र के व्यक्ति को होती है। उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए भी पर्याप्त कैल्शियम और संतुलित आहार जरूरी है।

कैल्शियम पाने के लिए हमेशा सप्लीमेंट की जरूरत हो, ऐसा नहीं है। संतुलित डाइट के जरिए भी इसे हासिल किया जा सकता है। दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही और पनीर कैल्शियम के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

इसके अलावा सोयाबीन, बादाम, दालें, अंजीर, मूली, गाजर और हरी पत्तेदार सब्जियों को भी अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। अलग-अलग खाद्य पदार्थों को मिलाकर खाने से डाइट ज्यादा पौष्टिक और संतुलित बनती है।

सिर्फ कैल्शियम खाना ही काफी नहीं है। शरीर कैल्शियम को अच्छी तरह अवशोषित कर सके, इसके लिए विटामिन-डी भी महत्वपूर्ण है। इसलिए कैल्शियम युक्त भोजन के साथ विटामिन-डी के पर्याप्त स्रोतों और स्वस्थ जीवनशैली पर भी ध्यान देना चाहिए।

आम तौर पर वयस्कों के लिए कैल्शियम की दैनिक आवश्यकता लगभग 1.0 से 1.5 ग्राम प्रतिदिन बताई जाती है। हालांकि वास्तविक जरूरत उम्र, लिंग और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। इसलिए अपनी व्यक्तिगत जरूरत के लिए डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह लेना बेहतर है।

अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन दिल्ली (एनसीटी) में 20,000 छात्राओं को देगा स्कॉलरशिप



नोएडा 30 अगस्त (देशबन्धु)। अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन ने आज दिल्ली (एनसीटी) के लिए अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप शुरू करने का ऐलान किया है। इस साल दिल्ली में 20,000 तक छात्राओं को आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए इस स्कॉलरशिप से मदद मिलेगी। स्कॉलरशिप के लिए चुनी गई हर छात्रा को हर साल 30,000 रुपये दिए जाएँगे। यह राशि कॉलेज के पहले साल से लेकर छात्राओं की स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पूरा होने तक दी जाएगी। कोर्स पूरा करने के समय के मुताबिक किसी भी छात्रा को दो से पाँच साल तक यह स्कॉलरशिप मिल सकती है। इस तरह छात्रा को पढ़ाई पूरी होने तक अधिकतम कुल 1.5 लाख रुपये तक मिल सकते हैं। इस राशि का इस्तेमाल कॉलेज की फीस और पढ़ाई से जुड़े दूसरे खर्चों के लिए किया जा सकता है। यह स्कॉलरशिप 2024 में शुरू की गई थी। आज 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्कूल की पढ़ाई पूरी करने वाली छात्राएँ इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली (एनसीटी), झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं।

पीठ से जुड़ी परेशानियों में राहत दिलाएगा शलभासन

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। आजकल लंबे समय तक कुर्सी पर बैठकर काम करना, मोबाइल पर झुककर रहना और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण कमर और पीठ से जुड़ी परेशानियां आम होती जा रही हैं। ऐसे में योग शरीर को एक्टिव रखने का एक आसान तरीका हो सकता है। योग के कई आसनों में शलभासन (लोकस्ट पोज) को खास माना जाता है। यह आसन मुख्य रूप से पीठ, जांघों और हिप्स की मांसपेशियों को सक्रिय करता है। शलभासन देखने में भले ही आसान लगे, लेकिन इसे करते समय शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं। इस आसन में पेट के बल लेटकर पैरों को ऊपर उठाने का प्रयास किया जाता है। इससे पीठ और कमर के आसपास की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। यही वजह है कि इसे बैक स्ट्रेंथ बढ़ाने वाले योगासनों में शामिल किया जाता है। नियमित और सही तरीके से शलभासन का अभ्यास करने से पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। जिन लोगों को हल्का लोअर बैक दर्द या साइटिका जैसी समस्या रहती है, उनके लिए भी यह आसन उपयोगी हो सकता है, हालांकि किसी भी तरह के गंभीर दर्द या चोट की स्थिति में इसे खुद से करने के बजाय विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है। शलभासन के दौरान पैरों को ऊपर उठाने से जांघों और हिप्स की मांसपेशियों पर भी काम होता है। नियमित अभ्यास शरीर के निचले हिस्से को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।

कजरी तीज की पूजा आज

वैवाहिक सुख और अखंड सौभाग्य के लिए महिलाएं रखती हैं व्रत



नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हिंदू धर्म में पंचांग का काफी महत्व होता है। कोई शुभ काम, यात्रा, निवेश या पूजा-पाठ करने से पहले पंचांग जरूर देखा जाता है। पंचांग हिंदू काल-गणना पद्धति है जो सूर्य, चंद्रमा और अन्य ग्रहों की स्थिति पर आधारित है।

31 अगस्त 2026 (सोमवार) को भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतिया तिथि सुबह 8:51 बजे तक रहेगी। इसके बाद चतुर्थी शुरू हो जाएगी। इस दिन कजरी तीज का व्रत रखा जाएगा। इस दिन वैवाहिक सुख और अखंड सौभाग्य के लिए माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है। उदया तिथि के आधार पर कजरी तीज का त्योहार 31 अगस्त को मनाया जाएगा। सोमवार को सुबह 6:12 बजे सूर्योदय और शाम 6:41 बजे सूर्यास्त होगा। वहीं, रात 8:36 बजे चंद्रोदय और अगले दिन सुबह 9:48 बजे चंद्रास्त होगा। पंचांग के अनुसार, 31 अगस्त 2026 को सूर्य पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में रहेगा, जबकि चंद्रमा रेवती नक्षत्र में रहेगा। सोमवार को हर्षण योग नहीं रहेगा, बल्कि इस दिन गंड योग प्रभावी रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12:02 बजे से 12:52 बजे तक रहेगा। यह दिन का सबसे शुभ समय माना जाता है। अमृत काल रात 1:00 से रात 2:35 बजे तक रहेगा। वहीं, राहुकाल सुबह 7:46 बजे से 9:19 बजे और गुलिक काल दोपहर 2:00 से 3:34 बजे तक रहेगा।

मिशन रंगीन मछली 2031 : सजावटी मछली पालने को मिलेगा बढ़ावा



- करीब 50 लाख मछुआरों की आजीविका का आधार
- लक्षद्वीप के द्वीप समुद्री सजावटी मत्स्य संसाधनों से समृद्ध

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार सजावटी मछली पालन के विस्तार के लिए रणनीतिक कार्ययोजना 'मिशन रंगीन मछली 2031' सोमवार को जारी करेगी। यह सजावटी मत्स्य पालन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में वैज्ञानिक प्रबंधन, जैव-सुरक्षा, गुणवत्ता आश्वासन और नियामक अनुपालन के लिए एक समान रूपरेखा प्रदान करेगी। यह जानकारी सोमवार को मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई। मंत्रालय ने बताया कि लक्षद्वीप में एक एक आउटरीच कार्यक्रम के तहत उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन 31 अगस्त, 2026 को सजावटी मत्स्य पालन के विकास के लिए रणनीतिक कार्ययोजना 'मिशन रंगीन मछली 2031' जारी करेंगे।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सरकार मत्स्य पालन क्षेत्र में एकीकृत और मूल्य श्रृंखला-आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण अपना रही है। इसी रणनीति के अनुरूप, लक्षद्वीप को समुद्री शैवाल की खेती, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और बाजार संपर्क को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित समुद्री शैवाल क्लस्टर के रूप में अधिसूचित किया गया है।

लक्षद्वीप के द्वीप समुद्री सजावटी मत्स्य संसाधनों से भी समृद्ध हैं, जो समुद्री इकोसिस्टम के संरक्षण के साथ-साथ सतत पालन, निर्यात और आजीविका सृजन की महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रदान करते हैं।

यह कार्ययोजन मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) ब्रूडस्टॉक प्रबंधन, प्रजनन, हैचरी संचालन, उत्पादन प्रणालियों, क्वारंटीन, स्वास्थ्य प्रबंधन, ट्रेसेबिलिटी, एक्वेरियम संचालन, हैंडलिंग, परिवहन और व्यापार से संबंधित प्रक्रियाओं को मानकीकृत करेंगी। इससे पूरे देश में कार्यप्रणालियों में एकरूपता सुनिश्चित होगी और सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को अपनाने को बढ़ावा मिलेगा।

भारत लगभग 11,099 किलोमीटर लंबी तटरेखा और करीब 24 लाख वर्ग किलोमीटर के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजैड) से समृद्ध विशाल एवं विविध समुद्री संसाधन आधार वाला देश है। भारत के ईईजैड में समुद्री मत्स्य संसाधनों की संभावित क्षमता लगभग 58.6 लाख मीट्रिक टन आंकी गई है, जो करीब 50 लाख मछुआरों की आजीविका का आधार है और खाद्य सुरक्षा, पोषण, रोजगार, आय सृजन तथा निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

भारत वर्तमान में विश्व के प्रमुख मत्स्य पालन और जलीय कृषि उत्पादक देशों में शामिल है और वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग 73,890 करोड़ रुपए मूल्य के समुद्री खाद्य पदार्थों का निर्यात किया गया। मंत्रालय के मुताबिक, अधिकांश मछली पकड़ने की गतिविधियां तट से 40-50 समुद्री मील के दायरे में केन्द्रित हैं, जबकि अधिक गहरे समुद्री क्षेत्रों और राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से बाहर के क्षेत्रों में उच्च-मूल्य वाली प्रजातियों, विशेष रूप से टूना और टूना जैसी प्रजातियों, के दोहन की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं।

उत्तराखंड में है 'छोटा अमरनाथ', सर्दियों में खुद बनता है बर्फ का शिवलिंग

उत्तराखंड, 30 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पहाड़ों और रंगीन वादियों का कण-कण शिवमय है। चमोली जिले की नीति घाटी में स्थित टिम्मरसैंण महादेव गुफा ऐसा ही एक रहस्यमयी धाम है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इस गुफा को उत्तराखंड का 'छोटा अमरनाथ' भी कहा जाता है। सर्दियों में बर्फबारी के दौरान प्राकृतिक शिवलिंग के दर्शन होते हैं, जबकि मई से अक्टूबर के बीच का समय यहां की सुंदर वादियों और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल माना जाता है। शनिवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने मंदिर की भव्यता का बखान करने के साथ-साथ मंदिर के बारे में दिलचस्प बातें भी बताईं।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंदिर का भव्य वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'चमोली जिले की नीति घाटी में मौजूद टिम्मरसैन महादेव गुफा आस्था, अध्यात्म और प्रकृति का एक शानदार संगम है। गुफा के अंदर बर्फ से शिवलिंग का प्राकृतिक रूप बनने से इसका खास धार्मिक महत्व है। चमोली जिले में आने पर, इस पवित्र जगह पर जरूर जाएं। 'टिम्मरसैंण महादेव गुफा' गढ़वाल हिमालय के सबसे पवित्र और सबसे कम खोजे गए शिव मंदिरों में से एक है। यह दिव्य गुफा मंदिर अपने शांत माहौल, कुदरती खूबसूरती और आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए जाना जाता है।

लेटे हनुमान जी को मां गंगा ने कराया स्नान



वाराणसी से भागलपुर तक के कई इलाके डूबे

प्रयागराज, 30 अगस्त (एजेंसियां)। गंगा और यमुना के जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी से दशाश्वमेध घाट समेत कई प्रमुख घाट डूब गए हैं। दारागंज-नागवासुकी इलाके में यातायात प्रभावित हुआ है। फिलहाल दोनों नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। रविवार को मां गंगा ने बड़े हनुमान जी को स्नान करा दिया है। इस दौरान भव्य आरती की गई। गंगा और यमुना के जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी होने को लेकर स्थानीय निवासी संदीप ने कहा कि पानी काफी तेजी से बढ़ रहा है। लोग अपने सामना हटा रहे हैं। एक-दो दिन में पानी काफी तेजी से बढ़ा है। अभी सड़क पर पानी है, घरों में घुसने की आशंका बढ़ गई है। हम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक और शख्स ने कहा कि हर वर्ष जलस्तर में बढ़ोत्तरी होती है। माघ मेले के दौरान बनी रिंग रोड डूब गई है। वहां रहने वालों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जैसे-जैसे पानी बढ़ता है, वैसे-वैसे सब्जी मंडी आगे बढ़ती रहती है और दारागंज थाने तक पहुंच गई है।

स्थिति ऐसी हो जाती है कि जो मकान बने हैं, फर्स्ट फ्लोर और सेकेंड फ्लोर पानी में डूब जाते हैं। आवागमन के लिए लोग नाव का इस्तेमाल करते हैं। प्रशासन की ओर से भी पूरी तरह से सहयोग किया जाता है। वहीं, वाराणसी में भी गंगा का जलस्तर हर घंटे 4 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है और यह 68.94 मीटर तक पहुंच गया है, जो 71.26 मीटर के खतरे के निशान के करीब है। सभी 84 घाट पानी में डूब गए हैं, जिसके चलते अधिकारियों ने बाढ़ से निपटने की तैयारी और निगरानी बढ़ा दी है।

बिहार के भागलपुर जिले में भी गंगा का पानी शहरी इलाकों तक पहुंच गया है। जिले में मंदिर परिसर डूब गया है। भागलपुर आपदा प्रबंधन के एडीएम कुंदन कुमार ने बताया कि कल से जहाज का इस्तेमाल किया जाएगा। बीच में जो गाद बच गई है, उसके लिए भी बातचीत की जा रही है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सभी इंजीनियर अभियंताओं की ओर से कैंप किया जा रहा है। सभी प्रशासनिक अधिकारी भी कैंप कर रहे हैं।

जेब में सिर्फ 50 रुपए, और लिख दिया अमर ग्रंथ

शिवाजी सांवत ऐसे बने 'मृत्युंजयकार'



नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। शिवाजी गोविंदराव सावंत का जन्म 31 अगस्त 1940 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के एक छोटे से गांव आजरा में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अपनी माता से कथा-कीर्तन और पौराणिक कहानियां सुनने को मिलती थीं। आर्थिक तंगी के कारण उनका प्रारंभिक जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण रहा। युवावस्था में एक उत्कृष्ट कबड्डी खिलाड़ी रहे शिवाजी सावंत ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत अदालत में एक साधारण क्लर्क के रूप में की। अपनी कला को निखारने और पुस्तकालयों के निकट रहने के लिए, उन्होंने कोल्हापुर की राजाराम प्रशाला में 1962 से 1974 तक एक शिक्षक के रूप में कार्य किया। बाद में वे पुणे चले गए, जहां उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के शिक्षा विभाग की पत्रिका 'लोकशिक्षण' के सह-संपादक और फिर संपादक के रूप में कार्य किया।

शिवाजी सावंत की लेखनी का सबसे उज्ज्वल नक्षत्र उनकी कादंबरी (उपन्यास) 'मृत्युंजय' है, जो 1967 में प्रकाशित हुई थी। महाभारत के उपेक्षित किन्तु महान योद्धा कर्ण के जीवन पर आधारित इस उपन्यास को लिखने में उन्हें पूरे सात वर्ष का तप करना पड़ा। अपनी एफवाईबीए परीक्षा की तैयारी के दौरान प्रसिद्ध कवि केदारनाथ मिश्र 'प्रभात' द्वारा रचित हिंदी खंडकाव्य 'कर्ण' पढ़ने के बाद उनकी यह प्रेरणा और भी प्रगाढ़ हो गई। कोल्हापुर की एक पुलिस चॉल में अपने बड़े भाई विश्वासराव के साथ रहते हुए उन्होंने इस उपन्यास का लेखन पूरी तरह गुप्त रखा था। इसे प्रामाणिक बनाने के लिए उनका समर्पण इतना गहरा था कि उन्होंने कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान का प्रत्यक्ष अनुभव करने का निश्चय किया। उस समय उनकी जेब में केवल 50 रुपए (जिन्हें वे 'गिन्या' कहते थे) थे, लेकिन अपनी धुन के पक्के शिवाजी सावंत ने उसी सीमित धनराशि के साथ कुरुक्षेत्र की यात्रा की और वहां की भौगोलिक स्थिति का गहराई से अध्ययन किया। 'मृत्युंजय' में उन्होंने एक अनोखी आत्मकथात्मक शैली का प्रयोग किया। यह उपन्यास छह अलग-अलग पात्रों (कर्ण, कुंती, दुर्योधन, वृषाली, शोण और श्रीकृष्ण) के दृष्टिकोण से लिखे गए स्वगत कथनों का एक अद्भुत संकलन है। यह शैली कर्ण के चरित्र को एक मानवीय ऊंचाई प्रदान करती है, जो भाग्य और स्वतंत्र इच्छा के द्वंद्व को दर्शाती है। इसी कृति ने उन्हें साहित्य जगत में 'मृत्युंजयकार' की उपाधि से विभूषित किया।

शिवाजी सावंत केवल एक पौराणिक कथाकार नहीं थे। उन्होंने इतिहास और मनोविज्ञान को भी अपनी लेखनी से जीवंत किया। 1980 में प्रकाशित उनका उपन्यास 'छावा' छत्रपती संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक अत्यंत शक्तिशाली रचना है, जिसने पाठकों को मराठा साम्राज्य के इस वीर योद्धा के वास्तविक और मानवीय स्वरूप से परिचित कराया। इसका प्रभाव इतना व्यापक है कि 2025 में इसी पर आधारित एक हिंदी फिल्म का निर्माण हुआ, जिसने अपार व्यावसायिक सफलता प्राप्त की। वहीं, वर्ष 2000 में प्रकाशित 'युगंधर' में उन्होंने भगवान श्री कृष्ण को केवल एक ईश्वर के रूप में नहीं, बल्कि एक सिद्ध रणनीतिकार और मानवीय संवेदनाओं से भरे महानायक के रूप में प्रस्तुत किया।

मराठी साहित्य में उनके इस अप्रतिम योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। 1994 में उन्हें भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रतिष्ठित 'मूर्तिदेवी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। 18 सितम्बर 2002 को गोवा में 76वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष पद के लिए प्रचार करते समय हृदय गति रुकने से शिवाजी सावंत का आकस्मिक निधन हो गया था।

ओडिशा की मैथिली वेसालु ने फूलों की खेती से बनाई अपनी पहचान

मैथिली जंगल संरक्षण में दे रहीं अहम योगदान

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 137वें एपिसोड में नागालैंड की वेसालु पुरो और ओडिशा की मैथिली भुए का जिक्र किया। वेसालु ने फूलों की खेती के जरिए अपनी पहचान बनाई है, वहीं, मैथिली भुए जंगल के संरक्षण में अहम योगदान दे रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे गांव हो या शहर, हमारी नदियां हों या तीर्थस्थल। इनकी पहचान हमारे व्यवहार से भी बनती है। और जब स्वच्छता इस व्यवहार में शामिल हो जाती है, उस स्थान की शोभा और बढ़ जाती है। कभी-कभी हमारा एक छोटा सा शौक, जीवन में एक बड़ी संभावना का रास्ता खोल देता है। नागालैंड के फेक जिले की वेसालु पुरो की यात्रा भी कुछ ऐसी ही है।

पीएम मोदी ने कहा कि वेसालुलु किसान परिवार में पली-बढ़ीं। बचपन से



- जंगल के संरक्षण में जुड़ चुकी हैं 60 से अधिक महिलाएं
- जंगल का संरक्षण भी बना आजीविका का माध्यम

उन्होंने अपने माता-पिता को खेती करते देखा था और उन्हें खुद फूलों से बहुत लगाव था। साल 2021 में उन्होंने इसी शौक के साथ छोटे स्तर पर फूल उगाने की शुरुआत की। धीरे-धीरे उन्हें इसमें एक संभावना दिखाई देने लगी। उन्होंने देखा कि शादी-विवाह हों या फिर अन्य त्योहार, फूलों की मांग हमेशा बनी रहती है। वेसालु ने अपने इस शौक को आगे बढ़ाने का फैसला किया। इस सफर में उन्हें स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र से फूलों की वैज्ञानिक खेती की ट्रेनिंग मिली, फिर उन्होंने केवल एक चौथाई एकड़ जमीन पर ग्लेडियोलस के हजारों पौधे लगाए। पहले ही प्रयास में 5 हजार से ज्यादा फूल खिल उठे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सफलता वेसालु के लिए एक नई शुरुआत बन गई। उन्होंने फूलों की खेती को और आगे बढ़ाया। जो फूल कभी स्थानीय बाजार में रह जाते थे, आज वो नागालैंड से निकलकर दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों तक जा रहे हैं। वेसालु पुरो की यात्रा हमें बताती है कि शौक जब मेहनत और सही मार्गदर्शन से जुड़ जाता है, तो वह नई संभावनाओं का रास्ता खोल सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे आसपास ऐसे कई लोग हैं, जो एक छोटा सा प्रयास शुरू करते हैं और देखते-ही-देखते उनका प्रयास बहुत से लोगों के जीवन में बदलाव का रास्ता बना देता है। ओडिशा के देबरीगढ़ में एक गांव है 'धोड़रोकुसुम'। कुछ साल पहले तक इस गांव की मैथिली भुए लगभग हर दिन जंगल जाती थीं। कभी जलावन की लकड़ी लेने, कभी महुआ और केंदु पत्ता चुनने, तो कभी बांस की कोपलें और दूसरी वन उपज लाने। उनके और वहां के अनेक परिवारों की बहुत सी जरूरतें इसी जंगल से पूरी होती थीं, लेकिन फिर मैथिली जी देबरीगढ़ इको-टूरिज्म से जुड़ीं। यहां से जंगल के साथ उनका रिश्ता एक नई दिशा में बदल गया। अब जंगल का संरक्षण भी उनकी आजीविका का माध्यम बन गया। पीएम ने कहा कि मैथिली के जीवन में आए इस बदलाव ने दूसरी महिलाओं को भी प्रेरित किया। आज 60 से अधिक महिलाएं जंगल के संरक्षण में जुड़ चुकी हैं। कोई वन्य-जीवों की सुरक्षा का दायित्व संभाल रही है, कोई घास के मैदानों के विकास से जुड़ी है, तो कुछ महिलाएं इको-टूरिज्म गतिविधियों में योगदान दे रही हैं।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एचडीएफसी बैंक	2.08 प्रतिशत
एनटीपीसी	2.03 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.77 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.42 प्रतिशत
एचसीएल टेक्नो	1.37 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,46,010
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,76,900
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.98	93.91
पौंड स्टर्लिंग	132.57	127.89
यूरो	113.47	109.28
चीन युआन	15.12	13.39

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	6,036
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	6006.84

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7937.36
मसूर काली	8199.88
उड़द दाल	11241.40
मूंग दाल	10204.66
अरहर दाल	11378.80

सुधारों के लिए और अधिक समर्थन जरूरी : सीतारमण

शिकागो, 30 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2047 'विकसित भारत' का लक्ष्य वर्ष है और अब यह मुश्किल से 20 वर्ष दूर है। ऐसे में जिस गति और स्तर पर सुधार हो रहे हैं, उनके लिए कहीं अधिक समर्थन की जरूरत है। अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि हमें



■ भारत को प्रतिभाशाली व व्यापक अनुभव रखने वाले लोगों से अधिक समर्थन की जरूरत

प्रतिभाशाली और व्यापक अनुभव रखने वाले लोगों से अधिक समर्थन की जरूरत है। साथ ही, ऐसे लोगों का भी अधिक सहयोग चाहिए, जो देश को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार दे सकें।

उन्होंने शिकागो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कहा, 'हमें सबसे बढ़कर पूंजी के रूप में समर्थन की जरूरत है, जो किसी देश की सभी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बेहद आवश्यक है।'

वित्त मंत्री ने कहा कि हमने अपने लिए एक लक्ष्य तय किया है, जिसके तहत 2030 तक कर्ज को जीडीपी के 50 प्रतिशत के स्तर

हमने तय लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की है। 2025-26 तक जिस अंतिम लक्ष्य को हासिल करना था, हमने उसे हासिल कर लिया है : निर्मला सीतारमण

तक लाना है। उन्होंने कहा, 'सरकार इसी दिशा में कार्य कर रही है। कई ऐसी विकसित अर्थव्यवस्थाएं हैं, जिनका कर्ज अभी भी उनकी जीडीपी के 200 प्रतिशत से अधिक है। हमने राजकोषीय घाटे को लेकर भी राजकोषीय अनुशासन का एक रास्ता तय किया है। हमने तय लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की है। 2025-26 तक जिस अंतिम लक्ष्य को हासिल करना था, हमने उसे हासिल कर लिया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि दुनिया ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की राजकोषीय सूझबूझ देखी है।

वित्त मंत्री सीतारमण की मोंडेलेज के सीओओ लुका से मुलाकात, भारत में कंपनी के विस्तार योजनाओं पर चर्चा



नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोंडेलेज इंटरनेशनल के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) लुका जारामेला से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने भारत में कंपनी के उत्पादन, सोर्सिंग, सेवाओं और निर्यात को विस्तार देने के अवसरों पर चर्चा की है। वित्त मंत्रालय की ओर से एक्स पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, यह बैठक अमेरिका के शिकागो में हुई। बैठक में भारत में मोंडेलेज की मजबूत और बढ़ती उपस्थिति, विनिर्माण और बुनियादी ढांचे में इसके निरंतर निवेश और देश में अपने परिचालन का विस्तार करने के अवसरों पर चर्चा हुई। वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत में कंपनी के विश्वास का स्वागत किया और देश की कुशल प्रतिभा, बढ़ती विनिर्माण क्षमताओं और विकसित हो रहे सप्लाई-चेन इकोसिस्टम पर प्रकाश डाला। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये कारक वैश्विक कंपनियों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सेवाएं देने के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। वित्त मंत्री ने नियामकीय सरलीकरण, डिजिटलीकरण और बेहतर बुनियादी ढांचे के माध्यम से कारोबार करने में आसानी और लागत में सुधार पर सरकार के निरंतर फोकस पर भी प्रकाश डाला। मंत्रालय ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य वैश्विक कंपनियों को भारत में अपने दीर्घकालिक निवेश को और गहरा करने में सक्षम बनाना है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत वैश्विक विनिर्माण और सप्लाई-चेन हब के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने और बहुराष्ट्रीय कंपनियों से अधिक निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है।

भारत के लिए बड़े पेट्रोल निर्यात गंतव्य के रूप में उभरा रूस



■ शिपमेंट करीब एक मिलियन बैरल पहुंची

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के लिए रूस एक बड़े पेट्रोल निर्यात गंतव्य के रूप में उभरा है और बीते दो महीने में देश ने करीब एक मिलियन बैरल की शिपमेंट की है। इसकी वजह रूसी रिफाइनरियों पर यूक्रेन की ओर से लगातार हमले करना है, जिससे रूस को घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पेट्रोल को आयात करना पड़ रहा है। यह जानकारी शिप-ट्रैकिंग फर्म वोर्टेक्सा की रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में रूस का समुद्री रास्ते से होने वाला पेट्रोल आयात बढ़कर रिकॉर्ड 470,000 टन हो गया। यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण रूसी इलाके के अंदर रिफाइनरियों के बंद होने से ईंधन की कमी हो गई है, जिसकी वजह से स्थानीय फिलिंग स्टेशनों पर कारों की लंबी लाइनें देखी जा रही हैं। रूस में घरेलू ईंधन उत्पादन में 70 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इस भारी कमी से निपटने के लिए रूस को पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर रोक लगा दी है।

वोर्टेक्सा ने बताया कि जुलाई और अगस्त के दौरान रूसी रिफाइनरियों पर 32 हमले हुए। रूस में ईंधन के घरेलू उत्पादन की कमी को पूरा करने में मदद करने वाले अहम आपूर्तिकर्ताओं में तुर्की और मोरक्को के साथ-साथ भारतीय रिफाइनर भी शामिल थे। ट्रेड से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारत की ज्यादातर आपूर्ति गुजरात के तट पर स्थित नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी से आई, जिसमें रूस की बड़ी तेल कंपनी रोजनेफ्ट की हिस्सेदारी है।

भारत व चिली द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से बढ़ रहे आगे

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और चिली ने अपने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं। दोनों देश व्यापार और निवेश के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' (सीईपीए) के लिए बातचीत को आगे बढ़ा रहे हैं। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई।

इस साल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद

प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत आगे बढ़ाने के लिए वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने 26 अगस्त को सैंटियागो में चिली की अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों की उपाध्यक्ष पाउला एस्टेवेज वेनस्टीन से मुलाकात की।

बैठक के दौरान, भारत ने बातचीत के लिए खुले, लगातार और संतुलित नजरिए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसका मकसद दोनों देशों के लोगों और व्यवसायों के लिए सार्थक और व्यावसायिक रूप से फायदेमंद अवसर पैदा करना है। ग्लोबल साउथ के सदस्य के तौर पर भारत और चिली की साझा स्थिति और उनके समान रणनीतिक नजरिए को भी आर्थिक सहयोग के लिए एक मजबूत आधार के तौर पर रेखांकित किया गया।

दोनों पक्षों ने भारत-चिली संबंधों में आ रही तेजी को और बढ़ाने और यह पक्का करने पर जोर दिया कि सीईपीए से दोनों देशों के कारोबारियों को ठोस फायदे मिलें। उम्मीद है कि यह समझौता व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ बाजार तक बेहतर पहुंच के लिए एक ढांचा तैयार करेगा।

जीडीपी के आंकड़े देंगे बाजार को दिशा

-साप्ताहिक समीक्षा-



■ सेंसेक्स 0.36 प्रतिशत गिरकर सप्ताहांत पर 77,264.51 अंक पर रहा
■ निफ्टी 0.31 प्रतिशत टूटकर 24,175.65 अंक पर रहा

मुंबई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और अन्य घरेलू आंकड़े बाजार को दिशा देंगे।

अगले सप्ताह सोमवार को जीडीपी के आंकड़े जारी होने हैं। इसके अलावा मंगलवार को विनिर्माण क्षेत्र के पीएमआई के आंकड़े और वाहनों की बिक्री के आंकड़े जारी होने हैं। सेवा क्षेत्र के पीएमआई के आंकड़े 03 सितंबर को जारी होंगे। ये सभी आंकड़े निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे। इनके अलावा, वैश्विक कारकों का असर भी बाजार पर रहेगा। गत सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में मंगलवार और शुक्रवार को तेजी देखी गई जबकि अन्य तीन दिन गिरावट के रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 276.32 अंक (0.36 प्रतिशत) गिरकर सप्ताहांत पर 77,264.51 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 76.35 अंक यानी 0.31 प्रतिशत टूटकर 24,175.65 अंक पर आ गया। वृहत बाजार में तेजी देखी गयी। मिडकैप-50 सूचकांक में 0.47 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.51 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही।

पीसी का शेयर 2.51 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.48, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.25, पावरग्रिड का 1.96 और बजाज फिनसर्व का 1.51 प्रतिशत फिसल गया। बजाज फाइनेंस में 1.48 प्रतिशत, एशियन पेंट्स में 1.45, मारुति सुजुकी में 1.43, आईटीसी में 1.41, एलएंडटी में 1.15 और एचडीएफसी बैंक में 1.03 प्रतिशत की गिरावट रही।

सार संक्षेप

शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों का मार्केटकैप घटा

मुंबई। देश की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का मार्केटकैप बीते हफ्ते 1.13 लाख करोड़ रुपए कम हो गया है। इसकी वजह भारतीय शेयर बाजार के मुख्य सूचकांकों में गिरावट होना था। शीर्ष कंपनियों में भारतीय एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और एचयूएल लूजर्स में शामिल थे। वहीं, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई हरे निशान में बंद हुए। भारती एयरटेल का मार्केटकैप 40,500.85 करोड़ रुपए कम होकर 11,74,462.30 करोड़ रुपए हो गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,056.32 करोड़ रुपए घटकर 17,38,119.27 करोड़ रुपए पहुंच गया है। एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 11,558.35 करोड़ रुपए घटकर 11,09,600.70 करोड़ रुपए, बजाज फाइनेंस का मार्केटकैप 10,086.05 करोड़ रुपए कम होकर 6,70,535.57 करोड़ रुपए, एलएंडटी का बाजार मूल्यांकन 6,473.45 करोड़ रुपए कम होकर 5,55,987.49 करोड़ रुपए हो गया।

एफपीआई ने अगस्त में किया 26,824 करोड़ का निवेश

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अगस्त के पहले चार सप्ताह में 30 अगस्त तक भारतीय पूंजी बाजार में 26,824 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। शुद्ध निवेश बाजार में लगाई गई पूंजी और बाजार से निकाली गई पूंजी का अंतर है। यह लगातार तीसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में लिवाल रहे हैं। इससे पहले जुलाई में उन्होंने 40,031 करोड़ रुपए का निवेश किया था। जून में उनका निवेश 4,669 करोड़ रुपए रहा था। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने अगस्त में इक्विटी में अपना निवेश 30,919 करोड़ रुपए बढ़ा दिया। वहीं, डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों से उन्होंने शुद्ध रूप से निकासी की यानी इनमें उनका निवेश घट गया। एफपीआई ने अगस्त में डेट से 1,403 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 52 करोड़ रुपए कम हो गया।

एचडीएफसी बैंक के सीईओ शशिधर जगदीशन छोड़ेंगे पद

मुंबई। निजी क्षेत्र के प्रमुख ऋणदाता एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) शशिधर जगदीशन ने पद छोड़ने का फैसला किया है और निदेशक मंडल को पुनर्नियुक्ति की मांग नहीं करने के अपने फैसले के बारे में सूचित किया है। श्री जगदीशन का मौजूदा कार्यकाल इस साल 26 अक्टूबर को पूरा हो रहा है। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि आज आयोजित बैठक में निदेशक मंडल ने शशिधर जगदीशन द्वारा पुनर्नियुक्ति की मांग नहीं करने संबंधी सूचना का संज्ञान लिया। उन्हें पुनर्नियुक्ति के लिए मनाने के प्रयासों के बावजूद जगदीशन ने अपने निर्णय को दोहराया कि वह पुनर्नियुक्ति की मांग नहीं करेंगे। अतः वह 26 अक्टूबर 2026 को कारोबारी समय समाप्त होने के साथ बैंक की सेवाओं से सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

भारत ने अमेरिका व चीन के साथ बनाया संतुलन

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने 2026 के दौरान अमेरिका और चीन दोनों के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी में संतुलन बनाने में सफलता हासिल की है। भारत ने 2025 में वॉशिंगटन के साथ बढ़े टैरिफ विवाद का बातचीत के जरिए समाधान किया है और 2020 के सीमा संघर्षों के बाद पहली बार चीनी पूंजी पर लगाए गए प्रतिबंधों में नियंत्रित तरीके से ढील दी है। यह जानकारी एक आर्टिकल में दी गई। आर्टिकल के मुताबिक, 2 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बातचीत के दौरान भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जताई। साथ ही, रूसी तेल की खरीद से जुड़ा अतिरिक्त 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क भी पूरी तरह हटा दिया गया।

दोनों सरकारों ने सार्वजनिक रूप से दोहराया है कि टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भारत के साथ हुए इस समझौते पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसके बाद अमेरिका ने अलग से धारा 301 के तहत 10 प्रतिशत की ड्यूटी भी लगाई है। हालांकि, भारत के करीब 45 प्रतिशत निर्यात इसके दायरे से बाहर हैं। वहीं, क्वार्ट्ज सरफेस उत्पादों पर सेफगार्ड टैरिफ बढ़कर 55



■ भारत ने टैरिफ विवाद का बातचीत के जरिए किया समाधान
■ चीनी पूंजी पर लगाए गए प्रतिबंधों में नियंत्रित तरीके से दी ढील

प्रतिशत तक पहुंच गया है। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर में आलोक कुमार कनोजिया के लेख के अनुसार, कुल मिलाकर टैरिफ व्यवस्था एक साल पहले की तुलना में अब कम और अधिक पूर्वानुमान योग्य है।

दूसरी तरफ, 10 मार्च को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रेस नोट 3 में संशोधन किया। यह 2020 का वह नियम था, जिसके तहत भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले सभी निवेश को अनिवार्य सरकारी मंजूरी की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। हालांकि, इस संशोधन से चीन से प्रत्यक्ष निवेश का रास्ता पूरी तरह नहीं खोला गया है। इसके लिए अभी भी पहले से सरकारी मंजूरी जरूरी है। लेकिन नए नियमों के तहत ऐसी कंपनियों के लिए ऑटोमैटिक रूट बनाया गया है, जिनमें चीनी लाभकारी स्वामित्व 10 प्रतिशत से कम और गैर-नियंत्रणकारी है। इसके अलावा, पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और पॉलीसिलिकॉन तथा इंगट-वेफर जैसे सौर ऊर्जा से जुड़े इनपुट सहित चुनिंदा विनिर्माण क्षेत्रों के लिए 60 दिनों की मंजूरी समयसीमा तय की गई है। सरकार ने अगस्त के अंत तक बताया कि आसान नियमों के तहत 29 परियोजनाओं में करीब 4,896 करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। ये निवेश आईटी, फार्मास्युटिकल्स, डेटा सेंटर और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में हुआ है।

यह चीन के लिए पूरी तरह से दरवाजा खोलने के बजाय एक सीमित रास्ता है। हालांकि, इसके साथ ही चीन ने पिछले साल अगस्त में दुर्लभ मृदा चुंबक उर्वरकों और टनल बोरिंग मशीनों पर लगाए गए निर्यात प्रतिबंधों में ढील दी थी। 2026 के दौरान भारत और चीन के बीच सीमा वार्ता में भी तेजी आई है। इसका ताजा उदाहरण इस सप्ताह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की बीजिंग यात्रा है।

शंघाई की गतिविधियों से मिल रहा आर्थिक सुस्ती बढ़ने का संकेत

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। चीन के सबसे समृद्ध, जीवंत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त कर चुके शहरों में से एक माने जाने वाला शंघाई में अब लंबे समय से जारी आर्थिक सुस्ती के बढ़ने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। इससे चीन की व्यापक आर्थिक चुनौतियों की गंभीरता को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ गई हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

'द डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, शहर की आर्थिक मुश्किलें कई कारकों के संयुक्त प्रभाव से सामने आई हैं। इनमें कोविड-19 लॉकडाउन का लंबे समय तक बना असर, रियल एस्टेट बाजार में जारी कमजोरी, स्थानीय सरकारों की खराब होती वित्तीय स्थिति, कमजोर उपभोक्ता खर्च, कुछ विदेशी कंपनियों और अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों का शहर छोड़ना शामिल है।

यह आर्थिक सुस्ती इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि शंघाई को पारंपरिक रूप से चीन के प्रमुख आर्थिक केंद्रों में से एक माना जाता रहा है। जीडीपी के लिहाज से चीन की सबसे बड़ी शहरी अर्थव्यवस्था



■ लंबे समय से देश के सबसे मजबूत राजस्व प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में शामिल रहा शंघाई

होने के कारण शंघाई लंबे समय से देश के सबसे मजबूत राजस्व प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में शामिल रहा है। निवेश, व्यापार, उपभोग और वित्तीय गतिविधियों को गति देने में भी शहर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

हालांकि, हालिया वित्तीय आंकड़े संकेत देते हैं कि अब शंघाई पर भी दबाव बढ़ रहा है। चीन के वित्त मंत्रालय ने जुलाई के अंत में बताया कि 2026 की पहली छमाही के दौरान देश के 31 प्रांतीय स्तर के क्षेत्रों में से कोई भी अपनी आय से पूरी तरह से अपने खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त राजस्व नहीं जुटा सका। सामूहिक रूप से स्थानीय सरकारों की राजकोषीय आत्मनिर्भरता दर केवल 56.3 प्रतिशत रही।

चीनी एक सप्ताह में 294 रुपए महंगी, सरसों तेल 162 रुपए चढ़ा

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी 294 रुपये और सरसों तेल 162 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। चावल, अधिकतर खाद्य तेल और दालों में भी तेजी रही। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में गुड़ का औसत भाव 294 रुपए चढ़कर सप्ताहांत पर 5,911 रुपए प्रति क्विंटल रहा। इसमें पहले तीन दिन तेजी देखी गई जबकि अंतिम तीन दिन कीमतों में उतार देखा गया। इससे पहले के सप्ताह में चीनी 777 रुपए महंगी हुई थी। गुड़ का भाव पिछले सप्ताह 310 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गया। यह एक सप्ताह पहले 323 रुपए महंगा हुआ था। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 31 रुपए बढ़कर सप्ताहांत पर 4,134 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।



गेहूं 29 रुपए महंगा हुआ और 2,867 रुपए प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव भी 15 रुपए चढ़कर 3,325 रुपए प्रति क्विंटल हो गया।

सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 44 रुपए और तुअर दाल की 35 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ी। मूंग दाल 19 रुपए और चना दाल 17 रुपए महंगी हुई। वहीं मसूर दाल में आठ रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गई। बीते सप्ताह सरसों तेल का औसत भाव 162 रुपए और पाम ऑयल का 104 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गया। सूरजमुख तेल 78 रुपए और सोया तेल 66 रुपए महंगा हुआ। वनस्पति की कीमत 24 रुपए बढ़ गई। मूंगफली तेल नौ रुपए प्रति क्विंटल फिसल गया।

भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 7-7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 7-7.2 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। इसे मजबूत घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत खर्च से समर्थन मिलेगा। यह जानकारी ईवाई की रिपोर्ट में दी गई। इस दौरान भारत की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 12.5-13 प्रतिशत के बीच रह सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और कमजोर ग्लोबल ट्रेड माहौल के बावजूद भारत के विकास का आउटलुक काफी मजबूत बना हुआ है। उम्मीद है कि मजबूत घरेलू आर्थिक गतिविधियों और लगातार सरकारी खर्च से साल भर ग्रोथ को सपोर्ट मिलेगा।

ईवाई के अनुसार, भारत में औद्योगिक गतिविधियों में भी मजबूती के संकेत दिखे हैं। जून 2026 में इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) में ग्रोथ बढ़कर 7.3 प्रतिशत हो गई, जो 23 महीनों में सबसे ज्यादा



■ मजबूत घरेलू खपत व सरकार के पूंजीगत खर्च से मिलेगा समर्थन

है। नतीजतन, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में औसत औद्योगिक वृद्धि बढ़कर 5.7 प्रतिशत हो गई, जो पिछले आठ तिमाही में सबसे ज्यादा है। इस सुधार में मैन्युफैक्चरिंग का अहम योगदान रहा, जून में इसका आउटपुट 7.8 प्रतिशत बढ़ा। इसमें इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मोटर वाहन, टेक्सटाइल और खाद्य उत्पाद भी बेहतर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर में शामिल थे। हालांकि, कुछ हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर बताते हैं कि विस्तार की रफ्तार धीमी हो सकती है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून के 54.2 से घटकर जुलाई में 53.5 हो गया, जबकि सर्विसेज पीएमआई 57.4 से तेजी से गिरकर 53.3 पर आ गया। इस सुस्ती के बावजूद, दोनों इंडेक्स 50 के निशान से ऊपर बने रहे, जिससे पता चलता है कि आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। क्रेडिट की स्थिति भी मददगार बनी रही। ईवाई ने बताया कि जून में ग्रॉस बैंक क्रेडिट ग्रोथ बढ़कर 18.6 प्रतिशत हो गई, जो 25 महीनों में सबसे अधिक है। इससे पता चलता है कि बिजनेस और अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टर के लिए फाइनेंसिंग की सुविधा बनी हुई है। सरकार का पूंजीगत खर्च बढ़ाने पर जोर भी ग्रोथ के नजरिए को सपोर्ट करने वाला एक अहम फैक्टर है। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 23.3 प्रतिशत की गिरावट के बाद, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में सरकारी पूंजीगत खर्च में तेजी से सुधार हुआ।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।
तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नहीं रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नहीं रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नहीं जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

▫ करके देखें ▫ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▫ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रुपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/00049 हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

महिला एशिया कप में भारत का धमाकेदार आगाज, थाईलैंड को 94 रन से हराया







दुबई, 30 अगस्त (हि.स.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरूआत करते हुए थाईलैंड को 94 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। शेफाली वर्मा के रिकॉर्ड अर्धशतक और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने पहले मैच में एकतरफा जीत दर्ज की।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 159 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 36 गेंदों पर 64 रन बनाए। उनकी पारी में आठ चौके और तीन छक्के शामिल रहे। शेफाली ने सिर्फ 26 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो महिला एशिया कप इतिहास के सबसे तेज अर्धशतकों में शामिल हो गया। शानदार पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

स्मृति मंधाना ने 19 और प्रतिका रावल ने 22 रन का योगदान दिया, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर पांच रन बनाकर आउट हुईं।

160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 17 ओवर में 65 रन पर ढेर हो गई। नन्नापट कोंचारोएनकाई ने सर्वाधिक 41 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास सहयोग नहीं मिला।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और नंदनी शर्मा ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जबकि श्री चरणी को दो सफलताएं मिलीं। क्रांति गौड़ ने भी एक विकेट लिया। इस मुकाबले में दीप्ति शर्मा ने अपना 150वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला और यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की तीसरी महिला खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना यह मुकाम हासिल कर चुकी हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने कप्तानी में भी दिखाया कमाल



सही साबित हुआ डीआरएस का फैसला

नई दिल्ली (आरएनएन)। वैभव सूर्यवंशी ने कम समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना ली है। फिलहाल वह दलीप ट्रॉफी में खेल रहे हैं। रविवार को सेंट्रल जोन के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के पहले दिन वैभव को ईस्ट जोन की कप्तानी करने का मौका मिला। नियमित कप्तान ईशान किशन के दाएं अंगूठे में चोट लगने के बाद वैभव ने स्टैंड इन कप्तान के तौर पर ईस्ट जोन की कमान संभाली।

15 साल के वैभव ने कप्तान के तौर पर परिपक्वता दिखाई और एक सफल डीआरएस लेकर बता दिया कि उनमें लीडरशीप क्वालिटी भी है। ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल रविवार को शुरू हुआ।

▶ 14 से 28 फरवरी तक 6 टीमों के बीच खेले जाएंगे मुकाबले

श्रीलंका से छीनी गई विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

● नई दिली / (एजेंसी)



इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल और श्रीलंका क्रिकेट के बीच चल रहे विवाद का खामियाजा एक बार फिर देश के क्रिकेट को भुगतना पड़ा है। श्रीलंका से साल 2027 में आयोजित होने वाली पहली आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी छीन ली गई है। 14 से 28 फरवरी तक खेले जाने वाले इस 6-टीमों के टूर्नामेंट के लिए नए मेजबान देश का फैसला आईसीसी की आगामी बोर्ड बैठक में लिया जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट में लगातार बढ़ रहे सरकारी हस्तक्षेप के कारण आईसीसी ने यह कड़ा कदम उठाया है। वर्तमान में श्रीलंका क्रिकेट का संचालन सरकार द्वारा गठित ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी कर रही है।

आईसीसी के नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य बोर्ड का संचालन स्वतंत्र होना चाहिए और उसमें राजनीतिक या सरकारी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सचिव प्रकाश शेफ्टर ने इस खबर की पुष्टि की और कहा, हां, इस टूर्नामेंट को श्रीलंका से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है। यह किसी अन्य स्थान पर खेला जाएगा, लेकिन फिलहाल यह तय नहीं है कि नया मेजबान कौन होगा।

श्रीलंका के लिए झटका

यह पहला मौका नहीं है जब श्रीलंका से किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी छीनी गई हो, साल 2023 में सरकारी हस्तक्षेप के चलते आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को निलंबित कर दिया था, जिसके बाद 2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप की मेजबानी श्रीलंका से छीनकर दक्षिण अफ्रीका को सौंप दी गई थी।

क्वालिफिकेशन पर मंडराया खतरा

इस फैसले का असर श्रीलंका टीम की टूर्नामेंट में भागीदारी पर भी पड़ सकता है। मूल नियमों के अनुसार मेजबान देश होने के नाते श्रीलंका को 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलना था (श्रीलंका वर्तमान में आईसीसी रैंकिंग में छठे स्थान पर है)। अब यदि मेजबानी किसी ऐसी टीम को मिलती है जो रैंकिंग में नीचे है, तो श्रीलंका के क्वालिफिकेशन पर संकट खड़ा हो सकता है। हालांकि, आईसीसी ने अभी तक संशोधित क्वालिफिकेशन प्रक्रिया का ऐलान नहीं किया है।



जर्मनी ने दूसरी बार जीता हॉकी वर्ल्ड कप

● नई दिली / (एजेंसी)

बेलफियस एरेना में खेले गए एक बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में जर्मनी ने स्पेन को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी बार मेंस हॉकी वर्ल्ड कप अपने नाम कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही जर्मनी ने कुल चौथी बार वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाकर रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सह-मेजबान बेल्जियम को हराकर फाइनल में पहुंची दोनों टीमों ने बेहतरीन डिफेंसिव खेल दिखाया, लेकिन अंत में जर्मन टीम का धैर्य और आक्रामक रणनीति उस पर भारी पड़ी। मैच का सबसे निर्णायक क्षण तीसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में आया, जब स्पेन की डिफेंस से एक दुर्लभ चूक देखने को मिली। हानेस मुलर ने स्पेनिश सर्कल के टॉप पर मिली लूज बॉल को लपका और बायलाइन की ओर मौजूद मिशेल स्ट्रूथॉफ को बेहतरीन रिवर्स पास दिया। पॉल-फिलिप कॉफमैन के सहयोग से मिले इस मौके को स्ट्रूथॉफ ने खाली नहीं जाने दिया और स्पेनिश गोलकीपर लुईस काल्जादो को चकमा देते हुए गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया।

स्पेन को 1-0 से हराया

आखिरी मिनट तक रोमांचक रहा मैच, स्पेन का टूटा सपना

मैच खत्म होने से करीब चार मिनट पहले स्पेन ने जोखिम उठाते हुए गोलकीपर काल्जादो को मैदान से बाहर बुला लिया और अतिरिक्त आउटफील्ड खिलाड़ी उतारा, लेकिन जर्मनी की मजबूत डिफेंस को भेद पाना उनके लिए नामुमकिन साबित हुआ। इस हार के साथ ही स्पेन का अपना पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया और 1971 और 1998 के बाद उन्हें एक और फाइनल में निराशा हाथ लगी।

मैच में दिखी कांटे की टक्कर

मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मैच के पहले 90 सेकंड में ही जर्मनी ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर दबाव बनाया, लेकिन बेनेडिक्ट श्वार्जहॉफ के ड्रैगफ्लिक को काल्जादो ने शानदार ढंग से रोक दिया।

आकिब नबी सरे के लिए खेलेंगे तीन मैच

न्यूजीलैंड दौरे से पूर्व काउंटी से जुड़े

● नई दिली / (एजेंसी)



श्रीलंका दौरे पर आकिब नबी टीम में शामिल थे, लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, अब उन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए तैयार किया जा रहा है।

इस दौरे के लिए उन्होंने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है और इसी क्रम में अब वह काउंटी क्रिकेट से जुड़े हैं। जम्मू-कश्मीर के प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज आकिब नबी काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन एक में सरे के लिए तीन मैच खेलने के लिए ब्रिटेन रवाना हो चुके हैं। यह फैसला भारत के अक्टूबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। नबी को हाल में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला के लिए चोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था लेकिन उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 194 रन से रौंदा

सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

● लॉर्ड्स / (एजेंसी)

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स टेस्ट 194 रन से जीत लिया। चौथे दिन इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने 389 रन का विशाल लक्ष्य रखा, लेकिन पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में 194 रन बनाकर ढेर हो गई और इंग्लैंड ने यह मुकाबला 194 रन से जीत लिया।

पाकिस्तान की ओर सऊद शकील ने थोड़ी लड़ाई जरूर लड़ी, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें किसी अन्य बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। शकील 97 रन के स्कोर पर आउट हुए। 7वें विकेट के रूप में शकील पवेलियन लौटे और अपने साथ पाकिस्तान की बची-खुची उम्मीद भी खत्म हो गई।

लगातार चौथी पारी में पाकिस्तान की टीम 200 रन का आंकड़ा नहीं पार कर पाई। पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी ओली रॉबिन्सन का जादू चला। उन्होंने सर्वाधिक 4 विकेट जबकि जोश टंग ने 3 और जोफ्रा आर्चर ने 2 विकेट चटकाए। इसके साथ ही इंग्लैंड ने 3 मैच की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।



दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए पाकिस्तान के सात बल्लेबाज

पाकिस्तान की खराब बल्लेबाजी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। इंग्लैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 290 रन का स्कोर खड़ा किया। पहली पारी में जेमी स्मिथ ने 61 और जॉर्डन कॉक्स ने 55 रन की पारी खेली थी। उसके बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने पाकिस्तान की पहली पारी को केवल 110 रन के स्कोर पर रोककर मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। पहली पारी में पाकिस्तान के 9 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए थे।

एजीयू स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड समारोह आज

● भोपाल / खेल संवाददाता

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आईसेक्ट ग्रुप आफ यूनिवर्सिटीज (एजीयू) द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को 31 अगस्त को एजीयू स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को शाम 6 बजे एक होटल में किया जाएगा। समारोह में मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वाश कैलाश सारंग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अशोक कुमार सिंह ध्यानचंद, संतोष चौबे, चेयरमैन, आईसेक्ट इंडिया एवं चांसलर, आरएनटीयू, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, आईसेक्ट इंडिया एवं चांसलर, एसजीएसयू, तथा डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, डायरेक्टर, आईसेक्ट ग्रुप आफ यूनिवर्सिटीज एवं प्रो-चांसलर, आरएनटीयू विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

खिलाड़ी और प्रशिक्षकों का होगा सम्मान

इस वर्ष एजीयू स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड में कुल 148 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा।

हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए फेडरर व मैरी कैरिलो



● नई दिली (एजेंसी)

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। न्यूपोर्ट में हॉल के एंट्री पर 45 साल के फेडरर भाषण देने के लिए स्टेज पर पहुंचे। फेडरर टेनिस करियर में 20 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स टाइटल जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। वह टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले 272वें फेमर बने। फ़ेडरर को पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो के साथ शामिल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

तन्वी ने जीता पहला सीनियर बैडमिंटन खिताब

साउथ कोरिया की वर्ल्ड नंबर- 82 किम मिन सन को हराया

● नई दिली (एजेंसी)



भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पात्री ने इंडोनेशिया में पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीत लिया है। 15 साल की तन्वी ने फाइनल में साउथ कोरिया की वर्ल्ड नंबर-82 किम मिन सन को 21-5, 21-6 से हराया।

उन्होंने सिर्फ 32 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। यह तन्वी का पहला सीनियर इंटरनेशनल खिताब है। यह टूर्नामेंट में तन्वी की छठी जीत थी। पहले मैच को छोड़कर उन्होंने अपने सभी मुकाबले सीधे गेम में जीते।तन्वी ने सेमीफाइनल में कनाडा की टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर-51 रेचल मुकाबला 21-9, 21-19 से जीता। इस तरह तन्वी ने लगातार दो दिन टॉप-100 रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को शिकस्त दी। तन्वी ने इस सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे पहले उन्होंने एंटिका सिंगापुर इंटरनेशनल चैलेंज में सिल्वर मेडल जीता था। उन्हें जापान की मनामी सुजू ने तीन गेम में हराया था। तन्वी ने इस सीजन में इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन बार दूसरा स्थान हासिल किया है। वह कुछ साल चीन में ट्रेनिंग भी कर चुकी हैं और फिलहाल बेंगलुरु के सेंटर ऑफ बैडमिंटन एक्सीलेंस में ट्रेनिंग

सादगी की मिसाल पूर्व तेज गेंदबाज की सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल, फैंस ने सादगी को सराहा

जवागल श्रीनाथ आम आदमी की तरह मेट्रो में यात्रा करते दिखे

● बेंगलुरु (एजेंसी)

कपिल देव के बाद भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजी को धार देने वाले जवागल श्रीनाथ ने सादगी की मिसाल पेश की। उनकी तेज गेंदों से बल्लेबाजों के पसीने छूट जाते थे, लेकिन क्रिकेट से दूर अपनी जिंदगी में श्रीनाथ की पहचान बेहद सादगी भरी है।

अब उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें वह बेंगलुरु मेट्रो में आम यात्रियों की तरह सफर करते नजर आ रहे हैं। तस्वीर सामने आने के बाद फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। वायरल तस्वीर में श्रीनाथ हाथ में ट्रॉली बैग लिए मेट्रो में खड़े दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने



पहले भी कर चुके हैं आम लोगों की तरह सफर

नई तस्वीर पर भी फैंस का रिएक्शन इसी बात को लेकर है। कई यूजर्स ने श्रीनाथ की विनम्रता और जमीन से जुड़े रहने की तारीफ की। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने अपने अनुभव भी साझा किए और बताया कि श्रीनाथ को पहले भी आम लोगों की तरह सफर करते देखा गया है।

1990 के दशक में थे प्रमुख गेंदबाज

आज मेट्रो में सादगी से सफर करते दिख रहे श्रीनाथ अपने दौर के भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज थे। 1990 के दशक में वह भारतीय पेस अटैक की अगुवाई करते थे। उन्हें उनकी रफ्तार और उछाल के लिए खास तौर पर जाना जाता था। श्रीनाथ ने भारत के लिए 67 टेस्ट और 229 वनडे खेले। उन्होंने 2003 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया और बाद में आईसीसी के मैच रेफरी के रूप में अपनी दूसरी पारी शुरू की। श्रीनाथ की सादगी की तस्वीर इससे पहले भी सोशल



कंगना रनौत विवाद पर तापसी पन्नू ने तोड़ी चुप्पी

कंगना रनौत और तापसी पन्नू के बीच लंबे समय से मतभेद रहे हैं। साल 2019 में दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से झगड़ा हुआ था। एक बार फिर दोनों के बीच जुबानी जंग शुरू हुई। बीते दिनों कंगना के साथ विवाद पर तापसी ने रिएक्शन देते हुए परवरिश पर बात कर दी थी। कंगना ने भी सोशल मीडिया पर रिएक्शन दिया था। वहीं, अब तापसी

तापसी पन्नू ने क्या कहा?

आज फिल्म 'गांधारी' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के मौक पर पैपराजी ने तापसी पन्नू से कंगना रनौत से विवाद के बारे में सवाल किया गया। पैप्स ने पूछा, एक महिला दूसरी महिला को सपोर्ट करती है, तभी एक बेहतर सोसाइटी होती है। मगर, आपका और कंगना का वॉर चल रहा है और आपने उन्हें लेकर परवरिश को लेकर भी बात की। इस पर तापसी ने कहा, 'मैं इतना कहना चाहूंगी कि हर बार आप क्यों मेरे से ऐसा सवाल करते हैं। दो महिलाओं के बारे में। आपको आज का ही मौका मिला ये सवाल करने का। आप खत्म क्यों नहीं होने देते यह झगड़ा'?

सब एक जैसा सवाल पूछते हैं

तापसी ने आगे कहा, 'आप जब हम दोनों से ये वाला सवाल करना बंद करेंगे ना तो ये ईश्यू भी खत्म हो जाएगा। आप सब लोगों को या तो मजा आ रहा है ये सब देखकर, तो सब एक जैसा सवाल पूछने में लगे पड़े हैं। अगर आप हकीकत में चाहते हैं कि यह ईश्यू खत्म हो तो आप ये सवाल तभी पूछना बंद कर देते और ये बात तभी खत्म हो जाती'।

कब रिलीज होगी 'गांधारी'

बता दें कि तापसी पन्नू की आगामी फिल्म 'गांधारी' का आज ट्रेलर जारी हो चुका है। इसमें वे एक मां की भूमिका में नजर आई हैं, जिसकी बच्ची का अपहरण हो जाता है। यह फिल्म 03 सितंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।



रक्षाबंधन विवाद पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी ट्रोलर्स को दिया जवाब

कृति सेनन इन दिनों अपने एक विज्ञापन को लेकर काफी ट्रोल हो रहीं थीं। इस मामले पर उन्हें एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत ने भी जमकर घेरा था। अब कृति ने इस पूरे मामले पर करारा जवाब दिया है

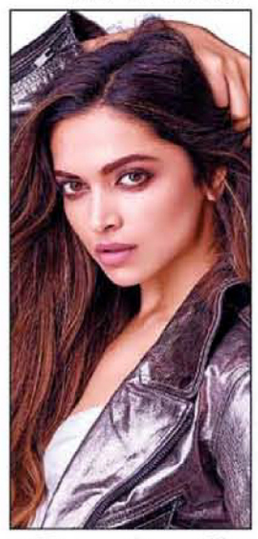
क्यों ट्रोल हुईं कृति सेनन? उन्होंने एक ज्वैलरी ब्रांड के लिए यह विज्ञापन किया। एक्ट्रेस विज्ञापन में रक्षाबंधन का त्योहार मनाती नजर आईं। मगर, उनके कपड़े काफी रिवीलिंग थे। वे इंडो वेस्टर्न ड्रेस में दिखाई दीं। कृति सेनन की ड्रेस पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है।

कृति ने इस मामले पर क्या कहा? अब कृति ने इन ट्रोल्स को करारा जवाब देते हुए कहा कि किसी महिला के कपड़ों से उसकी संस्कृति के प्रति सम्मान को नहीं मापा जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्टोरी शेयर कर लिखा, 'त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं में होती है जिन्हें आप दिल से मानते हैं। रक्षाबंधन सुरक्षा और प्यार का रिश्ता है। मेरी बहन और मैं एक-दूसरे को राखी बांधते हैं। हम एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा करते हैं और एक-दूसरे की अच्छी सेहत, खुशी और लंबी उम्र की प्रार्थना करते हैं। हमारे लिए यह प्यार और प्रार्थना हमारे कुत्तों तक भी जाती है, क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।'

महिलाओं पर एक्ट्रेस ने दिया ये बयान महिलाओं पर बात करते हुए कृति ने कहा, 'आखिर हम महिलाओं को यह बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? समय के साथ पारंपरिक फैशन भी बदला है, लेकिन आज भी किसी महिला की संस्कृति के प्रति सम्मान को सिर्फ उसके कपड़ों से क्यों मापा जाता है? संस्कृति और परंपराएं उसके दिल में होती हैं, उसकी नेकलाइन में नहीं।'

कंगना ने पूरे मामले पर क्या कहा था? कंगना रनौत ने इस मामले पर बात करते हुए अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा था, 'महिलाओं के लिए यह बहुत अच्छा समय है। हमारे वॉर्डरोब तरह-तरह के कपड़ों से भरे हुए हैं। आज की महिला ग्लोबल है। कॉकटेल ड्रेस से लेकर लहंगा-चोली, जींस से लेकर साड़ी, बिकिनी से लेकर सलवार-कमीज तक, इतने सारे ऑप्शन होने के बावजूद आप बिकिनी या अंडरगारमेंट्स पहनकर अपने भाई को राखी क्यों बांधेंगी? आपके स्टाइलिंग ऑप्शन कहां गए'? हाहा, यह विज्ञापन जानबूझकर अजीब बनाया गया लगता है।'

क्या रणबीर की 'ब्रह्मास्त्र 2' में नजर आएंगी दीपिका



फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आए। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि दूसरे पार्ट में दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। वे अमृता की भूमिका अदा करेंगी। मगर, अभिनेत्री के प्रवक्ता ने ऐसी खबरों को खारिज कर दिया है। दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' में नजर नहीं आएंगी। उनके प्रवक्ता ने यह बात कही है। इस स्पष्टीकरण से उन वायरल खबरों का खंडन होता है जिनमें दावा किया गया था कि एक्ट्रेस इस सीक्वल में अहम भूमिका निभाएंगी रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' से नहीं जुड़ी हैं। दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने साफ किया कि वे खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं, जिनमें कहा गया था कि दीपिका 'ब्रह्मास्त्र 2' में दिखाई देंगी।

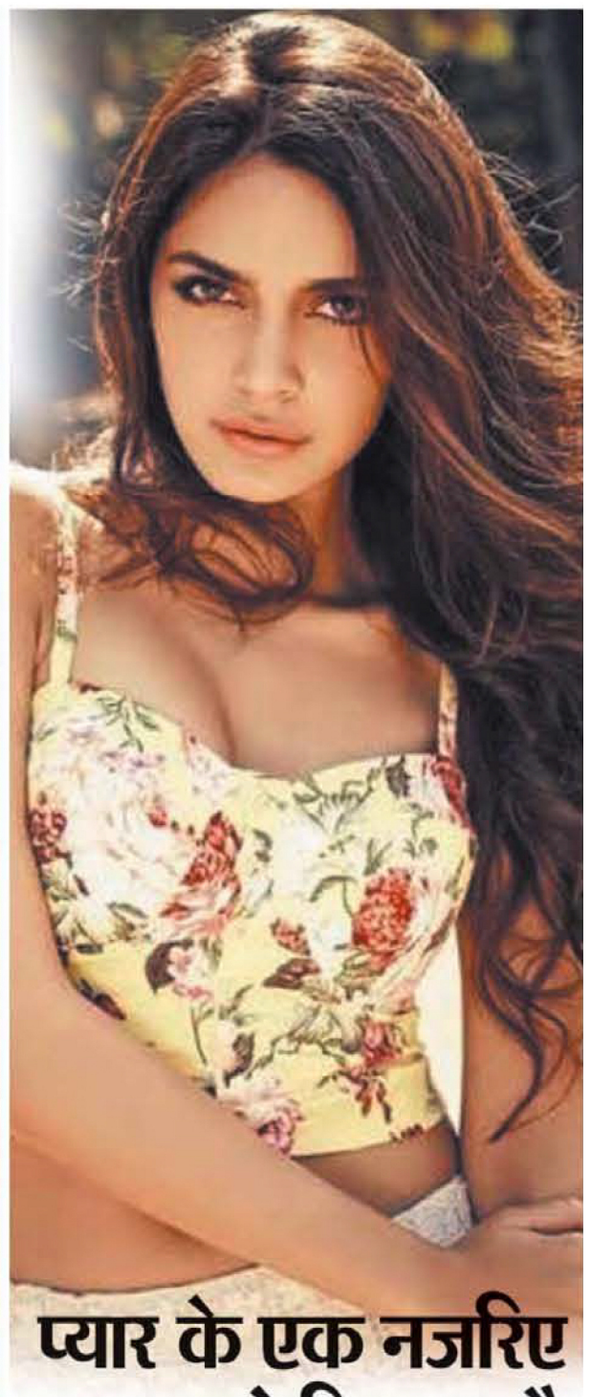
ट्रोलिंग को अब दिल पर नहीं लेतीं सफलता की कहानी का हिस्सा मानती हूं



'कैसी ये यारियां' से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीति टेलर हाल ही में रियलिटी शो 'एलायंस' में नजर आई थीं। इस शो में उनके सफर के दौरान जहां कई भावुक पल देखने को मिले, वहीं कुछ रिश्तों ने भी खूब ध्यान खींचा। शो से जुड़े अनुभवों और अपनी निजी सोच को लेकर नीति ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी राय रखी और बताया कि समय के साथ इस मामले में उनका नजरिया काफी बदल गया है।

नीति ने कहा, ''अब मैं सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को पहले की तरह दिल पर नहीं लेतीं। ट्रोल होने के पीछे एक मैसेज होता है कि लोग आपको देख रहे हैं और आपके बारे में बात कर रहे हैं। मैंने अब नकारात्मक टिप्पणियों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम और उन लोगों पर फोकस करना शुरू कर दिया है, जो सपोर्ट करते हैं।'' ट्रोलिंग को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए नीति ने कहा, ''ये सिर्फ कंप्यूटर और फोन के पीछे छिपे चेहरे हैं, जिन्हें दूसरों को खुश देखना पसंद नहीं है, क्योंकि उनकी अपनी जिंदगी ठीक नहीं चल रही होती। ऐसे लोगों की बातों को अपने ऊपर हावी होने देना सही नहीं है। अगर आप पब्लिक फिगर है, तो आपकी लाइफ में इस तरह की चीजों का होना एक तरह से सामान्य बात है और हर कमेंट का जवाब देना जरूरी नहीं होता।''

नीति ने ट्रोलिंग को सफलता से भी जोड़कर देखा। उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी लगता है कि ट्रोलिंग आपकी सफलता की कहानी का एक हिस्सा है। जब लोग आपके बारे में बात करते हैं और आपकी मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हैं, तो इसका मतलब यह भी हो सकता है कि आप लोगों की नजर में हैं। इसलिए अब मैं ट्रोलिंग को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होती और इसे अपनी जिंदगी का एक हिस्सा मानकर आगे बढ़ती हूं।'' बात अगर 'एलायंस' में उनके सफर की करें, तो उन्हें कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा, लेकिन इसी दौरान दोस्त भी बने, जिनकी शुरुआत की उम्मीद शायद किसी ने नहीं की थी। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा नीति और अभिनेता कुशाल टंडन की दोस्ती की हुई। शो की शुरुआत में दोनों के बीच ज्यादा अच्छी बॉन्डिंग नहीं थी और उनके रिश्ते में दूरी दिखाई देती थी, लेकिन समय के साथ दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और उनके इक्वेशन भी बदलते गए। प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुए 'एलायंस' को आखिर में मिनी माथुर ने जीता।



प्यार के एक नजरिए को दिखाता है 'रात कालिया' सॉन्ग

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री शहजान पद्मसी ने गाना 'रात कालिया' से गायिकी में डेब्यू किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि गायन को लेकर वे पहले से पैशनेट थीं, लेकिन एक्टिंग के लिए फिल्मों के ऑफर आने लगे, जिससे ये सपना पीछे रह गया। अभिनेत्री ने बताया, 'एक्टिंग का सफर अचानक से शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूं। शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 2' में पारुल नाम के किरदार में नजर आई थी। अभिनेत्री का मानना है कि इस फिल्म में काम करने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें थोड़ी क्रिएटिविटी की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शेरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मॉम के साथ म्यूजिक में आगे बढ़ने का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में रियाज करते थे।'

अभिनेत्री ने अपनी मां का शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि वे उनकी वजह से शहजान पद्मसी को बाहर क्लास लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, 'मां की शिक्षिका बनना मुझे काफी अच्छा लगा। क्योंकि बेशक हम सब दिल से ही काम करते हैं, लेकिन मैंने सच में समय लिया और खुद से कहा कि अगर मुझे इस प्रोफेशन को सीरियसली लेना है, तो अपने हुनर पर काम करना होगा। पहले अपना हुनर पक्का करना होगा। प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, और मुझे प्रैक्टिस की इस पूरी प्रोसेस से प्यार हो गया।'

अभिनेत्री ने आगे गाना 'रात कालिया' के बार में भी बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि यह एक लव सॉन्ग है, जो प्यार के नजरिए को दिखाता है। जैसे किसी भी रिश्ते के शुरुआत में इंसान एक दूसरे पर डिपेंडेंट होता है, कुछ वैसा ही। इसमें मेरे बहुत सारे ख्याल हैं, जिसमें मैं घंटों बात कर सकती हूं क्योंकि ये बहुत इंटरेस्टिंग है। जब भी मैं अपने दोस्तों से इस बारे में बात करती हूं, तो वो भी कहते हैं कि उन्होंने भी ऐसा ही महसूस किया है। वो कहते हैं, 'हां, मेरे साथ भी ऐसा हुआ है, मैं पहले बहुत डिपेंडेंट थी। मैं एक इंसान पर झुक जाती थी और अब मैं बहुत बदल गई हूं, तो ये प्यार का एक बदला हुआ, परिपक्व सफर है।'



मिर्जापुर' में अली फजल की बहन बनीं हर्षिता गौर बोलीं- वे मेरी बहुत टांग खींचते हैं, मैं शो में सबसे छोटी

'मिर्जापुर' की डिंपी का रोल निभाने वाली हर्षिता गौर ने भले बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई की लेकिन उनका सपना कहीं न कहीं एक्ट्रेस बनने का था। उन्होंने कहा- मेरी मां डॉक्टर हैं और अपने कॉलेज डेज में 9 साल तक उन्होंने भी थिएटर किया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी अगली फिल्म मिर्जापुर द मूवी से।

बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई करने वाली हर्षिता गौर हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, मगर साथ ही उन्हें अपने परिवार को मायूस नहीं करना था, यही वजह थी कि उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। किस्मत ने उनका साथ दिया और 'साह्वा हक' जैसे टीवी शोज से एक्टिंग की उनकी राह आसान हो गई, मगर 'मिर्जापुर' की डिंपी जैसे शांत और सौम्य रोल ने उन्हें रातों -रात मशहूर कर दिया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी आगामी फिल्म मिर्जापुर द मूवी से। उनसे खास बातचीत।

'इंजिनियरिंग कर रही थी, मगर एक्ट्रेस बनना था'

एक्टिंग में आने से पहलेहर्षिता इंजिनियरिंग कर रही थीं।

किसिंग सीन पर घरवालों ने आपत्ति नहीं की

अपने पहले ही शो 'साह्वा हक' में हर्षिता ने किसिंग सीन्स किए थे। अपने परिवार वालों की प्रतिक्रिया के बारे में वे कहती हैं, 'मेरे परिवार ने कोई आपत्ति नहीं जताई। हालांकि हम मिडिल क्लास वैल्यूज रखते हैं, मगर साथ ही वे ओपन-माइंडेड भी हैं। मेरे कहने का यह तात्पर्य है कि उनका ये हमेशा से मानना है कि तुम परदे पर जो कर रही हो, वो वैल्यू करना चाहिए। मतलब आपको किसिंग सीन करना है या कोई और इंटीमेट दृश्य, अगर वो आपके काम को वैल्यू दे रहे हैं, रिक्वायरमेंट है, अच्छे, क्रिएटिव और क्राफ्ट को समझने वाले लोगों के साथ कर रहे हैं, तो फिर कोई समस्या नहीं है। उन्होंने हमेशा ये समझा कि ये कहानी की मांग थी।'

कथक का साथ कभी नहीं छोड़ सकती

कथक को अपना पहला प्यार मानने वाली हर्षिता कहती हैं, 'मेरे लिए कथक बहुत खूबसूरत चीज है और मुझे बेहद पसंद है। मैंने छह साल की उम्र से कथक सीखा, लेकिन पढ़ाई और बाद में मुंबई आने के दौरान इसमें कई लंबे ब्रेक आए। मुंबई में जब मैंने दोबारा शुरू किया तो एक एक्सीडेंट के बाद दोनों घुटनों में इंजरी हो गई और करीब 4-5 महीने बेड रेस्ट पर रही।

उसी दौरान मिर्जापुर का एक्शन सीक्वेंस भी शूट करना था, जो काफी मुश्किल था। मिर्जापुर द मूवी की वजह से मुझे दोबारा कथक शुरू करने की हिम्मत मिली। अब मुझे लगता है कि कथक मेरी बॉडी में है। मैं इसका साथ नहीं छोड़ूंगी।'

अली मेरी खूब टांग खींचता है

'मिर्जापुर' में हर्षिता अका डिंपी गुड्डू उर्फ अली फजल की बहन बनी हैं। अली के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में वे कहती हैं, 'सीरीज की तरह वे रियल लाइफ में भी काफी केयरिंग हैं। हमारा मस्ती-मजाक वाला रिश्ता है। वे मेरी बहुत टांग खींचते हैं। मैं शो में सबसे छोटी हूं। जब आई थी, सबसे छोटी थी, अभी भी सबसे छोटी हूं, तो सभी मेरा बच्चे की तरह ख़याल रखते हैं।

मैंने मिर्जापुर के लिए मना कर दिया था

डिंपी पंडित का जो किरदार हर्षिता के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, उसके लिए उन्होंने पहले मना कर दिया था। वे बताती हैं, 'मैंने एक टीवी शो किया था साह्वा हक, उसमें हमारे मिर्जापुर के निर्देशक गुरमीत असिस्टेंट डायरेक्टर हुआ करते थे। उन्होंने मुझे मिर्जापुर के सीजन वन के लिए डिंपी पंडित की भूमिका का ऑफर दिया। उस वक्त तक हम ओटीटी क्या होता है, जानते नहीं थे। मैंने रोल के लिए मना कर दिया था, क्योंकि आपकी लिमिटेड अंडरस्टैंडिंग होती है। मुझे कहा गया कि दो भाइयों की बहन का रोल है और मैंने उसे नकार दिया, लेकिन फिर उनका दोबारा कॉल आया। मैं जब दूसरी बार मिली, तो मुझे वो सीन नरेट किया गया, जहां मुन्ना (दिव्येंदु शर्मा) के अटैक करने पर डिंपी बोलती है, गाड़ी रोक वरना ठोक देंगे। उस बार मुझे पूरा माहौल और किरदार जम गया और मैंने हां कर दी। आज मिर्जापुर के तीन सीजन के बाद जब मिर्जापुर द मूवी आ रही है, तो लगता है कि अगर मैंने डिंपी के लिए मना कर दिया होता, तो ये मेरे करियर की सबसे बड़ी बेवकूफी होती।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh™
MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.

HDFC BANK
We understand your world

Mega Exchange Offer
Limited time only

Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models

- Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
- Assured Gifts upto ₹12448/-
- Total Exchange Benifits ₹24448/-

Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above

Hurry !!! Rush to your nearest dealer

Customer care no. : 18001209630